बागेश्वर धाम एवं मेहंदीपुर बालाजी के चरणों में समर्पित

दैनिक हिन्दी समाचार पत्र

संस्कार उजाला

संस्कार उजाला
www.sanskarujala.com
SANSKAR UJALA
सच की हुंकार

sanskarujala@gmail.com

संस्थापक स्व० सुखराम शर्मा एवम शिवकुमार शर्मा, श्री प्रकाशवीर

सच की हुंकार

संस्थापक
स्व. श्री आर. के. शर्मा

गाजियाबाद से प्रकाशित, दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद, हरियाणा, सहारनपुर, मेरठ, मुरादाबाद, बरेली, हापुड, बुलंदशहर, मथुरा आगरा, इटावा, कानपुर एंव लखनऊ से प्रसारित

वर्ष : 12 अंक : 117 | सोमवार 18 अगस्त 2024, गाजियाबाद | RNI No-UPHIN / 2013 / 50466 | पेज: 8 मूल्य : 2 रुपया

अमित शाह ने कहा- मुस्लिम भाइयों को भड़काया गया

अहमदाबाद। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को नए नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) के तहत अहमदाबाद में 188 पाकिस्तानी हिंदुओं को भारत की नागरिकता प्रदान की। समाचार एजेंसी आईएएनएस के अनुसार इस अवसर पर बोलते हुए गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि सरकार पड़ोसी देशों के हिंदू, जैन, बौद्ध और सिखों सहित उत्पीड़ित अल्पसंख्यकों को नागरिकता प्रदान करने के लिए दृढ़ है और उन्होंने कांग्रेस के नेतृत्व वाले भारत गुट की तुष्टिकरण की राजनीति की भी आलोचना की। अमित शाह ने कहा, 'मैं उन परिवारों को बधाई देता हूं जिन्हें नागरिकता मिली। मुझे और भी खुशी है कि यह गुजरात में हो रहा है। सीएए लोगों को उनके अधिकार और न्याय देने की एक पहल है। कांग्रेस पार्टी ने 2014 तक कभी लोगों को उनका अधिकार नहीं दिया। लाखों-करोड़ों लोग अपने अधिकारों के लिए इंतजार करते रहे, लेकिन

- अमित शाह ने अहमदाबाद में 188 पाकिस्तानी हिंदुओं को सौंपा नागरिकता प्रमाण पत्र।
- कहा- सीएए किसी की नागरिकता लेने के लिए नहीं बल्कि नागरिकता देने के लिए है।

इंडिया ब्लॉक के तहत उन्हें कभी न्याय नहीं मिला।कांग्रेस ने वोट बैंक के लिए नहीं दी नागरिकता: अमित शाह गौरतलब है कि गुजरात सरकार ने सीएए के तहत अहमदाबाद जिले में अब तक 1,167 लोगों को भारतीय नागरिकता प्रदान की है। सीएए का ऐतिहासिक संदर्भ देते हुए अमित शाह ने कहा, 'करोड़ों भारतीय धर्म के आधार पर विभाजन के दौरान लोगों द्वारा सामना किए गए मुद्दों को नहीं भूल सकते। अमित शाह ने कहा कि कांग्रेस ने अपने वोट बैंक को खुश करने के लिए हमारे लोगों को नागरिकता नहीं दी। हमारा इतिहास इसे सदैव याद रखेगा। इन लोगों का क्या कसूर था जो अपनी संपत्ति छोड़कर अपनी बेटियों और पत्नियों को बचाने के लिए यहां आये थे? कानून इन लोगों की सुरक्षा के लिए है। इस कानून से करोड़ों हिंदू, जैन और सिखों को न्याय मिलेगा।नागरिकता लेने के लिए नहीं, देने के लिए है सीएए' उन्होंने मुस्लिम समुदाय के बीच चिंताओं को दूर करने की भी कोशिश की और स्पष्ट करते हुए कहा, 'मैं अपने मुस्लिम भाइयों और बहनों को यह स्पष्ट करना चाहता हूं कि यह किसी की नागरिकता लेने के लिए नहीं है, बल्कि उन्हें नागरिकता देने के लिए है। पहले भी इस कानून के खिलाफ कई लोगों को भड़काया गया था। किसी को भी अपनी नागरिकता नहीं छोड़नी पड़ेगी। कुछ लोग सिर्फ व्यापक जनता को गुमराह करना चाहते हैं। आपकी नौकरियां, घर और नागरिकता सुरक्षित हैं। यह कानून सिर्फ आपको न्याय दिलाने के लिए है।' आईएएनएस के अनुसार अमित शाह ने नागरिकता समारोह के अलावा अहमदाबाद और गांधीनगर में लगभग 1,000 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाएं शुरू कीं। उन्होंने शहर के बोदकदेव क्षेत्र में अहमदाबाद नगर निगम (एएमसी) के ऑक्सीजन पार्क का भी उद्घाटन किया और नागरिकों से पर्यावरण की रक्षा के लिए वृक्षारोपण के राष्ट्रव्यापी अभियान में शामिल होने का आग्रह किया। । शाह ने पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर जोर देते हुए 100 दिनों में 30 लाख पेड़ लगाने की एएमसी की पहल की सराहना की।

दैनिक संस्कार उजाला
न्यूज एवं विज्ञापन के लिए संपर्क करें

संस्कार उजाला समाचार पत्र में रिपोर्टर, ब्यूरोचीफ, मार्केटिंग करने वालों लोगों की जरुरत है। तुरंत संपर्क करें।

महेश शर्मा
प्रबंध संपादक
मो. नं:-9911733939

छह महीने में भाजपा के आधे नेता जेल में होंगे

पीटीआई, बेंगलुरु। कर्नाटक सरकार के मंत्री और कांग्रेस नेता प्रियांक खरगे ने चेतावनी देते हुए कहा कि राज्य में भाजपा के आधे नेता अगले छह महीनों में या तो जेल में होंगे या जमानत के लिए भागेंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार पिछली भाजपा सरकार के भ्रष्टाचार के मामलों के तह तक जाएगी। कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत द्वारा एमयूडीए में साइट आवंटन घोटाले मामले में मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के खिलाफ मुकदमा चलाने की अनुमति दिए जाने पर प्रियांक ने कहा कि कांग्रेस कोई जादू-टोना नहीं कर रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की पहली प्राथमिकता सुशासन है। भाजपा नेताओं के खिलाफ 35 से अधिक मामले' समाचार एजेंसी पीटीआई के अनुसार प्रियांक खरगे ने रविवार को मीडिया से बातचीत के दौरान कहा, 'एक सरकार के रूप में हमारी पहली प्राथमिकता एक कुशल शासन देना है, न कि जादू-टोना करना, लेकिन हां, यह कहा जा सकता है कि पिछली सरकार में बहुत सारी विसंगतियां थीं।' उन्होंने कहा कि भाजपा नेताओं के खिलाफ 35 से अधिक मामले हैं और तीन से चार मामलों में अंतरिम रिपोर्ट सौंपी गई है। प्रियांक ने कहा कि राज्य सरकार ने आपराधिक जांच विभाग की एक विशेष जांच टीम का गठन किया है। उन्होंने कहा, 'हम इन मामलों को करीब से देख रहे हैं। हम उन मामलों की तह तक जाएंगे। इसमें समय लगता है। पिछली सरकार में अत्यधिक भ्रष्टाचार था। हम इस पर काम कर रहे हैं और मैं आपको फिर से आश्वस्त करता हूं कि अगले छह महीनों में आधे भाजपा नेता जमानत के लिए दौड़ेंगे या जेल में होंगे।'सीएम के खिलाफ नहीं हैं कोई सबूत: प्रियांक मंत्री ने कहा कि ऐसे कई मामले हैं जहां राज्यपाल की भूमिका पर बहस हुई है, जिसे पत्थर की लकीर बना दिया गया है और इसे अदालत के समक्ष रखा जाएगा। एक सवाल के जवाब में खरगे ने कहा कि भाजपा नेताओं के पास सिद्धारमैया के खिलाफ मामले को तार्किक अंत तक ले जाने का कोई रास्ता नहीं है, क्योंकि उनके पास कोई सबूत नहीं है। उन्होंने कहा, 'केवल एक चीज जो वे कर सकते हैं, वह यह है कि वे केंद्रीय जांच ब्यूरो, आयकर, प्रवर्तन निदेशालय और स्वयं राज्यपाल का उपयोग करके मामले को जीवित रख सकते हैं।' राज्यपाल पर साधा निशाना राज्य में राजनीतिक उथल-पुथल के लिए गहलोत को जिम्मेदार ठहराते हुए खड़गे ने आरोप लगाया कि राज्यपाल कर्नाटक के संवैधानिक प्रमुख नहीं बल्कि कठपुतली हैं। खड़गे ने आरोप लगाया, "दुर्भाग्य से (राज्यपाल के) पद से समझौता किया गया है और वह भाजपा कार्यकर्ता की तरह व्यवहार कर रहे हैं।' एक सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा कभी भी लोगों के जनादेश के जरिए सत्ता में नहीं आई बल्कि जनादेश को चुरा लिया। यही एकमात्र तरीका था जिससे बीजेपी कर्नाटक या अन्य जगहों पर सत्ता में आ सकती थी।

『सुविचार』

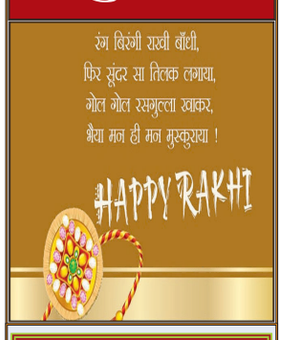

संक्षिप्त

नई दिल्ली। चंद्रमा पर मानव के उतरने की तैयारी पूरी

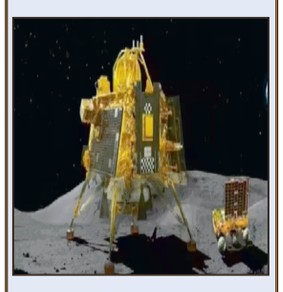

आईएएनएस, नई दिल्ली। सब कुछ ठीक-ठाक रहा तो भारत 2035 तक अंतरिक्ष स्टेशन स्थापित करेगा। वहीं, 2040 तक चंद्रमा पर मानव उतारकर इतिहास रचेगा। यह बातें केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह ने रविवार को कहीं। राज्य मंत्री ने कहा कि अंतरिक्ष क्षेत्र से संबंधित केंद्रीय बजट 2024-25 में की गई घोषणाएं भविष्य को देखते हुए बनाई गई है। उन्होंने 2025 की दूसरी छमाही तक एक भारतीय एस्ट्रोनॉट को अंतरिक्ष में भेजने और 2040 तक चंद्रमा पर पहला भारतीय उतारने की महत्वाकांक्षी योजना की बात कही।10 सालों में अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था पांच गुना तक बढ़ेगी उन्होंने ने कहा, 2023 में हमने 1,000 करोड़ रुपये का निवेश देखा। अनुमान है कि अगले 10 सालों में अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था पांच गुना या लगभग 44 बिलियन डॉलर तक बढ़ जाएगी।साथ ही उन्होंने भारतीय वैज्ञानिकों के विदेशी स्पेस एजेंसियों के साथ काम करने को लेकर कहा कि इससे विदेश जाने वाली प्रतिभाओं को रोकने की उम्मीद है। कोरोना की वजह से गगनयान में देरी हुई उन्होंने बताया कि गगनयान अगले साल अंतरिक्ष की उड़ान भरेगा क्योंकि कोरोना की वजह से भारत के पहले मानव अंतरिक्ष यान मिशन में दे हो गई। इसके साथ ही भारत रोबोट उड़ानें भेजने का भी लक्ष्य बना रहा है। साल 2025 में एक महिला रोबोट, वायुमित्रा को अंतरिक्ष में भेजा जाएगा। यह रोबोट एक अंतरिक्ष यात्री की सभी गतिविधियां करेगा और धरती पर वापस आएगा।भारत में डिजिटल स्पेस स्टार्टअप को बढ़ावा मिला 2023 की नई अंतरिक्ष नीति का हवाला देते हुए मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा कि नई नीति से भारत में डिजिटल स्पेस स्टार्टअप को बढ़ावा दिया है। सिंह ने कहा कि नई नीति ने इसरो की गतिविधियों में प्राइवेट सेक्टर के लिए भाग लेने के दरवाजे खोले हैं। मंत्री ने कहा कि इसरो के बुनियादी ढांचे को मजबूत करते हुए उन्होंने इसरो परिसर में एक निजी लॉन्चपैड भी स्थापित किया है।

जल्द नहीं मिला न्याय तो बंद हो सकती हैं इमरजेंसी सेवाएं

रॉयटर्स, कोलकाता। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में ट्रेनी डॉक्टर से हुए दुष्कर्म और हत्या मामले को लेकर पूरे देश में डॉक्टर्स का विरोध-प्रदर्शन रविवार को भी जारी है। प्रदर्शन देश के अलग-अलग राज्यों में चल रहे हैं। डॉक्टर्स अपनी सहकर्मी के लिए लल्द से जल्द न्याय की मांग कर रहे हैं। महिला डॉक्टरों का कहना है कि आरजी कर मेडिकल कॉलेज में हुई घटना ने इस बात को पुख्ता कर दिया है कि साल 2012 में दिल्ली में चलती बस में छात्रा (निर्भया) के साथ सामूहिक दुष्कर्म और हत्या के बाद कड़े कानूनों के बावजूद भारत में महिलाएं असुरक्षित हैं। लाखों बेटे और बेटियां अब मेरे साथ- पीड़िता के पिता समाचार एजेंसी

रॉयटर्स के मुताबिक पीड़िता के पिता ने कहा, रमेरी बेटी चली गई, लेकिन लाखों बेटे और बेटियां अब मेरे साथ हैं। इससे मुझे बहुत ताकत मिली है और मुझे लगता है कि हम इससे कुछ हासिल करेंगे।डॉक्टरों की 24 घंटे की हड़ताल समाप्त रविवार को सुबह 6 बजे डॉक्टरों की 24 घंटे की हड़ताल समाप्त हुई। आईएए ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से कहा कि भारत में 60 फीसदी डॉक्टर महिलाएं हैं, इसलिए उन्हें वह सुनिश्चित करें कि अस्पताल के कर्मचारियों को हवाई अड्डों जैसे सुरक्षा प्रोटोकॉल से संरक्षित किया जाए। गुजरात के ट्रेनी डॉक्टर तीसरे दिन भी ओपीडी सेवाओं से दूर इंडियन मेडिकल एसोसिएशन ने पीएम मोदी को लिखे पत्र में कहा, रसभी स्वास्थ्य सेवा पेशेवर कार्यस्थल पर शांतिपूर्ण माहौल, सुरक्षा और संरक्षा के हकदार हैं।र ऊधर पीएम के गृह राज्य गुजरात में, सरकारी अस्पतालों में 6,000 से अधिक ट्रेनी डॉक्टर रविवार को तीसरे दिन भी ओपीडी सेवाओं से दूर रहे। हालांकि प्राइवेट अस्पतालों में सेवाएं फिर से शुरू हो गईं। डॉक्टरों से काम पर लौटने का आग्रह वहीं, सरकार ने डॉक्टरों से डेंगू और मलेरिया के बढ़ते मामलों के इलाज के लिए काम पर लौटने का आग्रह किया है, जबकि स्वास्थ्य पेशेवरों की सुरक्षा में सुधार के उपाय सुझाने के लिए एक समिति गठित की है।बंद हो सकती हैं आपातकालीन सेवाएं दूसरी ओर उत्तर प्रदेश में आईएमए के प्रमुख डॉ. मदन मोहन पालीवाल ने कहा, रडॉक्टर अपनी दिनचर्या पर वापस आ गए हैं। अगर सरकार डॉक्टरों की सुरक्षा के लिए कोई सख्त कदम नहीं उठाती है, तो अगला कदम तय किया जाएगा और इस बार हम आपातकालीन सेवाएं भी बंद कर सकते हैं। भुवनेश्वर में काम पर नहीं लौटे डॉक्टर उड़ीसा की राजधानी भुवनेश्वर में एम्स के डॉ. प्रभास रंजन त्रिपाठी ने कहा कि अबक जूनियर डॉक्टर और इंटर्न ने काम पर वापस नहीं लौटे हैं। उन्होंने कहा कि आज भी प्रदर्शन हो रहे हैं। दूसर डॉक्टरों पर बहुत दबाव है क्योंकि जनशक्ति कम हो गई है।

शरद पवार का साथ कभी नहीं छोड़ता

पीटीआई, नागपुर। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव से पहली ही वहां राजनीति चरम पर पहुंच गई है। अजित पवार गुट के नेताओं के शरद पवार से मिलने के बाद कई अटकलें भी लगने लगीं थी। इस बीच एनसीपी विधायक राजेंद्र शिंगने ने आज दावा किया कि वो शरद पवार को छोड़ना नहीं चाहते थे, लेकिन एक मजबूरी के चलने वो अजित गुट में गए। इस कारण अजित पवार का दिया साथ एनसीपी विधायक ने दावा किया है कि जिस सहकारी बैंक से वे जुड़े थे, उसमें दिक्कतें आने के कारण उन्हें पिछले साल पार्टी में विभाजन के बाद महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार का साथ देना पड़ा। अजित पवार और कई अन्य विधायक पिछले साल राज्य में शिवसेना-भाजपा सरकार में शामिल हो गए थे, जिसके कारण शरद पवार द्वारा स्थापित राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) में विभाजन हो गया था। हमेशा शरद पवार का सम्मान किया शिंगने ने शनिवार को वर्धा में एक कार्यक्रम में एनसीपी (सपा) प्रमुख शरद पवार के साथ मंच साझा किया। कार्यक्रम के दौरान मीडियाकर्मियों से बात करते हुए बुलढाणा जिले के सिंदखेड राजा का प्रतिनिधित्व

करने वाले विधायक ने कहा कि उन्होंने हमेशा शरद पवार का सम्मान किया है। शरद पवार के हमेशा ऋणी रहेंगे शिंगने ने कहा कि उन्होंने करीब 30 साल तक शरद पवार के नेतृत्व में काम किया है और उन्होंने उनके राजनीतिक जीवन में बहुत बड़ा योगदान दिया है और वे हमेशा उनके ऋणी रहेंगे।

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की

पीटीआई, नई दिल्ली। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात कर कर्ज में डूबे अपने राज्य के लिए वित्तीय सहायता बढ़ाने की मांग की। सूत्रों ने बताया कि केंद्रीय बजट के बाद मोदी के साथ अपनी पहली बैठक में नायडू ने आंध्र प्रदेश के लिए की गई प्रमुख घोषणाओं के लिए उन्हें धन्यवाद दिया। इसमें नई राजधानी के विकास के लिए 15 हजार करोड़ रुपये की फंडिंग भी शामिल है। सूत्रों ने बताया कि तेलुगु देसम पार्टी (तेदेपा) प्रमुख ने राज्य की वित्तीय स्थिति पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने राजकोषीय चुनौतियों से निपटने,

आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देने और राज्य की जीडीपी बढ़ाने के लिए केंद्रीय समर्थन का अनुरोध किया। सीतारमण से मुलाकात की बाद में नायडू ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मुलाकात की और अपने राज्य से संबंधित मुद्दों पर चर्चा की। उनके गृह मंत्री अमित शाह से भी मुलाकात करने की संभावना है। तेदेपा अपने 16 लोकसभा सदस्यों के साथ केंद्र में राजग सरकार का एक प्रमुख घटक है।

कोलकाता रेप-मर्डर केस में अब सुप्रीम कोर्ट ने लिया

एएनआई, नई दिल्ली। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में डॉक्टर से रेप-हत्या मामले पर अब सुप्रीम कोर्ट ने स्वत: संज्ञान लिया है। 9 अगस्त को हुई इस घटना से देश भर में आक्रोश फैल गया, जिसके कारण देश के कई राज्यों में मेडिकल पेशेवरों ने व्यापक विरोध प्रदर्शन और हड़ताल का एलान किया। भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ 20 अगस्त को मामले की सुनवाई करेगी।

20 अगस्त को होगी सुनवाई

सुप्रीम कोर्ट का ये हस्तक्षेप बढ़ते प्रदर्शन और लोगों के दबाव के बीच आया है। दरअसल, शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट में प्रैक्टिस करने वाले दो वकीलों और तेलंगाना के एक डॉक्टर ने उखक चंद्रचूड़ को पत्र लिखकर कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में एक डॉक्टर के बलात्कार और हत्या के मामले में स्वत: संज्ञान

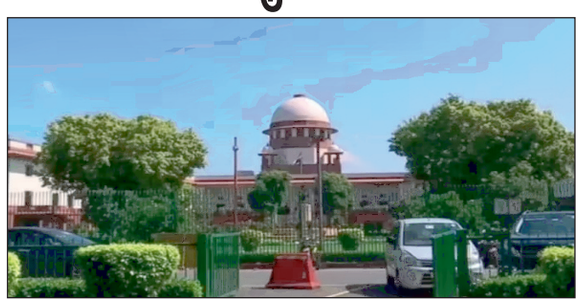

लेने का आग्रह किया। CBI के पास हैं मामला बता दें कि इस मामले की जांच अब केंद्रीय जांच ब्यूरो द्वारा की जा रही है। इस हादसे के बाद से भारत के मेडिकल पेशवरों, खासकर महिला डॉक्टरों की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा कर दी हैं। कोलकाता की ट्रेनी महिला डॉक्टर का शव अस्पताल के सेमिनार हॉल में पड़ा हुआ मिला था। अपराध के सिलसिले में एक आरोपी को हिरासत में लिया है। हालांकि, पीड़िता के परिवार और प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि यह अपराध सामूहिक बलात्कार था और वे यह सुनिश्चित करने के लिए गहन जांच की माँग कर रहे हैं। IMA का देशव्यापी हड़ताल शव के पोस्टमार्टम से पुष्टि हुई है कि पीड़िता की मौत से पहले उसके साथ यौन उत्पीड़न किया गया था। देश में डॉक्टरों की सबसे बड़ी संस्था इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) ने मारे गए डॉक्टर के लिए न्याय की मांग की है। शनिवार को आईएमए ने देशव्यापी हड़ताल का आह्वान करते हुए सभी गैर-जरूरी चिकित्सा सेवाओं को 24 घंटे के लिए निलंबित कर दिया।

ममता बनर्जी पर भड़कीं निर्भया की मां

- ध्यान भटकाने की कोशिश कर रहीं ममता बनर्जी
- अधिकार का इस्तेमाल नहीं कर रहीं सीएम बनर्जी
- दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करनी चाहिए थी

नई दिल्ली। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में की ट्रेनी डॉक्टर के साथ हुए दुष्कर्म और हत्या के विरोध में देशभर में आंदोलन जारी है। इस बीच 2012 के दिल्ली सामूहिक दुष्कर्म मामले की पीड़िता निर्भया की मां ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के इस्तीफे की मांग की है। निर्भया की मां ने कहा सीएम ममता बनर्जी डॉक्टर के साथ हुए दुष्कर्म और हत्या के खिलाफ हो रहे विरोध-प्रदर्शन के बाद स्थिति को संभालने में नाकाम साबित हुई हैं। ध्यान

भटकाने की कोशिश कर रहीं ममता बनर्जी समाचार एजेंसी पीटीआई से बात करते हुए निर्भया की मां आशा देवी ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर विरोध-प्रदर्शन करके लोगों का ध्यान भटकाने की कोशिश करने का आरोप लगाया। बता दें कि सीएम बनर्जी ने कोलकाता में एक रैली की थी जिसमें दुष्कर्म मामले के दोषियों को मौत की सजा देने की मांग की गई थी। अधिकार का इस्तेमाल नहीं कर रहीं सीएम बनर्जी आशा देवी ने कहा, दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए अपने अधिकार का इस्तेमाल करने के बजाय, ममता बनर्जी जनता को गुमराह करने की कोशिश कर रही हैं। दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करनी चाहिए थी उन्होंने कहा, वह खुद एक महिला हैं। उन्हें राज्य के मुखिया के तौर पर अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करनी चाहिए थी। उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए, क्योंकि वह स्थिति को संभालने में नाकाम रही हैं। देश में क्रूरताएं होती रहेंगी आशा देवी ने आगे कहा कि जब तक केंद्र और राज्य सरकारें दुष्कर्मियों के लिए कोर्ट से जल्द सजा दिलाने के प्रति गंभीर नहीं होंगी, तब तक देशभर में हर दिन ऐसी क्रूरताएं होती रहेंगी। उन्होंने कहा कि जब कोलकाता के मेडिकल कॉलेज में लड़कियां सुरक्षित नहीं हैं और उनके साथ ऐसी बर्बरता की जाती है, तो देश में महिला सुरक्षा की स्थिति को समझा जा सकता है।

रक्षाबन्धन पर्व से जीवन में सीख

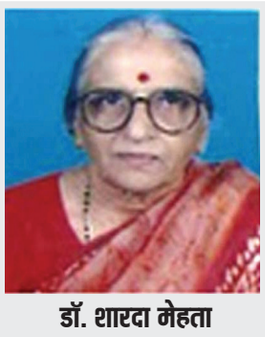

डॉ. शारदा मेहता

वर्तमान समय परिवर्तन का युग है। अनेक बहिनें विदेशों में निवास करती हैं। कई भाई भी विदेशों में रहते हैं। वे सभी डिजिटल राखियाँ एक-दूसरे को भेजकर इस त्योहार की औपचारिकता पूर्ण करते हैं। सीमित परिवारों में या तो दो बहनें होती हैं या दो भाई होते हैं। कुछ परिवारों में एक भाई एक बहन होते हैं। दो बहनें एक-दूसरे को रक्षा सूत्र बाँध कर एक-दूसरे की रक्षा का वचन ले सकती हैं। इसी प्रकार दो भाई भी एक-दूसरे को राखी बाँधकर इस त्योहार का आनन्द ले सकते हैं और आजीवन एक-दूसरे की सहायता कर सकते हैं।

भाई-बहन के पवित्र स्नेह का प्रतीक रक्षाबन्धन का त्योहार भारतीय संस्कृति के प्रमुख त्योहारों में माना जाता है। श्रावण मास की पूर्णिमा के दिन बड़े हर्ष के साथ इस पर्व को मनाया जाता है। इस पूर्णिमा को श्रावणी पूर्णिमा तथा नारियल (नारेली) पूर्णिमा भी कहते हैं। पुरुषों द्वारा गले में धारण किए जाने वाला पवित्र धागा जिसे यज्ञोपवीत कहते हैं श्रावणी पूर्णिमा के दिन बदल कर उसके बदले में पूजन कर नई यज्ञोपवीत धारण की जाती है। नदी आदि पवित्र स्थानों पर सामूहिक रूप से इसे बदलने का कार्यक्रम पंडितों द्वारा आयोजित किया जाता है जहाँ विधिपूर्वक पूजन कर इसे धारण किया जाता है। घरों में भी पूजन विधि पूर्ण कर इसे पहना जाता है। बाजार में पूजन सामग्री विक्रेताओं के यहाँ यज्ञोपवीत आसानी से उपलब्ध हो जाती है।

रक्षाबंधन का त्योहार कब से प्रारंभ हुआ इस विषय में विभिन्न पौराणिक ग्रंथों में भिन्न-भिन्न कथाएँ पढ़ने को प्राप्त होती है। किस कथा को आधार मान कर यह पर्व अस्तित्व में आया इस विषय में विद्वानों में मतैक्य नहीं है। इस लेख में कुछ प्रचलित कथाओं का संक्षेप में वर्णन किया जा रहा है।

१. इन्द्र की कथा- देवराज इन्द्र की राजा बलि से युद्ध में रक्षा करने के लिए उनकी पत्नी शची (इन्द्राणी) ने एक रक्षा सूत्र तैयार किया और उसे इन्द्र की कलाई पर बाँध दिया। तभी से रक्षा सूत्र बाँधने की परम्परा अस्तित्व में आई। इस कथा के आधार पर राखी, पत्नी ने पति को युद्ध में जीत दिलाने की शुभेच्छा से बाँधी थी। कुछ विद्वानों का मत है कि इन्द्राणी ने रक्षा सूत्र तैयार किया और किसी श्रेष्ठ ब्राह्मण ने इन्द्र की कलाई पर इसे बाँधा।

२. श्रीकृष्ण द्रौपदी कथा- युद्ध में एक बार श्रीकृष्ण की अंगुली में चोट लगने से रक्त बहने लगा। उपचार का कोई साधन उपलब्ध नहीं था अतः द्रौपदी ने अपनी साड़ी के पल्लू को फाड़कर एक पट्टी निकाली और उसे श्रीकृष्णजी की अँगुली में बाँध कर रक्त का बहना रोक दिया। पौराणिक ग्रन्थों के अनुसार तभी से भाई की कलाई पर रक्षा सूत्र बाँधने की परम्परा प्रारंभ हुई। बहिन द्रौपदी ने भाई श्रीकृष्ण की रक्षा की थी इसलिए जब भरे दरबार में द्रौपदी का चीरहरण किया जा रहा था तब मन ही मन द्रौपदी ने श्रीकृष्ण का स्मरण किया था, श्रीकृष्ण ने अदृश्य रूप से दरबार में द्रौपदी की रक्षा की थी। तभी से रक्षा बन्धन का त्योहार मनाया जाने लगा।

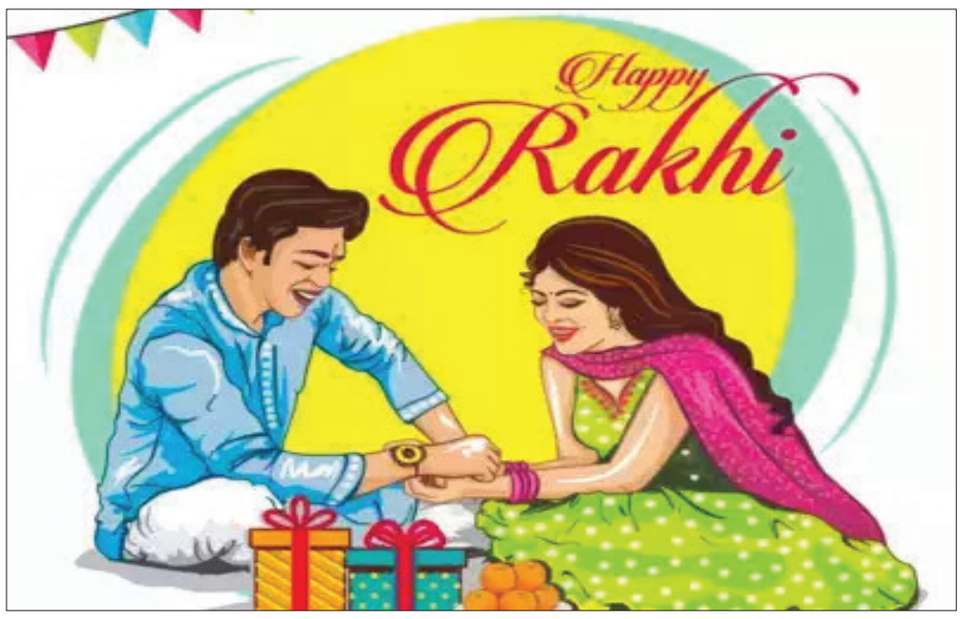

३. लक्ष्मीजी और राजा बलि की कथा- एक बार भगवान विष्णु ने दैत्यराज बलि की परीक्षा लेने का सोचा। वे वामन अवतार धारण कर उनके राज्य में गए। इस अवसर में विष्णुजी ने बौने ब्राह्मण का रूप धारण किया। कहा जाता है कि उनकी ऊँचाई केवल बावन अंगुल की थी। राजा बलि ने उनके दरबार में आये ब्राह्मण का स्वागत सत्कार किया, उन्हें सम्मानित किया। वामन अवतारधारी विष्णुजी ने बलि से तीन पग भूमि दान देने को कहा। राजा बलि ने सोचा यह ब्राह्मण बोना है अतः तीन पग भूमि छोटे कदम के नाप से कम ही होगी, अतः उन्होंने ब्राह्मण की याचना स्वीकार कर ली। दैत्य गुरु शुक्राचार्य ने राजा बलि से ब्राह्मण को भूमि देने से इंकार किया, परन्तु राजा बलि तो संकल्प ले चुके थे। वामन भगवान ने दो पग में ही सम्पूर्ण लोकों को नाप लिया तो राजा बलि ने तीसरे पग के लिए अपना स्वयं का सिर रख दिया और भगवान वामन (विष्णुजी) से प्रार्थना की कि आप मेरे साथ पाताल लोक चलें। सरल हृदय विष्णुजी ने राजा बलि की प्रार्थना के स्वीकार कर लिया और पाताल लोक को चले गए।

खोजने पर लक्ष्मीजी को ज्ञात हुआ कि भगवान पाताल लोक में गए हैं। वे चिंतित रहने लगी। पौराणिक ग्रन्थों के अनुसार नारद मुनि ने लक्ष्मीजी को उदास देख कर सलाह दी कि राजा बलि के हाथ में रक्षा सूत्र बाँध कर उन्हें अपना भाई बना लें और उनसे विष्णु भगवान प्राप्त कर लें। लक्ष्मीजी पाताल लोक गईं और राजा बलि के हाथ में रक्षा सूत्र बाँधकर उन्हें अपना भाई बना लिया। रक्षा सूत्र बाँध कर लक्ष्मीजी ने अपने भाई से भगवान विष्णु को माँग लिया। विष्णुजी ने राजा बलि को वचन दिया कि प्रतिवर्ष चार मास के लिए वे पाताल लोक में निवास करेंगे। तभी से हिन्दू पंचांग के अनुसार देवशयनी एकादशी से लेकर देव प्रबोधिनी एकादशी तक विष्णु भगवान पाताल लोक में रहते हैं। इन चार मास में कोई भी मांगलिक कार्य नहीं होता है।

कहा जाता है कि चित्तौड़गढ़ की रानी कर्णावती ने भी हुमायूँ को जो कि दिल्ली का सम्राट था, उसके लिए राखी भेजी थी।

इन्द्राणी (शची) ने स्वनिर्मित रक्षा सूत्र पति (इन्द्र) को युद्ध में विजय प्राप्ति होने के लिए उनकी कलाई पर बाँधा था। यह कथा इस बात की पोषक है कि पत्नी भी पति की रक्षा के लिए तत्कालीन परिस्थितियों में राखी बाँध सकती थी। पति और पत्नी एक-दूसरे के पूरक होने के साथ ही आजीवन एक-दूसरे के संकट के समय सहायता करते हैं। अतः रक्षा सूत्र बाँधने की यह परम्परा उचित प्रतीत होती है। लक्ष्मीजी ने भी राजा बलि के हाथों में रक्षा सूत्र बाँधकर अपने पति भगवान विष्णु को राखी के उपहार स्वरूप माँग लिया और उन्हें पाताल लोक के बन्धन से मुक्त करवाया। भगवान श्रीकृष्ण ने भी द्रौपदी द्वारा बाँधी गई साड़ी की पट्टी से अँगुली से खून बहने को रोका। उन्होंने चीरहरण के समय द्रौपदी की रक्षा की। रक्षा सूत्र भाई बहिन के स्नेह का प्रतीक तो है ही, संकट के समय एक-दूसरे की सहायता करने का सन्देश देने वाला पर्व भी है। इसमें भाई के सिर पर अक्षत युक्त तिलक लगाकर बहिन इस बात की कामना करती है कि मेरा भाई हमेशा अपने कार्य में सफल हो, विजय प्राप्त करें। भाई के हाथ में नारियल देना उसके सुखद भविष्य के लिए शुभ संकेत है। भाई-भाभी की आरती उतार कर उनके सुखद मंगलमय जीवन की कामना करती है। मेरे भाई भाभी की जोड़ी सुखी रहे और मेरी भाभी का सौभाग्य अटल रहे, यही बहिन का आशीर्वाद रहता है।

इस प्रकार गहन स्नेह का प्रतीक रक्षाबंधन पर्व भारतीय संस्कृति में बड़े उल्लास से मनाया जाता है। भाई-भाभी से स्नेहोपहार प्राप्त कर बहिन अपने आपको सौभाग्यशाली समझती है।

वर्तमान समय परिवर्तन का युग है। अनेक बहिनें विदेशों में निवास करती हैं। कई भाई भी विदेशों में रहते हैं। वे सभी डिजिटल राखियाँ एक-दूसरे को भेजकर इस त्योहार की औपचारिकता पूर्ण करते हैं। सीमित परिवारों में या तो दो बहनें होती हैं या दो भाई होते हैं। कुछ परिवारों में एक भाई एक बहन होते हैं। दो बहनें एक-दूसरे को रक्षा सूत्र बाँध कर एक-दूसरे की रक्षा का वचन ले सकती हैं। इसी प्रकार दो भाई भी एक-दूसरे को राखी बाँधकर इस त्योहार का आनन्द ले सकते हैं और आजीवन एक-दूसरे की सहायता कर सकते हैं। प्रायः सभी घरों में कन्याओं द्वारा भगवान श्रीकृष्ण और हनुमानजी को रक्षा सूत्र बाँधने की परम्परा तो युगों से चली आ रही हैं। नवाचार के इस युग में बच्चों से वृक्षों पर रक्षा सूत्र बँधवाएँ जिससे वे उसकी रक्षा करें और काटे नहीं। पालतू पशुओं को भी राखी बाँधकर उन पर हो रहे अत्याचार को रोकें। अतः समय के अनुकूल जैसा भी संभव हो रक्षा सूत्र के पवित्र बन्धन के त्योहार को मनाने का हम नई पीढ़ी के सामने एक उदाहरण प्रस्तुत कर सकते हैं।

संपादकीय

स्तब्ध करता फैसला

भारतीय पहलवान विनेश फोगाट (29) की ओलंपिक रजत पदक पाने की उम्मीद बुधवार को ध्वस्त हो गई जब इस बाबत उनके दावे को अपील खेल पंचाट (सीएएस) ने खारिज कर दिया। यह वाकई निराश और हतप्रभ करने वाला निर्णय है। विनेश ने ओलंपिक फाइनल से पहले 100 ग्राम वजन अधिक होने के कारण अयोग्य करार दिए जाने के खिलाफ सीएएस के समक्ष अपील की थी। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने इस फैसले पर तीखी प्रतिक्रिया जताई है। आईओए की अध्यक्ष पीटी ऊषा ने कहा कि वह फैसले से स्तब्ध और निराश हैं। आईओए ने खिलाड़ियों के 'मनोवैज्ञानिक और शारीरिक तनाव' को समझने में नाकाम 'अमानवीय नियमों' की आलोचना की है।

विनेश ने पेरिस ओलंपिक में 50 किलो फ्रीस्टाइल कुश्ती में भारत का प्रतिनिधित्व किया। एक ही दिन में तीन कुश्ती मुकाबले जीतकर दमदार तरीके से फाइनल में पहुंचीं विनेश को फाइनल मुकाबले से पहले किए गए वजन में सौ ग्राम अधिक उतरने पर अयोग्य करार दे दिया गया था। इस पर विनेश ने क्यूबा की पहलवान युसनेलिस गुजमैन लापेज के साथ संयुक्त रूप से रजत पदक दिए जाने की मांग की थी। लापेज को विनेश ने सेमीफाइनल में हराया था। विनेश फोगाट अयोग्यता के चलते बिना पदक वतन लौट रही हैं, लेकिन देशवासी उनका विजेता की तरह स्वागत करने की तैयारी में हैं। उनके गृह राज्य हरियाणा ने उन्हें रजत पदक विजेता को मिलने वाली इनाम राशि और अन्य प्रोत्साहन देने की घोषणा की है। देशवासी मान रहे हैं कि विनेश स्वर्ण पदक जीत सकती थीं लेकिन नियति को यह मंजूर नहीं था। कुछ लोग यह भी कह रहे हैं कि भारतीय पहलवान किसी साजिश का शिकार हुई हैं। कुछ उनके प्रशिक्षक और अन्य स्टाफ को कठघरे में खड़ा करने से भी नहीं चूक रहे। दरअसल, देशवासियों में गुस्सा इस कदर है कि कुश्ती महासंघ तक को लपेटे दिए दे रहे हैं। दुख और गुस्से में अपनी मां के नाम किए पोस्ट में विनेश ने कुश्ती को अलविदा कहने की बात कही, लेकिन उन्हें इस फैसले पर फिर से विचार करना चाहिए। अभी उनमें कुश्ती के लिए पर्याप्त क्षमता है, और मौका आने पर वे सभी को चौंका सकती हैं। इसलिए उन्हें संन्यास लेने का अपने फैसले पर पुनर्विचार करना चाहिए।

जम्मू-कश्मीर लिखेगा एक और इतिहास

आजादी और विभाजन के बाद ऐतिहासिक विवाद और विचार-विमर्श का केंद्र रहे जम्मू-कश्मीर फिर नई इबारत लिखने जा रहा है। पांच अगस्त 2019 को स्वायत्तशासी राज्य से केंद्र शासित प्रदेश बनाए गए जम्मू-कश्मीर का भूगोल लद्दाख के अलग होने के कारण पहले ही बदल चुका है। अरसे बाद तीन चरणों में विधानसभा चुनाव तय हो गया है। 2014 के बाद होने जा रहा नए जम्मू-कश्मीर का यह विधानसभा चुनाव इतिहास का हिस्सा होगा। इस साल जून से आतंकवादियों के आए दिन हमलों और सुरक्षाकर्मियों की शहादत के बीच सुप्रीम कोर्ट के प्रति सम्मान जताने के चुनाव आयोग के फैसले से अवाम को स्थानीय स्तर पर नुमाइंदे मिल जाएंगे। इससे उनकी अपने जनप्रतिनिधि चुनने के बाद उनकी समस्याओं पर सुनवाई और समाधान नजदीक ही नहीं, तेजी से भी होने की उम्मीद बढ़ गई है। 87.09 लाख मतदाताओं वाले केंद्र शासित प्रदेश में सभी दलों के लिए पूर्ण राज्य का मुद्दा सबसे अहम है। अनुच्छेद 370 के खात्मे के समय गृह मंत्री अमित शाह ने आश्वासन दिया था कि विधानसभा चुनाव के बाद उचित समय पर राज्य का दर्जा बहाल किया जाएगा। जमीन और नौकरी का अधिकार, बेरोजगारी, महंगाई, अलगाववाद और सुरक्षा के हालात भी चुनाव पर अपनी छाप जरूर छोड़ेंगे।

भाजपा जम्मू-कश्मीर में अब्दुल्ला और मुफ्ती के परिवारवाद पर 2014 के लोकसभा चुनाव से ही प्रखरता से प्रहार करती रही है। 2019 में अनुच्छेद 370 खत्म करने के बाद इसे बड़ा मुद्दा बना दिया। 2024 के लोकसभा चुनाव में अवाम के बदले मिजाज का असर दिखा। यही वजह रही कि दो पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला बारामुला और महबूबा मुफ्ती अनंतनाग-राजोरी सीट पर हार गए। इंडिया गठबंधन में आम राय नहीं बन पाई। उमर की पराजय अप्रत्याशित रही। महबूबा की शिकस्त का कारण भी नेशनल कांफ्रेंस रही। हालांकि पांच में से दो संसदीय सीटों पर लड़ी कांग्रेस सबसे अधिक 29.38 प्रतिशत वोट पाने के बावजूद शून्य पर रही। दो सीटों पर चुनाव मैदान में उतरी भाजपा ने 24.26 फीसदी वोट के साथ दो सीटें जीत लीं। नेशनल कांफ्रेंस ने भी दो सीटें हासिल कीं पर 22.30 प्रतिशत वोट लेकर वह तीसरे स्थान पर खिसक गई। लोकसभा चुनाव के आंकड़ों में साफ है कि नेशनल कांफ्रेंस 34 विधानसभा क्षेत्रों में आगे रही। भाजपा ने 28, कांग्रेस सात और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी 5 सीटों पर बढ़त बनाई। बारामुला संसदीय सीट पर निर्दलीय जीते इंजीनियर रशीद 14 विधानसभा क्षेत्रों में अव्वल रहे। भाजपा की सहयोगी जम्मू-कश्मीर अपनी पार्टी और पीपुल्स कांफ्रेंस एक-एक क्षेत्र में आगे रही।

2014 के विधानसभा चुनाव में 25 साल बाद 66.4 फीसदी मतदान हुआ था। उस समय लद्दाख की चार सीटों को मिलाकर 87 सीटें थीं। भाजपा ने इनमें से 25 सीटें जीती थीं, जबकि उसे 23.2 फीसदी वोट मिले थे। पीडीपी की सीटें सबसे अधिक 28 थीं लेकिन वोट प्रतिशत 22.9 रहा। नेशनल कांफ्रेंस को 15 सीटें और 20.8 फीसदी मत मिले। कांग्रेस ने 18.2 प्रतिशत वोट हासिल कर 12 सीटें पाईं थीं। त्रिशंकु विधानसभा के कारण अरसे तक राज्यपाल शासन के बाद मुफ्ती मोहम्मद सईद के नेतृत्व में सरकार बनी थी। अब स्थितियां बदली हुई हैं। नए दौर में नतीजे नए गठबंधन के नेताओं और नीतियों पर निर्भर करेंगे। वैसे, 2024 में जम्मू-कश्मीर को 'जन्नत-ए-जम्हूरियत' के तौर पर दर्ज कराने के लिए भाजपा कोई कसर नहीं छोड़ेगी। भाजपा को भरोसा है कि बरसों बाद पहली बार विधानसभा चुनाव में मतदान का हक पाने वाले मतदाता और बेहतरी के लिए उसे चुनने में गर्व महसूस करेंगे। अनुच्छेद 370 हटाए जाने से पहले लोकसभा और विधानसभा चुनाव में मतदाता सूची का आधार अलग-अलग होने के कारण मतदाताओं की संख्या में ही नहीं, मंशा में भी भारी अंतर होता था। अब नए माहौल में यहां नई इबारत के साथ-साथ नया इतिहास लिखा जाना तय है। पाकिस्तान समेत दुनिया के लिए चुनाव पूरा होने तक जम्मू-कश्मीर कौतूहल का विषय बना रहेगा।

चुनावी लिहाज से परिसीमन के बाद से जम्मू और कश्मीर में सीटों का संतुलन बन गया है। कुल 90 विधानसभा सीटों में जम्मू क्षेत्र 37 से बढ़ कर 43 हो गई हैं, जबकि कश्मीर में यह आंकड़ा 46 से केवल 47 तक पहुंचा है। यही नहीं, परिसीमन के बाद नौ सीटें अनुसूचित जनजाति और सात सीटें अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित की गई हैं। भाजपा का जोर इन सीटों के जीतने पर है। गुज्जर बक्करवाल समुदाय के साथ ही पहाड़ी समुदाय को आरक्षण देकर भाजपा ने पहले से ही तैयारी कर ली है। यह भी स्पष्ट है कि पहली बार भाजपा की सरकार बनने पर सत्ता की कमान डोगरा बिरादरी के हाथ में होगी। मुख्यमंत्री पद के लिए उसने चेहरा तय है। अब तक गुलाम नवी आजाद के अलावा सभी मुख्यमंत्री कश्मीर घाटी के ही रहे हैं। महबूबा मुफ्ती के साथ एक बार सरकार में शामिल रह चुकी भाजपा को सरकार बनाने के लिए कम से कम 46 सीटों पर जीत हासिल करनी होगी। फिलहाल, 30 सीटों पर आगे भाजपा के लिए कश्मीर घाटी में पीपुल्स कांफ्रेंस और अपनी पार्टी के साथ ही जम्मू संभाग में गुलाम नवी आजाद की अगुआई वाली पीपुल्स डेमोक्रेटिक आजाद पार्टी में किसी किस्म की समझदारी उसके लिए लाभदायक हो सकती है।

-प्रदीप मिश्र (लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

चिंतन-मनन

ध्वनि तंरगों से रोगों का उपचार

डॉ. दिलीप चौबे

यह बात जान कर आप सभी को आश्चर्य होगा की ध्वनि तंरगें से भी रोगों के उपचार होते है। यह विश्व जीवों से भरा है। ध्वनि तंरगों की टकराहट से सुक्ष्म जीव मर जाते है, रात्री में सूर्य की पराबैगनी किरणां के अभाव में सूक्ष्म जीव उत्पन्न होते है जो ध्वनि तरगों की टकराहट से मर जाते है। ध्वनि तरगों से जीवों के मरने की खोज सर्वप्रथम बर्लिन विश्वविधालय में 1928 में हुई थी। शिकागों के डॉ.ब्राइन ने ध्वनि तरगों से जीवों के नष्ट होने की बात सिद्ध की है। आधुनिक वैज्ञानिकों ने सिद्ध किया कि शंख और घण्टा की ध्वनि लहरों से 27 घन फुट प्रति सेकिंड वायु शक्ति वेग से 1200फुट दूरी के बैक्टीरिया नष्ट हो जाते है।

पूर्व में मंदिरों का निमार्ण गुम्वजाकार होता था दरवाजे छोटे होते थे अन्दर की ध्वनि बाहर नही निकलती थी, बाहर की ध्वनि अन्दर प्रवेश नही करती थी। मन्दिर में एक ईष्ट देव की प्रतिमा, एक दीपक, एक घण्टा, शंख होता था। यहां कोई भी रोगी श्रद्धा से जाता घण्टा या शंख ध्वनि कर दीप जलता बैठ कर श्रद्धा से प्रार्थना भक्ति करता, मौन ध्यान करता। रोंगों के ठीक होने की कामना करता वह ठीक हो जाता था। इसका बैज्ञानिक कारण घण्टा -शंख ध्वनि भक्ति प्रार्थना की ध्वनि तंरगें बाहर न जाकर गुम्वजाकार शिखर से टकराकर शरीर से टकराती जिससे शरीर के रोगाणु नष्ट हो जाते रोग ठीक हो जाते। आज भी पुराने मंदिरों में यह होता है। इसलिये सीमित मात्रा में बोलना ठीक है। ध्वनि ज्यादा मात्रा में प्रदूषण का रूप ले लेती है, जो शारीरिक एवं मानसिक दृष्टि से हानिकारक होती है। मौन रहने में ही सुख एवं सुख मय जीवन है।

वैश्विकी : बेमानी यूक्रेन यात्रा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 'शांति दूत' बनकर अगले सप्ताह यूक्रेन जाने वाले हैं। इस यात्रा की अभी आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है, लेकिन विभिन्न सूत्रों के अनुसार मोदी की यूक्रेन और पोलैंड़ यात्रा 21 से 23 अगस्त तक प्रस्तावित है। इस यात्रा के कार्यक्रम की तैयारी पिछले कई सप्ताह से हो रही थी। इस सिलसिले में भारत अमेरिका और रूस सहित कई देशों के साथ संपर्क में था। लेकिन यूक्रेन के राष्ट्रपति बोलोदिमिर जेलेंस्की के गैर-जिम्मेदाराना रवैये के कारण इस यात्रा पर ग्रहण लग गया है। बदले हुए हालात में मोदी को इस यात्रा पर जाना भी चाहिए इस पर सवालिया निशान लग गया है।

अमेरिकी मीड़िया में इस आशय के समाचार प्रकाशित हुए हैं कि रूस और यूक्रेन, दोनों एक सीमित युद्ध-विराम पर सहमति बनाने के लिए कतर की राजधानी दोहा में वार्ता करने के लिएतैयार थे। प्रतीत होता है कि इसी संभावना के मद्देनजर मोदी ने यूक्रेन यात्रा पर जाने का फैसला किया हो। लेकिन हाल में जेलेंस्की ने रूस के कुर्स्क क्षेत्र में हमला करके संभावित शांति प्रयास पर पानी फेर दिया। रूस की अब यह निश्चित राय है कि जेलेंस्की अमेरिका और नाटो, दोनों की शह पर युद्ध का विस्तार करने पर आमादा हैं। मोदी अपनी यात्रा से कुछ हासिल कर पाएंगे इसमें संदेह है। एक खतरा यह भी है कि भारत अपने भरोसेमंद मित्र देश रूस की नाराजगी मोल ले सकता है।

अमेरिकी अधिकारियों ने दोहा वार्ता के संबंध में मीड़िया को अनौपचारिक रूप से बताया था कि रूस और यूक्रेन के अधिकारी संभावित बैठक में सीमित युद्ध-विराम पर चर्चा करने वाले थे। वार्ता की मेज पर समझौते का एक प्रारूप था जिसमें दोनों देश एक दूसरे के ऊर्जा प्रतिष्ठानों पर हमला नहीं करने पर सहमति बनाने वाले थे। संघर्ष के दौरान रूस ने यूक्रेन के बिजलीघरों को मिसाइलों से निशाना बनाया था। दूसरी ओर, यूक्रेन ने रूस के तेल प्रतिष्ठानों और तेलशोधक संयंत्रों पर ड्रोन से हमले किए थे। दोहा वार्ता यदि सफल होती तो इससे दोनों देशों को राहत मिलती तथा भविष्य में स्थायी युद्ध विराम के पक्ष में माहौल बन सकता था। अब कुर्स्क क्षेत्र में हमले के बाद परिस्थितियां पूरी तरह से बदल गई हैं। हालांकि अभी भी समय है कि मोदी अपनी यूक्रेन यात्रा को रद्द कर दें। यदि वह यात्रा पर जाते हैं तो अपने शांति प्रयासों को सीमित कर दें तथा द्विपक्षीय संबंधों पर ही ध्यान दें। मोदी के दोनों गंतव्य देश यूक्रेन और पोलैंड़ रूस के खिलाफ नाटो के मंसूबों के मोहरे हैं। अच्छा तो यह होता कि मोदी अपने यात्रा कार्यक्रम में हंगरी को शामिल करते जो इस संघर्ष में संतुलित नीति अपना रहा है।

यूक्रेन संघर्ष समाप्त करने के लिए दोनों पक्षों ने जो शांति प्रस्ताव रखे हैं, उनमें जमीन आसमान का अंतर है। इस खाई को पाटना भारत जैसे देश के लिए संभव नहीं है। प्रधानमंत्री मोदी कितनी भी सदइच्छा रखे, वह जेलेंस्की और राष्ट्रपति पुतिन को शांति के लिएराजी नहीं कर सकते। जेलेंस्की की मांग है कि रूस अपनी सेनाएं यूक्रेन से पूरी तरह हटाए। दूसरी ओर रूस की मांग है कि यूक्रेन ड़ोनबास सहित चारों प्रांतों पर उसका अधिकार स्वीकार करे। वहीं अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइड़न सहित पश्चिमी देशों के नेता रूस की रणनीतिक हार के एजेंडे.पर काम कर रहे हैं। हकीकत यह है कि मोदी की शांति पहल की असफलता की इबारत यूक्रेन यात्रा शुरू होने के पहले ही लिख दी गई है। बांग्लादेश में अमेरिका और पश्चिमी देशों ने जो हरकत की उससे भी भारत क्षब्ध है। जब पश्चिमी देश पड़ोस में ही भारत के हितों की अनदेखी कर रहे हों तो इन हालात में एक यूरोपीय संघर्ष में भारत की शांति पहल का कोई औचित्य नहीं है। खासकर ऐसे समय जब यूक्रेन नाटो के हथियारों के बलबूते युद्ध क्षेत्र में रूस को हटाने का दिवास्वप्न देख रहा हो।

राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा परिषद रजि0संगठन कोलकाता में महिला डा0 मौमिता के साथ हुई घटना की घोर निंदा करता है पश्चिम बंगाल की सरकार ममता बनर्जी को इस्तीफा दे देना चाहिए

संस्कार उजाला

देश में लगातार बढ़ती बलात्कारकी घटनाओं को देखते हुए यह स्पष्ट है,कि एक तरफ बेटी पढ़ाओ बेटी बचाओ का संदेश दिया जा रहा है जब बेटी पढ़ लिख कर योग्य हो जाती है तब उसे बचा पाना बड़ा मुश्किल कार्य होता है जिसका जीता जागता सबूत कोलकाता की घटना का है यह घटना पहली नहीं है कई बेटियों ने अपनी जान की बाजी लगाई है आज बेटियां अपने आप को सुरक्षित नहीं महसूस कर पा रही हैं हर मां-बाप का एक सपना होता हैअपने बच्चों को पढ़ा लिखा कर समाज में एक नई दिशा कायम कर सके इस घटना से बेटियां डरी और सहमी सी लग रही हैं और अपने आप को असुरक्षित महसूस कर रही है एक तरफ तो पढ़ लिखकर योग्य बनने का सपना दूसरी

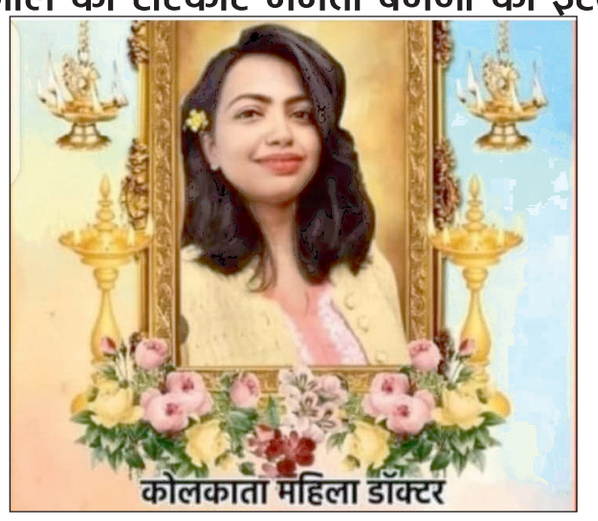

तरफ बेटिया हवस का शिकार हो रही है कब तक बेटियां हवस का शिकार बनती रहेगी एक के बाद एक घटना का शिकार होती रहती है ऐसी स्थिति में ममता बनर्जी को इस्तीफा दे देना चाहिए उनके राज्य में बेटियां सुरक्षित नहीं है इस घटना को केंद्र सरकार को भी संज्ञान लेते हुए ऐसी निंदनीय जघन्य अपराधों से निपटने के लिए जो कानून जो बना है वह पर्याप्त नहीं है दोषियों को जब तक तत्काल सजा नहीं मिलती है तब तक उनके हौसले बुलंद होते जा रहे हैं ऐसी घटनाओं में न्याय के साथ तत्काल कठोर सजा का प्रावधान होना चाहिए, नो अरेस्ट नो वारंट फैसला आन द स्पाट सीधे दोसियो का इनकाउंटर हो जिससे बेटियों की तरफ देखना तो क्या उनके विषय में सोचने की भूल न करे जिससे इस तरह की घटनाओं पर विराम लग जाए

संक्षिप्त डायरी

जनपद हापुड़/लकड़ी माफियाओं के द्वारा सूखे रोग ग्रस्त आम के वृक्षों की परमिशन की आड़ में हरे फलदार आम के वृक्षों पर चलाई जा रही कुल्हाड़ी

संस्कार उजाला भूपेंद्र वर्मा

गढ़मुक्तेश्वर/बहादुरगढ़ थाना क्षेत्र में लकड़ी माफियाओं के द्वारा बैखौफ होकर आम के सूखे रोग ग्रस्त पेड़ों की परमिशन की आड़ में बहुत बड़े पैमाने पर आम के हरे फलदार वृक्षों का कटान करने का सिलसिला जारी है। आपको बता दें कि बहादुरगढ़ थाना क्षेत्र लकड़ी माफियाओ की हब बना हुआ है। इस क्षेत्र में आम के हरे वृक्ष कटान करने वाले लकड़ी माफियाओं का एक तरफा क्षत्रिय राज चलता है। सूत्रों की माने तो इस गोरख धंधे में वन विभाग के कुछ अधिकारियों की भी संलिप्तता होती है। जिनके द्वारा सूखे रोग ग्रस्त आम के वृक्षों के कटान करने की परमिशन दी जाती है। परमिशन होती है 10 वृक्षों के कटान करने की और कांटे जाते हैं। सैकड़ो की संख्या में हरे फलदार वृक्ष जिसके ऐवज में लकड़ी माफियाओं के द्वारा वन विभाग के अधिकारियों को नजराना पेश किया जाता है। यदि कोई शिकायतकर्ता वन विभाग के अधिकारियों से इस संबंध में शिकायत करता है। तो इस गोरख धंधे में लिप्त कर्मचारियों के द्वारा उसको यह कहकर शांत कर दिया जाता है कि उन्होंने वृक्षों का कटान करने की परमिशन ले रखी है। देखने योग्य बात यह है कि जहां एक तरफ उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री पर्यावरण संरक्षण अभियान चलाकर वृक्ष लगाओ जीवन बचाओ वृक्ष नहीं तो जीवन नहीं एक वृक्ष मां के नाम रोपित करने को लेकर अभियान चला कर वृक्षारोपण करा रहे हैं। वही मुख्यमंत्री के आदेश को ठेंगा दिखाते हुए वन विभाग के अधिकारी इन लकड़ी माफियाओं के साथ मिलीभगत करके हरे फलदार वृक्षों पर कुल्हाड़ी बाजवा रहे हैं। इन अधिकारियों के लिए मुख्यमंत्री आदित्यनाथ योगी के आदेश कोई मायने नहीं रखते हैं। ऐसी स्थिति में वन विभाग के अधिकारियों की इन लकड़ी माफियाओं पर सरपरस्ती कहा जाए या इस गोरख धंधे को लेकर अनदेखी।

जनपद हापुड़/संदिग्ध अवस्था में रजवाहे में युवक का अर्धनग्न शव पड़ा मिलने से मचा हड़कंप

संस्कार उजाला

अमित शर्मा पिलखुवा कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत मदापुर रजवाहे में एक युवक का संदिग्ध अवस्था में अर्धनग्न शव पड़ा मिलने से क्षेत्र में फैली सनसनी। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने युवक के शव को बाहर निकलवाया। मृतक युवक की पहचान कोतवाली क्षेत्र के गांव हिंडालपुर निवासी धर्मी तोमर के रूप में हुई है। मृतक के परिजनों में धर्मी का शव रजवाहे में पड़ा मिलने की सूचना मिलते ही कोहराम मच गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज कर अग्रिम कार्यवाही की शुरू। वही पीड़ित परिजनों ने हत्या की आशंका जाहिर की है। प्रारंभिक जांच में वह खेत पर गया था और नशे की हालत में था। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के उपरांत ही मृत्यु होने के कारण का स्पष्टीकरण हो पाएगा। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर विधिक वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

जनपद हापुड़/स्कूली छात्रा की सर्पदंश से उपचार के दौरान हुई मौत परिवार में मचा कोहराम

संस्कार उजाला भूपेंद्र वर्मा

हापुर थाना देहात क्षेत्र के गांव मे बिस्तर पर सोते समय स्कूली छात्रा को सांप के दंश मारने पर अस्पताल में उपचार के दौरान हुई दर्दनाक मौत से पीड़ित परिवार में मचा कोहराम। बता दे की हापुड़ थाना देहात क्षेत्र के गांव धनौरा में 15 वर्षीय स्कूली छात्रा आराधना पुत्री बाटे अपने बिस्तर पर सो रही थी। इसी बीच बाहर से सर्प कमरे में घुस आया। और बिस्तर पर चढ़कर उसकी उंगली में दंश मार दिया। आराधना ने तुरंत परिजनों को बताया परिजन उसकी आनंन-फनन में अस्पताल ले गए। जहां उसकी नाजुक हालत को देखते हुए चिकित्सकों ने हायर सेंटर रेफर किया। जहां उपचार के दौरान उसकी दर्दनाक मौत हो गई। बेटी की मौत को लेकर परिवार का रो रो कर बुरा हाल है।

जनपद हापुड़/एडीजी जॉन मेरठ ने एसपी/ जिले के समस्त राजपत्री अधिकारियों एवं थाना प्रभारियों के साथ बैठक आयोजित कर दिए दिशा निर्देश

संस्कार उजाला

एडीजी जॉन मेरठ द्वारा जनपद में अपराध नियंत्रण कानून व्यवस्था को चुस्त दुरुस्त सुदृढ़ बनाने तथा आगामी त्योहारों एवं उत्तर प्रदेश पुलिस आरक्षी भर्ती परीक्षा के मद्देनजर सुरक्षा की दृष्टिगत एसपी कुंवर ज्ञानेन्जय सिंह थाना प्रभारियों एवं जनपद के समस्त राजपत्रित अधिकारियों के साथ पुलिस लाइन के सभागार कक्ष में बैठक आयोजित कर आवश्यक दिशा निर्देश जारी किए।

जनपद हापुड़/बाबूगढ़ पुलिस ने नाबालिग किशोरी को आत्महत्या के लिए दुष्प्रेरित करने में लिप्त दो अभियुक्त को किया गिरफ्तार

संस्कार उजाला

बाबूगढ़ पुलिस ने एक नाबालिक किशोरी को आत्महत्या करने के लिए दुष्प्रेरित करने के मामले में लिप्त दो आरोपितों को गिरफ्तार करने का दावा किया है। बता दे कि बाबूगढ़ थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गांव कनिया कल्याणपुर में एक नाबालिग किशोरी को आत्महत्या के लिए दुष्प्रेरित करने और परिजनों को बगैर बताए अंतिम संस्कार करने के मामले में दर्ज मु०अ०से०248/24/धारा 108/238/बी एन एस से संबंधित वांछित चल रहे। दो अभियुक्तों दिनेश पुत्र सूरजमल, लखमी पुत्र प्रताप निवासी कनिया कल्याणपुर को मुखबिर की सूचना पर तत्काल प्रभाव से कार्रवाई करते हुए। कनिया कल्याणपुर रेलवे फाटक से गिरफ्तार कर विधिक वैधानिक कार्यवाही करते हुए न्यायालय में किया पेश।

एस.के.डी.पब्लिक स्कूल में छात्र- छात्राओं द्वारा राखी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया

संस्कार उजाला अमित शर्मा

हापुड़/गढ़मुक्तेश्वर के ग्राम लोदीपुर लड़पुरा मैं स्थित एस.के.डी. पब्लिक स्कूल में छात्र-छात्राओं द्वारा राखी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें बच्चों ने बहुत ही सुंदर व मनमोहक राखियां बनाई प्रबंधक राहुल तोमर ने बताया कि रक्षाबंधन के पर्व पर स्कूल में बहने अपने भाइयों की कलाई पर राखी बांधती है। एम.डी. अंकित भाटी ने सभी बच्चों को रक्षाबंधन के बारे में बताते हुए सभी को रक्षाबंधन की बधाई दी व स्कूल प्रधानाचार्य पूनम तोमर उप प्रधानाचार्य ज्योति स्कूल के समस्त स्टाफ ने भी बच्चों को रक्षाबंधन के पर्व की शुभकामनाएं दी। जिसमें उपस्थित प्रबंधक प्रबंधक राहुल तोमर एमडी अंकित भाटी प्रधानाचार्य पूनम तोमर उप प्रधानाचार्य ज्योति, और मुस्कान, रिया,नव्या,तनीषा, सोनिका, आनन्या,एकता,कुमकुम,माही, हिमांशी व अनु आदि छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

राबर्ट्सगंज कोतवाली अंतर्गत धर्मशाला मोड़ पर हुए दोहरे मर्डर हत्याकांड का सोनभद्र पुलिस ने किया खुलासा।

संस्कार उजाला

क्राईम ब्यूरो विकास कुमार हलचल।

सोनभद्र। राबर्ट्सगंज कोतवाली के धर्मशाला मोड़ के पास बीते 10 अगस्त की सुबह व्यवसायी धर्मेंद्र पटेल व उनकी पत्नी की निर्मम तरीके से हत्या के प्रकरण में पुलिस ने खुलासा कर दिया है। हत्या की मुख्य वजह पैसों की लेनदेन में हुए विवाद को बताया जा रहा है। हत्या का मुख्य आरोपी कुंदन पटेल मृतक का रिश्तेदार है। उसने ही अन्य दो साथियों के साथ मिलकर व्यवसायी और उनकी पत्नी की निर्मम हत्या की वारदात और लूट की घटना को अंजाम देकर फरार हो गया था। हत्या करने के पीछे की मुख्य वजह यह थी कि जो आरोपियों द्वारा ब्याज पर कारोबारी धर्मेंद्र पटेल से पैसा लिया गया था वो वापस न करना पड़ा। क्योंकि ब्याज पर लिया गया पैसा प्रत्येक आरोपी के ऊपर 4 लाख से ज्यादा का था जो आरोपी देने में सक्षम नहीं थे इसलिए इन्होंने जघन्य अपराध कर डाला। डबल मर्डर केस का खुलासा करते हुए पुलिस अधीक्षक डॉक्टर यशवीर सिंह ने बताया कि जनपद सोनभद्र में 10 अगस्त को 5:30-06 बजे भोर में एक कारोबारी धर्मेंद्र पटेल और उनकी पत्नी मंजू पटेल की हत्या घर में घुसकर अज्ञात लोगों द्वारा चाकू से कई बार घोप कर की गई थी। घटना के संबंध में पुलिस ने बीएनएस की धारा के तहत हत्या का मुकदमा दर्ज किया था। पुलिस की कई टीमों द्वारा विवेचना की जा रही थी। घटना की बाबत वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा मॉनिटरिंग की जा रही थी साथ ही उनके द्वारा दिशा निर्देश दिए जा रहे थे। हत्या की घटना का आज खुलासा हुआ है। इसमें तीन अभियुक्तों की गिरफ्तारी हुई है। एक व्यक्ति कुंदन पटेल है दूसरा नागेंद्र पटेल और तीसरा लवकुश तीनों सोनभद्र के ही रहने वाले हैं। मृतक के रिश्ते में साला का लड़का लगने वाले कुंदन पटेल ने मृतक से चार लाख रुपया ब्याज पर लिया गया था और साथियों को भी 4 लाख रुपये ब्याज पर दिलवाया गया था। पैसा वापस न करना पड़े इसको लेकर के प्लानिंग बनाई गई कि साथियों के साथ मिलकर हत्या कर देते हैं और घर में रखा हुआ पैसा और सोना भी लूट लेने की मंशा से हत्या की घटना को अंजाम दिया गया। इसी क्रम में 10 अगस्त को घर में घुसकर पहले हत्या की गई फिर फिर घर में रखा हुआ लाइसेंसी रिवाल्वर वहां से उठाया साथ ही डेढ़ लाख कैश और सोने की ज्वेलरी को लूटकर पल्सर बाइक से वहां से निकल गए। घटना के अनावरण के लिए पुलिस की 10 से ज्यादा टीम लगी थी। हर टीम अलग एंगल से क्लू खंगाल रही थी। सर्विस लाइंस, एटीएस, सीसीटीवी कैमरे व बाइक की डिटेल निकालने पर सभी टीमें लगी थी। एसओजी सर्विलांस और थाने की टीम द्वारा सामूहिक प्रयास से घटना का अनावरण हुआ है। जो पकड़े गए आरोपी नागेंद्र और लवकुश के ऊपर पहले से ही सोनभद्र और मिजार्पुर में कई धाराओं में मुकदमे दर्ज है। पुलिस की मुठभेड़ भी एक व्यक्ति के साथ हुई है। गिरफ्तारी के डर से कुंदन नमक व्यक्ति द्वारा पुलिस के ऊपर फायरिंग की गई जिसमें एक दरोगा घायल हुए हैं और जवाबी कार्रवाई में कुंदन पटेल के पैर में गोली लगी है। जिसका इलाज बनारस में चल रहा है। कुंदन पटेल की गिरफ्तारी रॉबर्ट्सगंज- खलियारी रोड से रात 1:00 बजे के लगभग की गई है। इनके दो साथी जो मौके से फरार हो गए थे उनको उरमौरा से पकड़ा गया है। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि हिसाब की जो डायरी जिसे इन लोगों द्वारा साथ ले जाया गया था उससे ये मतलब था कि इनका बकाया पैसों का हिसाब किसी को ना पता चल पाए। मर्डर करने का सीधा सा मतलब यह था कि लिए गए पैसों को वापस न करना पड़े। घटना के संबंध में अभी और भी जांच की जाएगी कि घटना में और लोगों की संलिप्तता है कि नहीं। मर्डर करने वाले ने बताया कि पहला हमला पति के ऊपर किया गया था। बिल्डिंग मैटेरियल्स व्यवसायी की हत्या की प्लानिंग 1 महीने पहले से की जा रही थी।

वह कोख पवित्र है, जिससे बेटी जन्म लेती है : आचार्य दिलीप कृष्ण भारद्वाज

संस्कार उजाला क्राईम ब्यूरो विकास कुमार हलचल।

सोनभद्र। के डी होटल ममुआ(बिच्छी पडाव) रॉबर्ट्सगंज में चल रहे श्रीराम कथा के सातवें दिन कथावाचक दिलीप कृष्ण भारद्वाज ने भक्तों को श्रीरामकथा का रसपान कराया। कथावाचक दिलीप कृष्ण भारद्वाज ने सीता हरण, लंका दहन, राम- रावण युद्ध, विभीषण का राज्याभिषेक, भगवान राम का राज्याभिषेक प्रसंग का वर्णन किया। कहा कि धर्म का मूल आधार दया और करुणा हैं। दोनों आपके जीवन में हमेशा रहनी चाहिए। आगे आचार्य ने कहा कि महिलाओं को पीला वाला सिंदूर जरूर लगाना चाहिए। किसी दिन लगाएं या नहीं पर शनिवार को अवश्य लगाएं। फैशन के इस दौर में महिलाएं पीला सिंदूर लगाना तो छोड़ रही हैं, लेकिन सिंदूर लगाने से यश, कीर्ति आती है। ये बातें तेतरी टोली में आयोजित रामकथा के सातवें दिन दिलीप कृष्ण भारद्वाज ने कहीं। उन्होंने कहा कि हम बेटा-बेटा चिल्लाते हैं, लेकिन वास्तव में बेटी ही मां-बाप का कल्याण कर सकती है। जिस कोख से बेटी जन्म लेती है, वह कोख पवित्र हो जाती है। बेटी आंगन में कोयल की तरह कूकती है। जब पिता थके हारे घर आते हैं, तो बेटी ही दवा से लेकर हर चीज का ख्याल रखती है। बेटी पिता की दुख नहीं देख सकती। बेटी काफी सहनशील होती है। वह घर के सारे दुखों को गंभीर होकर समझती है। इसलिए बेटी की भ्रूण हत्या मत करो। अनर्थ हो जाएगा। शनिवार को कथा स्थल पर के डी होटल के मालिक संजय देव पांडेय ने अपनी पत्नी के हवन पूजन कर शुरू किया एवम् अंतिम में आरती किया, इस अवसर पर राम लक्ष्मण सीता की मनोहारी झांकी निकाली गई ! इस अवसर पर एडवोकेट पवन कुमार सिंह प्रभाकर पांडे, राजेश कुमार सिंह सरोज कुमार पटेल सृजन पांडे धर्मेंद्र कुमार आदि कथा श्रोता उपस्थित रहे।

जनपद हापुड़/बाबूगढ़ थाना प्रभारी एवं समस्त स्टाफ ने स्कूली बच्चों से राखी बंधवा गिफ्ट भेंट कर बच्चों का किया हौसला अफजाई

संस्कार उजाला

अमित शर्मा बाबूगढ़ थाना प्रभारी एवं समस्त पुलिस स्टाफ ने रक्षाबंधन पर्व के अवसर पर स्कूली बच्चों से राखी बंधवाकर रक्षाबंधन पर्व की खुशियां अपने परिवार की तरह बांट कर बच्चों का किया हौसला अफजाई। बता दे कि बाबूगढ़ थाना प्रभारी विजय गुप्ता की रहम दिली और दरियाली की जितनी सराहना की जाए बहुत कम है। सड़क हादसों की विषम परिस्थितियों में पीड़ितों की मदद और उनको बेहतर उपचार जल्द से जल्द दिलाने का जिले में पहला नाम है विजय गुप्ता जो अपराधियों पर कमर तोड़ कार्यवाही करने के साथ पीड़ितों को न्याय दिलाने के साथ उनकी दिल से मदद करते हैं। जिन्होंने कावड़ यात्रा के दौरान कांवड़ियों की ट्रैक्टर ट्राली सड़क हादसे में क्षति ग्रस्त होने पर रातों की नींद और दिन का चैन भूलकर पीड़ित शिव भक्तों की हर संभव मदद की। इनकी दरिया दिल्ली का उदाहरण तीन दिन पूर्व थाना क्षेत्र में हुए सड़क हादसे में देखने को मिला है। जिसमें युवक को मेरठ रेफर कराया यहां तक की पीड़ित परिजनों के पास पैसे नहीं होने के चलते उनको ₹5000 की आर्थिक मदद भी की गई। इसी क्रम में रक्षाबंधन पर्व को लेकर भी उन्होंने अपने समस्त स्टाफ के साथ थाना परिसर में स्कूली बच्चों से राखियां बंधवाकर रक्षाबंधन पर्व की खुशियां बांटते हुए बच्चों को मिठाई खिलाई और बच्चों को गिफ्ट रूपी लिफाफा भेंट कर उनका हौसला अफजाई किया। वही इस अवसर पर विजय गुप्ता ने बताया कि जहां उनकी तैनाती होती है। थाने में तैनात समस्त स्टाफ उनका एक परिवार होता है। और परिवार का दायित्व निभाना परिवार के मुखिया का अहम रोल होता है। हम वर्दी पहनकर जो शपथ खाते हम जो संकल्प लेते हैं। हम लोगों को उस संकल्प का बखूबी निर्वाह करना ही हमारा परमो धर्म है।

जनपद हापुड़/प्रेमी ने दोस्तों संग प्रेमिका के साथ गैंगरेप कर अश्लील वीडियो बनाकर की वायरल पीड़िता ने कराया मुकदमा दर्ज पुलिस मामले की जांच में जुटी

संस्कार उजाला

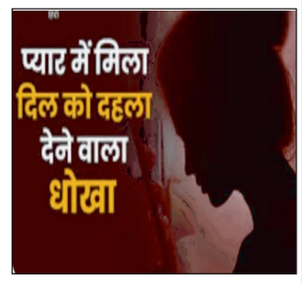

भूपेंद्र वर्मा पिलखुवा कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत एक प्रेमी द्वारा अपनी प्रेमिका को जंगल में बुलाकर दोस्तों संग गैंग रेप कर वीडियो बनाकर वायरल करने के मामले में पुलिस ने पीड़िता की तहरीर के आधार पर मुकदमा पंजीकृत कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। आपको बता दें कि पिलखुवा क्षेत्र निवासी एक 14 वर्षीय किशोरी को युवक ने पिछले कुछ दिनों से प्रेम प्रसंग चल रहाथा। जिसके चलते प्रेमी युवक ने रात्रि में प्रेमी का को फोन करके जटपुरा के जंगल में अकेला आने की बात कही जिस पर प्रेमिका भरोसा कर अकेले जंगल में अपने प्रेमी से मिलने पहुंची। जहां प्रेमी ने हैवनियत की सारी हदें पार करते हुए।अपने दोस्तों संग प्रेमिका के साथ गैंगरेप किया। और अश्लील वीडियो बनाकर वायरल कर दी। जिसमें पीड़ित आने अपने साथ ही घटित घटना को परिजनों को बताया और थाने में तहरीर देकर कानूनी कार्रवाई की मांग की है। वही इस मामले को लेकर पुलिस क्षेत्राधिकारी स्तुति सिंह का कहना है कि पीड़िता की तहरीर के आधार पर मुकदमा पंजीकृत कर जांच की जा रही है। दोषियों को किसी भी हाल मे नहीं बक्शा जायेगा।विधिक वैधानिक कार्यवाही करते हुए जेल भेजा जाएगा

जनपद हापुड़/एसपी ने उगाही करने के मामले में लिया संज्ञान उप निरीक्षक सहित दो पुलिसकर्मियों को किया निलंबित पुलिस महकमे में मचा हड़काम

संस्कार उजाला अमित शर्मा

गढ़मुक्तेश्वर/गढ़मुक्तेश्वर पलवाड़ा रोड पर यातायात सुरक्षा व्यवस्था को चुस्त दुरुस्त बनाए रखने को लेकर ड्यूटी पर तैनात दो यातायात पुलिस कर्मियों के द्वारा बस चालक से वसूली कर बस निकालने के मामले में एसपी ने संज्ञान लेते हुए तत्काल प्रभाव से दोनों पुलिस कर्मियों को निलंबित किया। बता दें कि गढ़मुक्तेश्वर पलवाड़ा चेक पोस्ट पर यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए उप निरीक्षक राजकुमार,कांस्टेबल 115 अर्जुन सिंह यातायात पुलिस कर्मियों की ड्यूटी चल रही थी। इसी दौरान एक बस को निकालने के एवेज में वसूली करने के मामले की वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुई। जिस पर एसपी कुंवर ज्ञानेन्जय सिंह ने तत्काल प्रभाव से संज्ञान लिया। और दोनों यातायात पुलिस कर्मियों को निलंबित किया। एसपी कुंवर ज्ञानेंजय सिंह के द्वारा दोनों पुलिस कर्मियों को निलंबित किए जाने को लेकर जनपद के पुलिस महकमे में हड़कंप मचा हुआ है।

सफाई कर्मी के साथ मारपीट खुटार थाने पहुंच कर दी तहरीर

संस्कार उजाला

खुटार शाहजहांपुर

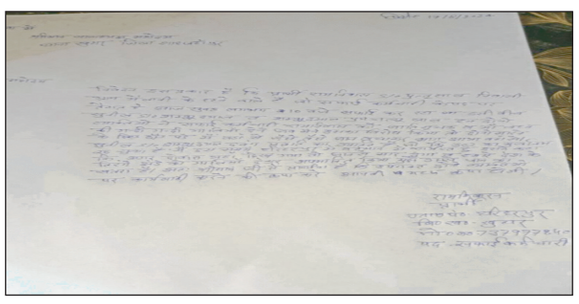

खुटार पुलिस को दि तहरीर में बताया शनिवार को सफाई कर्मी गांव हरिहरपुर में सफाई कर रहा था उसके साथ कुछ लोगों ने मार पीट की हालांकि सफाई कर्मी ग्राम मैलानी के रहने वाले है जो सफाई कर्मचानी के पद पर तैनात है सुबह लगभग 10 बजे सफाई कर रहा था इसी बीच सुनील डा० शम्भू दयाल व शम्भुदयाल पुमनत्यू लाल इन दोनो व्यक्तियों ने सफाई कर्मचारी रामनिवास को जाति सूचक व माँ वरन की गन्दी गन्दी गालियों ऐने जिव मैने उसका विशेष किया तो दोनो मारने के लिए छौर पडे में वहां से जैसे जैसे जाम सूचाकर भाग झाभा वहाँ से सुनील डा० शम्भू यात दबंग प्रसात का व्यक्ति है जो कि ४०२ का मुलानम रह चुका है। मैं इस समय हरिहरपुर में वर्तमान में कार्यरत हूँ इसने कहा कि अगर दोवारा यहा दिख गया तो बाइसे मार हंगा व न्यारे देश के तिरंगे झंडे की गालियाँ देकर अपमानित किया मुझे उसे जानका खतरा है। तहरीर मिली है जांच कर आवश्यक कार्यवाही की जाएगी दरोगा प्रमोद कुमार थाना खुटार

गाजियाबाद में मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी आशुतोष राय के नेतृत्व में गठित खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम बनाकर अभियान चलाया गया

संस्कार उजाला

गाजियाबाद (आशा चौधरी) आयुक्त, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, उ०प्र०, लखनऊ के आदेश एवं जिलाधिकारी महोदय, गाजियाबाद के निर्देश पर रक्षाबन्धन के दृष्टिगत खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा रक्षाबन्धन पर्व में प्रयुक्त होने वाले खाद्य पदार्थों में मिलावट की रोकथाम के लिए जनपद गाजियाबाद में मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी आशुतोष राय के नेतृत्व में गठित खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम बनाकर अभियान चलाया जा रहा है। जिसके अन्तर्गत आज दिनांक 16 अगस्त 2024 एवं 17.08.2024 को खाद्य कारोबारकर्ता शिवम स्वीट्स एण्ड कन्फैक्सनरी बनवारी नगर दिल्ली मेरठ रोड, गाजियाबाद से खाद्य पदार्थ गुलाब जामुन एवं सफेद रसगुल्ला का एक-एक, कुल-02 नमूनें संग्रहित किया गया। 2. अग्रवाल स्वीट्स, भोपुरा गाजियाबाद से खाद्य पदार्थ बेसन, बर्फी, मिल्क केक का एक-एक, कुल-03 नमूनें संग्रहित

किया गया। पी.एस. बिकानेर स्वीट्स, टीला मोड लोनी, गाजियाबाद से खाद्य पदार्थ छेना टोस्ट का एक नमूना संग्रहित किया गया। अग्रवाल वैष्णो स्वीट्स, इन्दिरापुरम गाजियाबाद से खाद्य पदार्थ घेवर का एक नमूना संग्रहित किया गया। बाबू जी मिठाई वाला, आदित्या वार्ड सिटी, गाजियाबाद से खाद्य पदार्थ कलाकन्द एवं मिल्क केक का एक-एक कुल-02 नमूनें संग्रहित किया गया। तेजस स्वीट्स, वेव सिटी गाजियाबाद से खाद्य पदार्थ घेवर, मोतीचूर लड्डू का एक-एक, कुल-02 नमूनें संग्रहित किया गया। मधुसुधन स्वीट्स, वेव सिटी गाजियाबाद से खाद्य पदार्थ पतीसा मिठाई, लड्डू का एक-एक, कुल-02 नमूनें संग्रहित किया गया। शगुन स्वीट्स आर.डी.सी. राजनगर गाजियाबाद से खाद्य पदार्थ छेना रसगुल्ला का एक नमूना संग्रहित किया गया। 9. सुगन्ध स्वीट्स आर.डी.सी. राजनगर गाजियाबाद से खाद्य पदार्थ खोया की बर्फी का एक

नमूना संग्रहित किया गया। अपार इण्टरप्राइजेज, डूडाहेडा गाजियाबाद से खाद्य पदार्थ खोया, डोडा बर्फी का एक-एक कुल-02 नमूनें संग्रहित किया गया। बाबा स्वीट्स, इन्द्रगढी, गाजियाबाद से खाद्य पदार्थ छेना रसगुल्ला, खोया बर्फी का एक-एक, कुल-02 नमूनें संग्रहित किया गया। असली पनीर भण्डार, अम्बेडकर रोड मालीवाडा, गाजियाबाद से खाद्य पदार्थ पनीर का एक नमूना संग्रहित किया गया। 13. मैसर्स अनमोल पनीर भण्डार, सब्जी मण्डी गाजियाबाद से खाद्य पदार्थ पनीर का एक नमूना संग्रहित किया गया। बाला जी पनीर भण्डार, सब्जी मण्डी गाजियाबाद से खाद्य पदार्थ पनीर का एक नमूना संग्रहित किया गया। डी-मार्ट, लोनी, गाजियाबाद से खाद्य पदार्थ बेसन लड्डू, बेसन, ड्राई फूट, केक व पनीर का एक-एक, कुल-05 नमूनें संग्रहित किया गया। न्यू लक्ष्मण ढाबा एण्ड स्वीट्स, मुरादनगर दिल्ली मेरठ रोड, गाजियाबाद से खाद्य पदार्थ मलाई लड्डू, गुलाब जामुन का एक-एक, कुल-02 नमूनें संग्रहित किया गया। उक्त अभियान में कुल 29 नमूनें संकलित किये गये। खाद्य सुरक्षा अधिकारियों शैलेन्द्र सिंह, मोहित कुमार, भावना अगरिया, निधिं रानी, महेन्द्र प्रताप सिंह, देवांश चतुर्वेदी, विजय कुमार, प्रेमचन्द, बसंत गुप्ता, दर्पण कुमार, मोनिका गुप्ता, मीरा सिंह, मुकेश शर्मा, अंशुल पाण्डेय, नरेन्द्र कुमार, अमित कुमार सिंह एवं जयपाल सिंह द्वारा उक्त कार्यवाही की गयी। श्री अरविन्द कुमार यादव, सहायक आयुक्त (खाद्य)- द्वितीय, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, जनपद गाजियाबाद द्वारा उक्त कार्यवाही की जानकारी दी कि उपर्युक्त संकलित नमूनों को जाँच हेतु खाद्य प्रयोगशाला प्रेषित किया जा रहा है। जाँच के उपरान्त एवं जाँच परिणाम के अनुसार खाद्य सुरक्षा मानक अधिनियम 2006 के प्राविधानों के अनर्तगत यथा आवश्यक विधिक कार्यवाही की जायेगी।

संक्षिप्त डायरी

विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के अन्तर्गत आवेदन आमंत्रित

संस्कार उजाला

सहारनपुर, उत्तर प्रदेश सरकार के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम विभाग के द्वारा प्रदेश के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र स्थानीय दस्तकारों तथा पारम्परिक कारीगरों के विकास हेतु ह्यह्यविश्वकर्मा श्रम सम्मान योजनाह्यह्य संचालित की जा रही है, जिसके अन्तर्गत पारम्परिक कारीगरों की अजीविका को सुधारने का सुदृढीकरण किया जायेगा। उपायुक्त उद्योग श्री वी0के0कौशल ने बताया कि इस योजना के अन्तर्गत 10 दिवसीय कौशल वृद्धि प्रशिक्षण, अर्द्धकुशल श्रमिक के समान मानदेय प्रदान करना, टूलकिट वितरण की सुविधा प्रदान की जायेगी। इस सम्बन्ध में सुनार, धोबी, मोची एवं टोकरी बुनकर हेतु पात्र लाभार्थी योजना में आवेदन कर सकते है जिसका लाभ इसी वर्ष दिया जाएगा श्री वी0के0कौशल ने कहा कि योजना में आवेदन के लिए आवदेक उत्तर प्रदेश का मूल निवासी हो। न्यूनतम आयु 18 वर्ष हो। आवदेक आवेदित दस्तकारी से जुडा हों। योजना हेतु परिवार का एक ही सदस्य पात्र होगा। कारीगरी से जुडे होने का प्रमाण के रूप में ग्राम प्रधान, अध्यक्ष नगर पंचायत, नगर पालिका/नगर निगम के वार्ड के सदस्य द्वारा निर्गत प्रामण पत्र प्रस्तुत करना होगा कि वह उक्त विषय का कारीगर है, परन्तु जिसके पास हस्तशिल्प पहचान पत्र होगा, उसे उक्त प्रमाण पत्र से मुक्त रखा गया है। इच्छुक अभ्यर्थी जोयोजना का लाभ प्राप्त करना चाहते है अपना आवदेन पत्र www.diupmsme.upsdc.gov.in पर आनलाईन आवेदन कर सकते है।

कोलकाता: में महिला डॉक्टर की हत्या को लेकर महिला संगठन एवं हिंदू संगठन से जुड़े कार्यकताओं ने ज्ञापन सौंपा

संस्कार उजाला

सहारनपुर छुटमलपुर नगर छुटमलपुर में महिला सुरक्षा एवं मानवाधिकार संगठन की राष्ट्रीय अध्यक्ष उषा राठौर एवं हिंदू संगठन से जुड़े कार्यकर्ता व स्कूली बालिकाओं और महिलाओं ने मिलकर एक संक्षिप्त रैली निकाली और श्रृंखला बनाकर विरोध प्रदर्शन किया जिसमें बंगा ल में रेप पीड़िता डॉक्टर मोमिता के साथ हुई हैवानियत के विरोध में नारे लगाकर प्रदर्शन किया गया इस पार्श्विक घटना से सभी बच्चियों और महिलाओं में रोष और क्रोध की भावना है बालिकाओं और महिलाओं ने यह नारे लगाते हुए प्रदर्शन किया कि हमें न्याय चाहिए। देश को आजादी मिल चुकी है पर हमें आजादी कब मिलेगी। वी वांट जस्टिस हत्यारों को सजा देने के लिए थाना प्रभारी धर्मेंद्र कुमार को महामहिम राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन भी दिया गया।जिसमे विशेष रूप महिला सुरक्षा एवं मानवाधिकार संगठन की राष्ट्रीय अध्यक्ष उषा राठौर सविता वर्मा प्रिया चौहान सलोनी मीनू गुंजन गोरक्षा दल सोना पंडित प्रमुख नगर संयोजक दुष्यंत सैनी आलोक सैनी गगन वर्मा अश्वनी सैनी लक्ष्य शर्मा होता तोमर दर्शन सैनी कन्हैया सैनी कंबोज विशाल वाल्मीकि राजकुमार राणा दीक्षांत चौहान जॉनी सैनी डॉक्टर प्रेमचंद आदि रहे।

संक्षिप्त डायरी

भीम आर्मी जय भीम के राष्ट्रीय अध्यक्ष मंजीत सिंह नौटियाल ने जताया जान का खतरा, सुरक्षा मांगी

संस्कार उजाला

भवानी सैनी बेहट। भीम आर्मी जय भीम संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष मंजीत सिंह ने अपनी हत्या किए जाने की आशंका जाहिर करते हुए महामहिम राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, यूपी के मुख्यमंत्री, डीजीपी और सहारनपुर एसएसपी को पत्र भेजकर सुरक्षा प्रदान किए जाने की मांग की है। दरअसल, भीम आर्मी जय भीम संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष मंजीत सिंह नौटियाल ने महामहिम राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, यूपी के मुख्यमंत्री, डीजीपी और सहारनपुर एसएसपी को भेजे गए पत्र में बताया कि वह देश में एक संवैधानिक आंदोलन चला रहे है। देश के वंचित, शोषित, पीड़ित, मजलूम, मजदूरों, किसानों की आवाज को संवैधानिक रूप से आंदोलन चला रहे है। 21 अगस्त को एससीएसटी वर्गीकरण के विरोध में सहारनपुर में कार्यक्रम रखा गया है। मंजीत सिंह नौटियाल ने कहा कि इस बीच उन्हे अपनी जान का खतरा महसूस हो रहा है और इसके इनपुट भी उन्हें मिल रहे है। मंजीत सिंह नौटियाल ने अपनी हत्या की आशंका जताते हुए सुरक्षा दिए जाने की मांग की है। मंजीत नौटियाल की सुरक्षा को लेकर संगठन के कार्यकताओं ने भी चिंता जाहिर की है और राष्ट्रीय अध्यक्ष को सुरक्षा देने की मांग की है ताकि कोई अनहोनी घटना ना घट सके।

गाजियाबाद राष्ट्रीय व्यापार मंडल ने एनडीआरएफ जवानों को रक्षाबंधन की बधाई दी बहनों ने बांधी राखी

संस्कार उजाला

गाजियाबाद (आशा चौधरी) राष्ट्रीय व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने एनडीआरएफ प्रांगण में कमांडेंट पी के तिवारी, डिप्टी कमांडेंट नीरज तथा नरेश के साथ एनडीआरएफ जवानों को रक्षा सूत्र बांधकर, मिठाई खिलाकर रक्षाबंधन की बधाई दी। इस अवसर पर महिला पदाधिकारियों ने भी भाग लिया और एनडीआरएफ जवानों की प्रशंसा की।एनडीआरएफ जवानों ने बहनों को गिफ्ट भेंटकर उनकी रक्षा का संकल्प लिया। राष्ट्रीय व्यापार मंडल ने एनडीआरएफ के समय-समय पर सहयोग की सराहना की। इस मौके पर एनडीआरएफ कमांडेंट पी के तिवारी को स्मृति चिन्ह भी भेंट किया। एनडीआरएफ कमांडेंट पीके तिवारी ने पंडित अशोक भारतीय के एनडीआरएफ जवानों के सम्मान में किए गए काव्य पाठ की सराहना की। युवा भाजपा नेता व निदेशक श्रीराम गौरव स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, गाजियाबाद सौरभ यादव को खेलों के प्रति युवाओं को प्रोत्साहित करने व सामाजिक क्षेत्र में उनके द्वारा किए जाने वाले कार्यों की सराहना की गई।

गाजियाबाद डासना जेल पर महिलाओं का उमड़ा जन सैलाब

संस्कार उजाला

गाजियाबाद (आशा चौधरी) डासना जेल में बंद हिन्दू रक्षा दल राष्ट्रीय अध्यक्ष पिंकी चौधरी जी को हजारों की संख्या में महिलाए पहुंची राखी बाँधने जिसका नेतृत्व गाजियाबाद से प्राची सक्सेना ने किया हजारों की संख्या में महिलाओं के पहुंचने की सूचना प्रशासन को पहले से थी इसी कारण पुलिस ने मेन रोड पर ही सभी को रोक दिया पिंकी भैया के समर्थन में सभी ने शांति रूप से प्रशासन से अनुरोध करते हुए धरने पर बैठ गई तब जाकर गाजियाबाद पुलिस ने सभी बहनो से रखी एकत्रित कर पांच महिलाओं को साथ लेजाकार पिंकी भैया तक सबकी राखी जेलर के माध्यम से पहुंचाई तब जाकर सभी अपने घर के लिए प्रस्थान हुए ,प्राची सक्सेना से बात करते हुए उन्होंने बताया की पिछले दिनों गाजियाबाद में अवैध तरिके से भूमि घेर कर बंगलादेश के कुछ लोग रह रहे थे जिसकी सुचना पिंकी भैया को लगी और वो बंगलादेश में हिन्दुओं पर हो रहे अत्याचार से बहुत आहत थे वो अपने आप को रोक नहीं पाए और उनपे हल्का बल प्रयोग करके उस अवैध घरो को खाली करवा दिया जिस कारण उन्हें डासना जेल में बंद कर रखा है और प्रशासन ने उनपर गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर ठरअ जैसी धारा लगाने पर विचार कर रही है जो गलत है, अगर पिंकी भैया पर ठरअ जैसी कार्रवाई की गई तो उत्तर प्रदेश में बड़ा आंदोलन होगा। और गजियाबाद इतिहास मे जेल पर पहली बार इतनी संख्या मे महिला शक्ति पहुंची है जिसका रूप बहुत शांत और अनुशासित था सभी महिलाओ की मांग केवल पिंकी भैय्या की सुरक्षा सही से व उन्हें राखी बांधना था, प्रशासन ने समझदारी दिखाते हुए सभी की रखी जेल तक पहुंचाई ! भविष्य मे आंदोलन की सुगबुघाट आ रही है इस शांति प्रिय आंदोलन से यदि पिंकी भैय्या पर कोई अनुचित कार्यवाही की जाती है तो गाजियाबाद के लोग परिवार के साथ इस मुहीम मे साथ होंगे! इस दौरान उत्तराखंड, मेरठ, दिल्ली व समस्त एन सी आर से महिलाए आई और शाम तक पिंकी भैय्या से मिलने के लिए महिलाए जेल पर पहुँचती रही।

जनपद के स्मृति शेष अधिवक्ताओं के आश्रितों को सहायता राशि का हुआ वितरण

माननीय मुख्यमंत्री जी की उपस्थिति में लोकभवन में आयोजित कार्यक्रम का देखा गया सजीव प्रसारण

संस्कार उजाला

सहारनपुर, उत्तर प्रदेश शासन के निदेर्शानुसार अपर जिलाधिकारी प्रशासन डॉक्टर अर्चना द्विवेदी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित नवीन सभागार में स्मृति शेष अधिवक्ताओं के आश्रितों को सहायता राशि का वितरण किया गया इस अवसर पर माननीय मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश श्री योगी आदित्यनाथ जी की उपस्थिति में लखनऊ लोकभवन में आयोजित उत्तर प्रदेश शासन द्वारा अधिवक्ताओं के कल्याण के लिए दिवंगत अधिवक्ताओं के आश्रितों को सहायता

राशि प्रदान किया जाने संबंधी कार्यक्रम का सजीव प्रसारण देखा गया।कार्यक्रम में अपर जिलाधिकारी प्रशासन डॉक्टर अर्चना द्विवेदी एवं एडीजे एम0ए0 खान द्वारा जनपद के 07 स्मृति शेष अधिवक्ताओं के आश्रितों को सहायता राशि का डेमो चेक दिया गया। सहायता राशि प्राप्त करने वाले आश्रितों में ममता शर्मा, लता सैनी, दिलरुबा, कुसुम, रश्मि, सुधा को 05 लाख एवं अंजू रानी गुप्ता को 50 हजार रुपए का डेमो चेक दिया गया।अपर जिलाधिकारी प्रशासन ने कहा कि जिला प्रशासन स्मृति शेष अधिवक्ताओं के आश्रितों को हर संभव मदद के लिए तत्पर हैइस अवसर पर मंडलीय शासकीय अधिवक्ता राजस्व श्री दिनेश त्यागी, डीजीसी क्रिमिनल श्री सतीश सैनी, डीजीसी राजस्व श्री अजय त्यागी, एडीजीसी श्री विनय कुमार, श्री सुभाष चंद, श्री मान सिंह, श्री शिव सिंह, श्री शेषपाल, श्री पौरुष वर्मा, श्री ऋषिपाल आदि मौजूद रहे।

स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष में नशा मुक्ति अभियान के अंतर्गत विशाल कुश्ती दंगल प्रतियोगिता का आयोजन ग्राम लखनौती खुर्द में किया गया

सहारनपुर कुश्ती दंगल प्रतियोगिता का उद्घाटन मुख्य अतिथियों द्वारा विधि विधान के साथ किया गया

इस कुश्ती दंगल प्रतियोगिता में यूपी ,उत्तराखंड ,पंजाब ,हरियाणा, दिल्ली से महिला पहलवान तथा पुरुष पहलवान भाग ले रहे हैं

संस्कार उजाला

सहारनपुर क्षेत्र के गांव लखनौती खुर्द में कुश्ती दंगल प्रतियोगिता का आयोजन किर्डा भारती जिला प्रमुख प्रदीप शास्त्री पहलवान तथा दंगल अध्यक्ष लाल्ला ताजपुर वाले के द्वारा आयोजित किया गया कुश्ती दंगल प्रतियोगिता में उत्तराखंड पंजाब ,हरियाणा यूपी , दिल्ली आदि राज्यों के महिला खिलाड़ी तथा पुरुष खिलाड़ियों ने भाग लिया स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष में लखनौती खुर्द में इस प्रतियोगिता का उद्घाटन शिपतेन अली, व ग्राम प्रधान नलनिश के द्वारा पूरे विधि विधान के द्वारा किया गया कुश्ती दंगल

प्रतियोगिता में जिला प्रमुख प्रदीप शास्त्री पहलवान ने बताया कि इस दंगल से ग्रामीण क्षेत्रों में युवाओं को नशे की लत से छुटकारा पाने के लिए कुश्ती दंगल प्रतियोगिता आयोजन करके उनकी शारीरिक स्थिति को मजबूत करना होता है और मानसिक स्थिति को देश के विकास के लिए विकसित किया जाता है इस प्रतियोगिता में जीतने वाले को उचिति ईनाम दिया जाएगा इस दौरान मुख्य रूप से बाबर पठान दिल्ली से बाबर चौधरी गगगो क्षेत्र से लाली पहलवान पंजाब से सलमान खान तथा राजा खेड़ी शिकोहपुर उत्तराखंड से और बिट्टू पहलवान दिल्ली से क्षेत्र के युवाओं में कुश्ती दंगल प्रतियोगिता के लिए जागरुक कर रहे हैं इस दौरान मुख्य रूप से एडवोकेट दिनेश त्यागी, जगदीश राणा, ओमपाल राणा ,मोहम्मद मुजम्मिल, लुकमान , विनोद प्रधान ,मोहम्मद असलम ,बाबर अली पूर्व प्रधान भूरा, तथा क्षेत्रीय ग्रामीण दर्शक मौजूद रहे

पृथक पश्चिम प्रदेश निर्माण के लिए बड़ा आंदोलन होगा- भगत सिंह वर्मा।

घर-घर जाकर जन आंदोलन बनाएंगे - भगत सिंह वर्मा।

संस्कार उजाला ब्यूरो

सहारनपुर - आज यहां ग्राम भाऊपुर में एक बैठक को संबोधित करते हुए भारतीय किसान यूनियन वर्मा व पश्चिम प्रदेश मुक्ति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष भगत सिंह वर्मा ने कहा कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश के 26 जिलों को मिलाकर पृथक पश्चिम प्रदेश बनाने के लिए बड़ा आंदोलन किया जाएगा जिसके लिए गांव गांव घर-घर जाकर लोगों को जागरूक करके जन आंदोलन बनाया जाएगा। पश्चिमी उत्तर प्रदेश की 8 करोड़ जनता की उन्नति के लिए पृथक राज्य का निर्माण जरूरी है। पृथक पश्चिम प्रदेश बनने पर सहारनपुर और मेरठ में एम्स की स्थापना होगी और यहां अंतरराष्ट्रीय स्तर की शिक्षण संस्थाएं होगी। भगत सिंह वर्मा ने कहा कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश के 26 जिले 6 मंडल 27 लोकसभा क्षेत्र 137 विधानसभा क्षेत्र और 8 करोड़ जनसंख्या का राज्य देश ही नहीं दुनिया में सबसे उन्नत सील और खुशहाल राज्य होगा जिसमें सभी को शिक्षा और चिकित्सा

निशुल्क होगी और शिक्षित युवाओं को शत प्रतिशत रोजगार होगा। और यहां पर प्रति व्यक्ति वार्षिक आय दुनिया में कतर देश से भी अधिक होगी। भगत सिंह वर्मा ने महामहिम राष्ट्रपति जी और प्रधानमंत्री जी को पत्र लिखकर राज्य पुनर्गठन आयोग गठित करके पश्चिम प्रदेश के साथ अन्य राज्यों का भी देश में गठन करना चाहिए। उत्तर प्रदेश की जनसंख्या 25 करोड़ है। और यह एक दुनिया का सबसे बड़ा राज्य है जबकि यूनाइटेड स्टेट अमेरिका की जनसंख्या 34 करोड़ है और वहां पर 50 राज्य हैं। छोटे-छोटे राज्यों के निर्माण से ही देश की उन्नति संभव है। बैठक का संचालन करते हुए पश्चिम प्रदेश मुक्ति मोर्चा के राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉक्टर अशोक मलिक ने कहा कि पृथक पश्चिम प्रदेश बनवाने के लिए हम किसी भी हद तक जा सकते हैं। उत्तर प्रदेश में बढ़ती हुई समस्याओं का एकमात्र हल पृथक पश्चिम प्रदेश का निर्माण ही है जिसके लिए बड़े संघर्ष की शुरूआत राष्ट्रीय अध्यक्ष भगत सिंह वर्मा के नेतृत्व में कर दी गई है। बैठक को संबोधित करते हुए पश्चिम प्रदेश मुक्ति मोर्चा के प्रदेश महामंत्री असीम मलिक ने कहा कि पृथक पश्चिम प्रदेश बनने पर यहां के शिक्षित युवाओं को सरकारी नौकरी मिलेगी और यहां के विकास के लिए यहां बड़े-बड़े उद्योग स्थापित किए जाएंगे। आसिम मलिक ने कहा कि पृथक राज्य निर्माण के लिए किसान मजदूर व्यापारी दुकानदार बुद्धिजीवी युवा शक्ति और छात्र मिलकर बड़ा आंदोलन करेंगे। बैठक की अध्यक्षता सुखबीर सिंह एडवोकेट ने की। बैठक में राष्ट्रीय सलाहकार हाफिज मुर्तजा त्यागी प्रदेश उपाध्यक्ष पंडित नीरज कपिल प्रदेश संगठन मंत्री धर्मवीर चौधरी प्रदेश सचिव रिशिपाल गुर्जर मंडल उपाध्यक्ष मंडल उपाध्यक्ष कृपाल चौधरी मंडल महामंत्री सरदार गुलविंदर सिंह बंटी जिला उपाध्यक्ष वसीम जहीरपुर जिला मंत्री मुकर्रम प्रधान अजीत सिंह एडवोकेट सुधीर चौधरी महेंद्र चौधरी अरविंद चौधरी इरशाद मुखिया त्यागी यासीन त्यागी हाजी सुलेमान हाजी साजिद डॉक्टर यशपाल त्यागी धन प्रकाश त्यागी नैन सिंह सैनी मांगेराम सैनी जोगिंदर सिंह रविंद्र प्रधान आदि ने भाग लिया।

संक्षिप्त डायरी

विद्यालय में भाई बहन के अटूट प्रेम के त्यौहार रक्षाबंधन पर्व का आयोजन किया गया

संस्कार उजाला

सहारनपुर/ छुटमलपुर प्राथमिक विद्यालय छुटमलपुर नंबर 2 में भाई बहन के अटूट प्रेम के त्यौहार रक्षाबंधन पर्व का आयोजन किया गया शिक्षिका अंजली आर्य ने बच्चों को रक्षाबंधन पर्व से संबंधित कहानी सुनाई और कहा कि जिस प्रकार इस दिवस पर भाई हमारी रक्षा की सुगंध लेते हैं उसी प्रकार बहनों का भी कर्तव्य अपने भाई के प्रति बनता है कि वह भी उसके सुख दुख में साथी बने इस अवसर पर अलंकृत कल्चरल क्लब के तत्वाधान में शिक्षिका ने बच्चों के मध्य राखी मेकिंग कंपटीशन कराया जिसमें बच्चों ने एक से बढ़कर एक सुंदर राखी बनाई शानदार बोर्ड डेकोरेशन किया।बालिकाओं ने अपने भाई को उत्साहपूर्वक राखी बांधी। रिजा ने अपने भाई असद जाकिया ने अपने भाई आतिफ शबनूर ने अपने भाई अल्तमश सना ने हुसैन जरा ने सायान को राखी बांधी। इस अवसर पर सभी बच्चे बहुत उत्साहित थे सभी विद्यालय स्टाफ और बच्चों ने एक दूसरे को रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दी

जाम की समस्या से निजात दिलाने के लिए पसीना बहातें दिखाई दिए थाना अध्यक्ष विनोद कुमार

संस्कार उजाला

बिहारीगढ़ आगामी त्यौहार रक्षाबंधन को देखते हुए कस्बा बिहारीगढ़ में चारों ओर भारी भीड़ दिखाई दे रही है। आमजन को कोई परेशानी ना हो कस्बे में ज्यादा संख्या में पुलिस बल लगा रखा है लेकिन फिर भी जाम की समस्या अक्सर बनी रहती है आज थाना अध्यक्ष विनोद कुमार अपनी पुलिस टीम के साथ जाम की समस्या को देखते हुए खुद डट गए और तेज चिल्लाती धूप में गाड़ियों का आवागमन सुचारू रूप से कराते हुए देखे गए थाना अध्यक्ष विनोद कुमार ने बताया स्टाफ के साथ मिलकर काम करना समस्त स्टाफ की ऊर्जा को बढ़ाता है जिससे सबको काम करने की प्रेरणा मिलती है हम सब मिलकर काम करेंगे तो कोई भी काम मुश्किल नहीं होगा। एक थाना अध्यक्ष होते हुए भी इनके अंदर मानवता कुट-कुट कर भरी हुई है। और कस्बे में जाम खुलवाने के लिए सबसे आगे होकर कार्य करते हुए अक्सर देखा जा सकता है।

पड़ोसी देश में पहुंचा मंकीपॉक्स, मुंबई एयरपोर्ट पर ही हो जांच : चव्हाण

मुंबई। महाराष्ट्र के पूर्व सीएम और कांग्रेस नेता पृथ्वीराज चव्हाण ने मंकीपॉक्स मामलों पर चिंता जताते हुए सीएम एकनाथ शिंदे को पत्र लिखकर मुंबई एयरपोर्ट पर सख्त परीक्षण और अलग रखने के नियमों को लागू करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने मंकीपॉक्स को सार्वजनिक स्वास्थ्य आपात घोषित कर दिया है और यह वायरस अपने पड़ोसी देश पाकिस्तान तक पहुंच गया है। उन्होंने सरकार से भारत में इसको रोकने के लिए उचित कदम उठाने की अपील की है। चव्हाण ने एक्स पर लिखा-मंकीपॉक्स हमारे पड़ोस तक पहुंच गया है। हमें कार्रवाई करनी होगी। उन्होंने कहा कि सीएम शिंदेजी को पत्र लिखकर ऐसे देशों से आने वाले सभी यात्रियों के लिए मुंबई एयरपोर्ट पर सख्त परीक्षण और अगल रखने के नियमों को लागू करने की मांग की है, जहां मंकीपॉक्स संक्रमण का ज्यादा खतरा है। उन्होंने चेताया कि इस समस्या के संबंध में समय पर कार्रवाई जरुरी है क्योंकि किसी भी तरह की देरी होने पर इसके गंभीर परिणाम सामने आ सकते हैं।

आगरा में भी कोलकाता जैसी घटना होने से बची, महिला कर्मचारी के फाड़े कपड़े

आगरा। कोलकाता में महिला ट्रेनी डॉक्टर के साथ हुई घटना का मामला अभी थमा भी नहीं है कि यूपी के आगरा से एक और हैरान करने वाली घटना सामने आई है जिसे सुनकर लोग परेशान हो गए। आगरा के जिला अस्पताल में एक स्टाफ नर्स और महिला कर्मचारी के साथ मरीज के रिश्तेदारों और अटेंडेंट्स ने छेड़छाड़ और मारपीट की, यहां तक कि महिला कर्मचारी के कपड़े तक फाड़ दिए गए और उसे खींचकर ले जाने का प्रयास किया। घटना उस समय हुई जब मरीज के रिश्तेदारों और अटेंडेंट्स ने नर्स और महिला कर्मचारी को पकड़ लिया। पहले उन्होंने नर्स के साथ बदसलूकी की और फिर महिला कर्मचारी पर हमला कर दिया। पीड़िता ने जब अपनी जान बचाने के लिए चिल्लाया, तो बाकी स्टाफ मौके पर पहुंच गया। इसके बाद नर्स और महिला स्टाफ को बचाया जा सका। पीड़ित की शिकायत के पर मामला दर्ज कर लिया गया है। घटना की जानकारी लगते ही अस्पताल में हंगामा मच गया और स्वास्थ्य कर्मचारी हड़ताल पर चले गए। हालांकि, उन्होंने बाद में अपनी हड़ताल वापस ले ली। पीड़ित महिला कर्मचारी ने इस घटना के बारे में बताया कि मरीज के अटेंडेंट्स ने उनके कपड़े फाड़ दिए और उन्हें खींचने की कोशिश की गई। यह घटना महिला सर्जिकल वार्ड में रात 11 बजे के करीब हुई। जब अटेंडेंट्स को बाहर जाने के लिए कहा गया, तो उन्होंने विरोध किया और हंगामा कर दिया। इसके बाद उन्होंने जिला अस्पताल की महिला कर्मचारियों पर हमला किया। पहली बार हंगामा और मारपीट के बाद, उन्होंने फिर से अपने साथियों के साथ वापस आकर महिला कर्मचारियों पर हमला किया, उनके कपड़े फाड़ दिए और खींचने की कोशिश की। इस घटना ने स्वास्थ्य कर्मचारियों में आक्रोश है उनका कहना है कि अगर समय पर अन्य स्टाफ नहीं पहुंचता तो आगरा जिला अस्पताल में भी कोलकाता जैसी घटना हो सकती थी।

राजस्थान के कई अस्पतालों को ई मेल के जरिये मिली बम की धमकी

जयपुर। जयपुर के कई अस्पतालों को ईमेल के जरिए बम की धमकी मिली है। पुलिस ने यह जानकारी दी। ईमेल भेजने वाले ने दावा किया है कि अस्पताल के बिस्तरों के नीचे और स्नानागार में बम रखे गए हैं। जयपुर पुलिस आयुक्त बीजू जॉर्ज जोसेफ ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''अभी तक चार अस्पतालों ने इस तरह का ईमेल मिलने की पुष्टि की है।'' उन्होंने कहा कि और भी कई अस्पतालों को इस प्रकार का ईमेल मिलने की आशंका है और अन्य अस्पताल ईमेल देखने के बाद इस बात की पुष्टि करेंगे। जोसेफ ने कहा कि इससे पहले जयपुर हवाई अड्डे और विद्यालयों में भी बम होने की इस तरह की धमकियां मिली थीं। अस्पतालों को मिले ई-मेल में लिखा है, मैंने अस्पताल की इमारत में बम रखा है। बम अस्पताल के बिस्तरों के नीचे और स्नानागारों के अंदर छिपाए गए हैं। अस्पताल के अंदर मौजूद हर व्यक्ति मारा जाएगा या उसके अंग कट जाएंगे। आप में से कोई भी बच नहीं पाएगा। ईमेल में लिखा है, आप खून से लथपथ हो जाएंगे। आप सभी केवल मौत के हकदार हैं। इस नरसंहार के पीछे आतंकवादी 'चिंग और कल्टिस्ट' का हाथ है।'' पुलिस मामले की जांच कर रही है और स्थिति पर नियंत्रण पाने के लिए आवश्यक कदम उठा रही है।

तालाब में पानी लेने गईं चार चचेरी बहनों की डूबने से मौत

बीकानेर। राजस्थान के बीकानेर जिले के नोखा थाना क्षेत्र में एक तालाब में डूबने से चार चचेरी बहनों की मौत हो गई। ये चारों ही तालाब से पानी लेने गई थीं। पुलिस ने उक्त घटना की जानकारी देते हुए बताया कि बिहारी निवासी चार चचेरी बहनें जिनमें सोनम साहनी (08वर्ष), शिवानी साहनी (12वर्ष), मुस्कान साहनी (12वर्ष), चांदनी साहनी (9वर्ष) राणाराव तालाब में पानी लेने के लिए गईं थीं, जहां डूबने से उनकी मौत हो गई। बताया जा रहा है कि तालाब में पानी भरते समय ही एक बहन का पैर फिसल गया था और वह डूबने लगी, उसे बचाने की कोशिश में तीन और बहनें भी तालाब में डूब गईं। इस दर्दनाक घटना के बाद क्षेत्र में मातम पसरा हुआ है। पुलिस ने चारों चचेरी बहनों के शवों का पोस्टमार्टम कराकर शवों को उनके परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस ने मर्ग कायम करते हुए मामले की जांच शुरु कर दी है।

बांग्लादेश सीमा पर सोने के साथ तीन तस्कर गिरफ्तार

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में भारत-बांग्लादेश सीमा पर बीएसएफ ने 1.1 किलो सोने के साथ तीन तस्करों को पकड़ा है। बीएसएफ के साउथ बंगाल फ्रंटियर के डीआईजी ने कहा कि सीमा पर बाड़ के पार खेत से लौट रहे एक ट्रैक्टर ट्रॉली के एक्सल पर सोने के दो बिस्कुट टेप से चिपके मिले जिसकी कीमत करीब 75.14 लाख रुपए है। डीआईजी ने कहा कि कंपनी कमांडर ने एक विशेष गश्ती दल भेजा और सभी जवानों को सतर्क कर दिया। एक ट्रैक्टर जिसमें एक ट्रॉली लगी हुई थी, खेत से बाड़ के गेट को पार कर रहा था। उन्होंने ट्रॉली के पहिये के दाहिने एक्सेल हब पर टेप से सोने के दो बिस्कुट चिपके हुए थे। बीएसएफ ने तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि ट्रैक्टर और ट्रॉली का मालिक चालक मुर्शिदाबाद के रानीनगर थाना क्षेत्र के कटलामारी गांव का निवासी है। तीनों को बीओपी ले जाया गया। उन्होंने कहा कि पूछताछ में मुख्य आरोपी ने जुर्म कबूल किया कि वह शुरू से ही तस्करी की कोशिश में शामिल था। उन्होंने कहा कि बीएसएफ जवानों को धोखा देने के लिए उसने अपने ट्रैक्टर को बाड़ के पार ले जाकर कहा कि वह अपनी फसलों की देखभाल करना चाहता है। जीरो लाइन के पास, उसने बांग्लादेशी तस्करों से सोना इकट्ठा किया और उसे ट्रॉली के नीचे छिपा दिया। इसके बाद वह बाड़ को पार करके बॉर्डर पर चला गया। इस दौरान उसे रोका गया और उसकी तलाशी ली गई। उन्होंने कहा कि मुख्य आरोपी को उसके दो साथियों और सोने के साथ आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए बेहरामपुर में सीमा शुल्क विभाग को सौंप दिया है।

पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और केरल में आज भारी बारिश का अलर्ट

-दिल्ली-एनसीआर के कुछ इलाकों में हल्की बारिश के आसार

नई दिल्ली। देश के कई राज्यों में मैदानी इलाकों से लेकर पहाड़ों तक बारिश जारी है। कई राज्यों में मौसम विभाग ने अलर्ट जारी किया है। पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और केरल में आज भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। वहीं दिल्ली-एनसीआर में सुबह से बादल आंख मिचौली खेल रहे हैं। दिल्ली-एनसीआर के कुछ इलाकों में भी आज हल्की बारिश हो सकती है। मौसम विभाग के मुताबिक केरल के पथनमथिट्टा, कोट्टायम, इडुक्की और एर्नाकुलम जिलों में भारी बारिश हो सकती है। यहां रविवार और सोमवार तक ऑरेंज अलर्ट जारी रहेगा। पथनमथिट्टा और एर्नाकुलम में भी अलर्ट जारी किया है। कोट्टायम में मणिमाला नदी का पानी खतरे के निशान से ऊपर है। प्रशासन ने नदी के पास रहने वाले लोगों को सुरक्षित जगह पर जाने की सलाह दी है। तटीय इलाकों में समुद्र का पानी घुसने की भी आशंका है। लोगों से अपील की गई है कि वे ऊंचाई वाले इलाकों में रात में यात्रा न करें। भारी बारिश के दौरान नदी में न जाएं। मैदानी इलाकों के साथ पहाड़ों पर भी बारिश ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। मौसम विभाग के मुताबिक अगले पांच दिनों में हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में हल्की बारिश हो सकती है। बारिश से पहाड़ी इलाकों में लैंडस्लाइड का खतरा बढ़ गया है।

कोई भी 35 साल तक बीजेपी को सत्ता से नहीं हटा सकता है: अमित शाह

-पार्टी की विचारधारा को देश के कोने-कोने तक ले जाने का आह्वान

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में बीजेपी के पदाधिकारियों की बैठक में बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी पहुंचे थे। बैठक के बाद अमित शाह ने कहा कि बीजेपी अभी 35 साल और सत्ता में रहेगी। कोई भी 35 साल तक बीजेपी को सत्ता से नहीं हटा सकता है। शाह ने कहा कि बीजेपी की जड़ें मजबूत हैं, संगठन मजबूत हैं। बीजेपी जहां सत्ता में है। वहां से जाती नहीं। उन्होंने कहा कांग्रेस जहां जाती है फिर वहां आती नहीं।

बता दें कि चुनाव आयोग ने शुक्रवार को हरियाणा और जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनावों की घोषणा कर दी है। चुनाव की घोषणा के बाद बीजेपी में बैठकों का दौर शुरु हो गया है। शाह ने भविष्य में मजबूत चुनावी संभावनाओं का भरोसा जताते हुए पार्टी नेताओं से पार्टी की विचारधारा को देश के कोने-कोने तक ले जाने का आह्वान किया।

सूत्रों के मुताबिक अमित शाह ने कहा कि लोगों ने बार-बार राज्यों और केंद्र में बीजेपी सरकारों में अपना भरोसा जताया है और कांग्रेस को नकारा है। बीजेपी प्रवक्ता संबित पात्रा ने एक कहा कि पार्टी का लक्ष्य इस अभियान में 10 करोड़ से ज्यादा सदस्य बनाने का है जिसमें वह राज्य शामिल नहीं होंगे जहां आने वाले महीनों में चुनाव होना हैं। आधे राज्यों में अभियान खत्म होने के बाद पार्टी को नए अध्यक्ष का चुनाव होने की उम्मीद है। शनिवार को हुई बैठक में पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा, संगठन से जुड़े प्रमुख नेताओं और राष्ट्रीय पदाधिकारियों ने भाग लिया। गृहमंत्री शाह ने अपने संबोधन में कहा बीजेपी एक कार्यकर्ता-आधारित पार्टी है जो एक मजबूत विचारधारा से प्रेरित है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि विस्तार के लिए इसकी निरंतर कड़ी मेहनत ने इसे 1984 में जीती गई केवल दो लोकसभा सीटों से राष्ट्रीय राजनीति में वर्तमान में प्रमुख स्थान पर पहुंचाया है। उन्होंने कहा कि सत्ता बरकरार रखने में कांग्रेस का ट्रैक रिकॉर्ड खराब है और उसके विपरीत केंद्र और राज्यों में बीजेपी सरकार फिर चुन कर आती है। सूत्रों के मुताबिक शाह ने कहा कि कांग्रेस अब कई राज्यों में एक गंभीर राजनीतिक ताकत के रूप में मौजूद नहीं है। पात्रा ने कहा कि नए सदस्य चार तरीकों-जल्द ही घोषित होने वाले मोबाइल नंबर पर कॉल करने, क्यूआर कोड स्कैन करने, नमो ऐप और बीजेपी की वेबसाइट के जरिए बनाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि हालांकि, दूरदराज के इलाकों में पार्टी नए सदस्यों को नामांकित करने के लिए पारंपरिक कागजी पद्धति का उपयोग करेगी।

झारखंड में हेमंत सरकार को तोड़ने का किया जा रहा प्रयास : राउत

नागपुर। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और जेएमएम नेता चंपई सोरेन के बीजेपी में जाने की अटकलों पर शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने आरोप लगाया कि बीजेपी अब झारखंड सरकार को तोड़ने का प्रयास कर रही है। संजय राउत ने सवाल किया कि झारखंड में क्या हो रहा है? फिर बोले, हेमंत सोरेन को तकलीफ देने के लिए फिर वहां कोशिश की जा रही है। हेमंत की वहां मजबूत सरकार है, लेकिन उसमें से कुछ लोगों को तोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। अगर चुनाव घोषित कर देते तो मॉडल कोर्ड ऑफ कंडक्ट लागू हो जाता। राउत ने बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा कि महाराष्ट्र में जो त्रिकुट बैठा है, उन्हें यहां खेला करने और सरकारी तिजोरी खाली करने के लिए और समय चाहिए। इसलिए चुनाव की तारीखों का ऐलान नहीं किया गया। आप वन नेशन और वन इलेक्शन की बात करते हैं, लेकिन चार राज्यों में चुनाव की तारीखों का एक साथ ऐलान नहीं कर सकते। बता दें कि झारखंड के पूर्व सीएम चंपई सोरेन के बीजेपी में शामिल होने की अटकलें लगाई जा रही हैं। चंपई सोरेन के साथ जेएमएम के कुछ विधायक भी हैं। वह रविवार को दिल्ली बीजेपी ऑफिस में पार्टी में शामिल हो सकते हैं। ईडी द्वारा पूर्व सीएम हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी के बाद चंपई सोरेन दो फरवरी 2024 से तीन जुलाई 2024 तक झारखंड के 7वें सीएम के रूप में कार्य कर चुके हैं।

विहिप नेता पर शांति भंग करने और धमकाने का मामला दर्ज

-बीफ बेचने का आरोप लगा होटल में जबरन घुसा और धमकाया

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने डोडा जिले में विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के नेता के खिलाफ शांति भंग करने और धमकाने का मामला दर्ज किया है। विहिप नेता अनिरुद्ध भाऊ पर होटल में जबरन घुसने और बीफ बेचने का आरोप लगाते हुए हंगामा करने व मुसलमानों को धमकाने और शांति भंग करने का आरोप लगाया है। इस मामले में पुलिस ने बताया कि विहिप नेता की पहचान अनिरुद्ध भाऊ के तौर पर हुई है, जो डोडा के सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में कार्यरत चतुर्थ श्रेणी का एक कर्मचारी है। इस घटना के बाद गिरफ्तार किए गए आरोपी को निजी जमानत पर रिहा कर दिया गया है। इस मामले से जुड़ी एक मीडिया रिपोर्ट ने इस मामले को अलग ही रंग दिया और बताया कि विहिप के जम्मू-कश्मीर अध्यक्ष राजेश गुप्ता ने इस पूरे मामले को झूठा करार दिया है और गोमांस बिक्री में शामिल माफिया के द्वारा भीड़ इकट्ठा कर स्थानीय पुलिस अधिकारियों पर एफआईआर दर्ज करने के लिए दबाव बनाया गया है।

इस संबंध में डोडा निवासियों का कहना है कि वीएचपी नेता अपने कुछ साथियों के साथ 15 अगस्त की रात को शहर के भारत रोड पर एक वाहन से आए थे और वहां खाने-पीने की दुकानों की जांच करने लगे। उन्होंने मोमोज बेचने वाली एक दुकान पर मौजूद दुकानदार से पूछा कि क्या वह मोमोज में गोमांस का इस्तेमाल कर रहा। इस पर स्थानीय रहवासियों ने कहा कि ऐसा कुछ नहीं है, चिकन का इस्तेमाल होता है। इसके बाद वह दूसरी दुकानों में जाकर ऐसा ही करने लगे, एक बरकत अली नामक की बेकरी में वो घुस गए और जबरन आरोप लगाने लगे कि वह गोमांस बेच रहा। दुकान के मालिक और कुछ ग्राहकों ने इससे मना किया तो वो हंगामा करने लगे। उनके व्यवहार और बेकरी में जबरन घुसने का वहां मौजूद लोगों ने विरोध किया तो भाऊ और उसके साथियों ने बहस करते हुए हंगामा शुरू कर दिया। मामला बढ़ता देख स्थानीय लोग भी एकत्र हो गए, जिसे देख भाऊ और उसके साथी अपना वाहन छोड़ भाग खड़े हुए।

इस घटना से घबराए लोगों ने पुलिस को सूचित किया, जिसके बाद पुलिस ने मर्ग कायम करते हुए वाहन को जब्त कर लिया। सूत्रों की मानें तो पुलिस ने भाऊ को हिरासत में ले लिया और उसके बाद डोडा पुलिस स्टेशन के एसएचओ ने निजी जमानत पर उसे रिहा भी कर दिया।

दर्द देने वाले, दवा देने का दावा न करें, युवाओं ने लड़कर पाया इंसाफ: अखिलेश

-सहायक शिक्षकों की भर्ती पर इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले के बाद सियासत शुरू

लखनऊ (एजेंसी)। 69 हजार सहायक शिक्षकों की भर्ती पर इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले के बाद सियासत शुरू हो गई है। हाईकोर्ट के फैसले का यूपी के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने स्वागत किया। उन्होंने कहा कि शिक्षकों की भर्ती में इलाहाबाद हाईकोर्ट का फ़ैसला सामाजिक न्याय की दिशा में एक अच्छा कदम है। यह उन पिछड़ा व दलित वर्ग के पात्रों की जीत है जिन्होंने अपने अधिकार के लिए संघर्ष किया। उनके इस बयान के बाद समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने केशव पर तंज कसा।

अखिलेश ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा कि दर्द देने वाले, दवा देने का दावा न करें। 69 हजार शिक्षक भर्ती मामले में यूपी के एक 'कृपा-प्राप्त उप मुख्यमंत्री जी' का बयान भी साजशिाना है। पहले तो आरक्षण की हक़मारी में खुद भी सरकार के साथ खड़े रहे और जब युवाओं ने उनके खिलाफ लड़कर, लंबे संघर्ष के बाद इंसाफ़ पाया है तो अपने को हमदर्द साबित करने के लिए आगे आकर खड़े हो गए हैं।

उन्होंने लिखा कि दरअसल ये 'कृपा-प्राप्त उप मुख्यमंत्री जी' शिक्षक भर्ती के अभ्यर्थियों के साथ नहीं हैं, वह तो ऐसा करके बीजेपी के अंदर अपनी राजनीतिक गोटी खेल रहे हैं। वह इस मामले में अप्रत्यक्ष रूप से जिनके ऊपर उंगली उठा रहे हैं, वह 'माननीय' भी अंदरूनी राजनीति के इस खेल को समझ रहे हैं। शिक्षा और युवाओं को बीजेपी अपनी अंदरुनी लड़ाई और नकारात्मक राजनीति से दूर ही रखे क्योंकि बीजेपी की सत्ता लोलुप सियासत से यूपी कई साल पीछे चला गया है।

बता दें कि यूपी में 69 हजार सहायक शिक्षक अभ्यर्थियों की बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा तैयार की गई चयनित अभ्यर्थियों की सूची को इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ डबल बेंच ने रद्द करते हुए नए सिरे से चयन सूची बनाने का आदेश दिया है।

23 अगस्त को राजनाथ सिंह जाएंगे अमेरिका, द्विपक्षीय रणनीतिक-सैन्य संबंधों पर करेंगे चर्चा

नई दिल्ली। देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 23 अगस्त को अमेरिका की यात्रा पर जाएंगे। राजनाथ की यह यात्रा प्रधानमंत्री मोदी की हालिया रूस यात्रा के बाद हो रही है। सूत्रों ने बताया कि सिंह 23 अगस्त को अमेरिकी रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन के साथ होने वाली प्रतिनिधिमंडल स्तर की बातचीत में पहले से ही मजबूत द्विपक्षीय रणनीतिक-सैन्य संबंधों को और बढ़ाने के लिए कई उपायों पर चर्चा करेंगे। इसमें भारत-प्रशांत क्षेत्र में सुरक्षा सहयोग में तेजी लाना शामिल है। इतना ही नहीं अमेरिकी उप विदेश मंत्री रिचर्ड वर्मा भी भारत के दौरे पर आ रहे हैं। बांग्लादेश में अस्थिरता के बीच दोनों देशों के बीच यह यात्रा काफी अहम मानी जा रही है रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के वाशिंगटन दौरे का मकसद दोनों देशों के बीच रणनीतिक और सैन्य संबंधों को मजबूत करना और तेजस विमानों के लिए अमेरिकी जेट इंजन की सप्लाई में हो रही देरी को दूर करना है। मुख्य बातचीत इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में सुरक्षा सहयोग, संयुक्त सैन्य अभ्यास, और तकनीकी सहयोग तथा संयुक्त उत्पादन समझौतों को पूरा करने पर केंद्रित रही। इनमें से कुछ प्रमुख समझौते आर्मड एमक्यू-9बी ड्रोन खरीदना और जीई-एफ414 जेट इंजन का संयुक्त उत्पादन शुरू करना शामिल हैं। भारत जल्द ही बंगाल की खाड़ी में अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया के साथ प्रमुख नौसैनिक अभ्यास, मालाबार, की मेजबानी करने जा रहा है। यह सब दक्षिण चीन सागर में चीन की बढ़ती आक्रामकता और हिंद महासागर क्षेत्र में उसके बढ़ते दखल के बीच हो रहा है।

बिहार में पुल गिरने से भड़के सांसद पप्पू यादव बोले-कंपनी के लोगों को फांसी पर चढ़ा दो

नवगछिया (एजेंसी)। बिहार के सुल्तानगंज-अगुवानी घाट को जोड़ने वाले निर्माणाधीन पुल का एक हिस्सा फिर गिर गया। गंगा नदी पर बन रहा यह पुल तीसरी बार गिरा है जिसके बाद बिहार में पुलों को लेकर राजनीति तेज हो गई है। अब पूर्णिया से निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने इस मामले में कंस्ट्रक्शन कंपनी के लोगों को फांसी देने की मांग तक कर दी। बता दें कि यह पुल करीब दो हजार करोड़ की लागत से बनाया जा रहा है।

पप्पू यादव ने बिहार सरकार और पुल का निर्माण कर रहे कंपनी एसपी सिंगला पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि एसपी सिंगला कंपनी के लोगों को फांसी पर चढ़ा देना चाहिए। कंपनी के मालिक ने खूब लूटा है। पुल गिरने से नाराज पप्पू यादव ने कहा कि इस कंपनी ने इतना लूटा है कि पटना में सारे पुल एक-एक कर गिर रहे हैं। इसके बाद इन लोगों ने अलग-अलग कंपनी बनाकर एसपी सिंगला कंपनी को टेंडर दिया है। यादव ने कहा कि पुल निगम के सेक्रेटरी और मंत्री ने इसमें बदमाशी की है। पुल निगम सेक्रेटरी ने सबसे ज्यादा चोरी की है। 20 साल में जितने भी पुल निगम के सेक्रेटरी हैं, पीडब्ल्यूडी के सेक्रेटरी है, आरडब्ल्यूडी के सेक्रेटरी हैं उसके खिलाफ जांच होनी चाहिए और उसको जेल भेजा जाना चाहिए।

सांसद यादव ने कहा कि मैं वादा करता हूं एसपी सिंगला कंपनी के खिलाफ मैं लोकसभा नहीं चलने दूंगा और कंपनी के खिलाफ हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट तक जाऊंगा। पप्पू यादव ने बिहार सरकार से मांग की है कि पुल बनाने वाली कंपनी को राज्य में मिले सारे टेंडर निरस्त किए जाने चाहिए और कंपनी के खिलाफ ईडी से जांच करानी चाहिए।

'महायुति' सरकार को सुप्रिया सुले ने बताया स्वार्थी, कहा- भाई-बहन के रिश्ते को पैसे के चश्मे से देखती है

धुले। (एजेंसी)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) की नेता सुप्रिया सुले ने लाडकी बहिन योजना को लेकर महाराष्ट्र सरकार पर निशाना साधते हुए रविवार को सरकार पर 'बेहद स्वार्थी' होने और भाई-बहन के रिश्ते को 'धन के चश्मे' से देखने का आरोप लगाया। धुले जिले में पार्टी की एक रैली को संबोधित करते हुए सुले ने दावा किया कि राज्य में महिलाओं को वित्तीय सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से 'मुख्यमंत्री माझी लाडकी बहिन योजना' शुरू की गई है, क्योंकि लोकसभा चुनाव में सत्तारूढ़ 'महायुति' को झटका लगा है।

'महायुति' में शिवसेना, भाजपा और राकांपा शामिल हैं। कांग्रेस, राकांपा (एसपी) और शिवसेना (यूबीटी) के महा विकास आघाडी (एमवीए) ने इस साल की शुरुआत में हुए लोकसभा चुनाव में महाराष्ट्र की 48 लोकसभा सीट में से 30 पर जीत हासिल करके 'महायुति' गठबंधन को करारी शिकस्त दी थी। भाजपा ने 2019 में 23 सीट जीती थीं, जिनमें से 14 सीट पर उसे हार मिली है। उन्होंने कहा कि अगर यह पैसा 'आशा' (मान्यता प्राप्त सामाजिक स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं) को दिया जाता तो इससे उनका अगले दस साल तक जीवनयापन हो सकता था।

सुले ने कहा, 'महिलाओं ने मुझे बताया कि लाडकी बहिन योजना से ज्यादा वे सोयाबीन और कपास के लिए अच्छा एमएसपी (न्यूनतम समर्थन मूल्य), बेरोजगारों के लिए रोजगार और मुद्रास्फीति पर रोक चाहती हैं। एक आशा कर्मी ने कहा कि उनके लिए घोषित वेतन वृद्धि के लिए जीआर (सरकारी प्रस्ताव) अभी तक जारी नहीं किया गया है।÷ राकांपा (एसपी) की लोकसभा सदस्य ने कहा कि राज्य सरकार समझ नहीं पाई है कि महिलाएं क्या चाहती हैं। सुले ने आरोप लगाया, 'यह एक बेहद स्वार्थी सरकार है। यह भाई-बहन के रिश्ते को पैसे के चश्मे से देखती है।

देश की सबसे ताकतवर महिला सीतारमण, नोटबंदी, जीएसटी जैसे लिए फैसले

नई दिल्ली (एजेंसी)। मोदी सरकार में निर्मला सीतारमण का सियासी सफर उपलब्धियों और चुनौतियों से भरा है। भारत के इतिहास में पूर्णकालिक रूप से वित्त मंत्री पद संभालने वाली पहली महिला हैं। दक्षिण भारत राज्य तमिलनाडु के मदुरै से लेकर लुटियंस दिल्ली तक उनकी धमक सियासी जमात की महिलाओं के लिए प्रेरणा का प्रतीक है।

निर्मला सीतारमण का जन्म 18 अगस्त 1959 को तमिलनाडु के मदुरै में हुआ था। उन्होंने तिरुचिरापल्ली के सीतालक्ष्मी रामास्वामी कॉलेज से अर्थशास्त्र में स्नातक किया। वैश्विक आर्थिक विषयों में गहरी रुचि रखने वाली सीतारमण ने जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय से अर्थशास्त्र में मास्टर डिग्री हासिल की। उनकी शैक्षणिक योग्यता और उनकी उभरती हुई राजनीतिक शख्सियत ने उन्हें वैश्विक मंच पर एक अलग पहचान दिलाई। भारतीय राजनीति में कदम रखने से पहले सीतारमण कॉर्पोरेट क्षेत्र में एक सफल पेशेवर रही है।

बीजेपी के बैनर तले 2006 में सीतारमण के राजनीतिक कैरियर की शुरूआत हुई। हाजिरजवाबी और बेहतर संवाद शैली की वजह से निर्मला सीतारमण पार्टी में तरक्की की सीढ़ियां चढ़ती गई। पार्टी ने उनकी बौद्धिक प्रखरता का सम्मान करते हुए पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी का सदस्य बनाया और प्रवक्ता की जिम्मेदारी सौंपी। विपक्ष में रहते हुए यूपीए सरकार की आर्थिक नाकामियों और नीतिगत खामियों को उजागर किया। 2014 में मोदी सरकार में उन्हें जगह मिली। मोदी सरकार के पहले कार्यकाल में उन्हें वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय का स्वतंत्र प्रभार मंत्री बनाया था। इस दौरान बतौर मंत्री उन्होंने मोदी सरकार की आर्थिक नीतियों का बचाव किया, जिसमें नोटबंदी और जीएसटी समेत तमाम फैसले शामिल थे।

आज की तारीख में सीतारमण सत्ता के केंद्र बिंदु साउथ ब्लॉक में आमद दर्ज कराने वाली देश की सबसे ताकतवर महिला हैं। नेपथ्य और लोकप्रियता से कोसों दूर रहकर सरकार को एजेंडे को अंजाम तक पहुंचाना निर्मला सीतारमण की कार्यशैली का अटूट हिस्सा है। वित्त मंत्री सीतारमण के नाम लगातार सात बजट पेश करने का अनोखा रिकॉर्ड दर्ज है।

अर्धसैनिक समूह के लड़ाकों ने करीब 85 लोगों को मौत के घाट उतारा

खारतूम। सूडान में अर्धसैनिक समूह के लड़ाकों ने एक गांव में तोड़फोड़, लूटपाट के साथ ही आगजनी करते हुए महिलाओं व बच्चों समेत कम से कम 85 लोगों को मौत के घाट उतार दिया है। यह जानकारी प्राधिकारियों और स्थानीय निवासियों ने शनिवार को दी है। सूडान में पिछले 18 महीने से विनाशकारी संघर्ष जारी है, जिसके चलते रक्तपात की यह ताजा घटना सामने आई है। सूडान के विदेश मंत्रालय ने अपने एक बयान में बताया है कि अर्धसैन्य बल 'रैपिड सपोर्ट फोर्सेज (आरएसएफ) ने जुलाई में सेन्नार प्रांत के गलगानी क्षेत्र में हमलों की शुरूआत की थी। इसी कड़ी में पिछले सप्ताह आरएसएफ के लड़ाकों ने एक गांव में रह रहे निहत्थे लोगों पर अंधाधुंध गोलीबारी की है। इस बयान में बताया गया है कि जब ग्रामीणों ने अपहरण और महिलाओं व लड़कियों के साथ बलात्कार जैसी घटनाओं का विरोध किया तो उन पर हमला कर दिया गया। इस घटना और गोलीबारी में करीब 150 से अधिक ग्रामीण घायल हो गए हैं। स्वास्थ्य विभाग से जुड़े एक कर्मी का कहना है कि शुक्रवार तक चिकित्सा केंद्र में 24 महिलाओं और नाबालिगों समेत करीब 80 शव लाए गए। स्थानीय लोगों का कहना था कि उन्होंने एक-दो शव तो सड़क के बीचों-बीच पड़े देखे थे।

रूस के शिवेलुच ज्वालामुखी में विस्फोट

मास्को। रूस के पूर्वी तट के पास रविवार सुबह 7.0 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप की वजह से इलाके में मौजूद शिवेलुच नाम के ज्वालामुखी में विस्फोट हो गया। ज्वालामुखी में विस्फोट के बाद उठा धुएं का गुब्बार समुद्र तट से 8 किमी की ऊंचाई तक दिखाई दिया। यह ज्वालामुखी रूस के तटीय शहर पेट्रोपावलोव्स्क-कामचत्स्की से लगभग 450 किमी दूर है। इस शहर की आबादी 1 लाख 80 हजार है। हालांकि विस्फोट में किसी भी तरह के नुकसान और जान-माल की हानि की खबर नहीं है।

जवानों की फायरिंग में 85 लोगों की मौत

खार्तूम। सूडान के अर्द्धसैनिक बलों के हमले में 85 लोगों की मौत की खबर है। सूडान की पैरामिलिट्री रैपिड सपोर्ट फोर्सेस ने सूडान के एक केंद्रीय गांव पर हमला कर 85 लोगों की हत्या कर दी। सूडान में बीते 18 महीने से चल रहे संघर्ष में यह हिंसा की ताजा घटना है। इससे पहले जुलाई में भी रैपिड सपोर्ट फोर्स ने सेन्नार प्रांत के गलगनी इलाके में भी हमला किया था। सूडान की पैरामिलिट्री फोर्स रैपिड सपोर्ट फोर्स के कुछ जवान गांव पहुंचे थे और उन्होंने यौन शोषण के उद्देश्य से कुछ महिलाओं और लड़कियों का अपहरण करने की कोशिश की। जिसका गांव के लोगों द्वारा विरोध किया गया। विरोध के चलते जवान मौके से भाग गए। हालांकि कुछ देर बाद ही बड़ी संख्या में पैरामिलिट्री के जवान कई वाहनों में सवार होकर गांव पहुंचे और उनके साथ बड़ी संख्या में स्वचालित हथियार भी थे। पैरामिलिट्री के जवानों ने आते ही गांव वालों पर फायरिंग शुरू कर दी। जिसमें महिलाओं, बच्चों समेत 85 लोगों की मौत होने का दावा किया जा रहा है।

ओकलैंड में हुई गोलीबारी में 02 की मौत, 02 घायल

वाशिंगटन। अमेरिका के ओकलैंड में कल शनिवार को सुबह के करीब गोलीबारी की एक घटना को अंजाम दे दिया गया, जिसमें 02 लोगों की मौत हो गई जबकि 02 अन्य लोग बुरी तरह घायल हो गए। घटना की जानकारी दे रही सैन फ्रांसिस्को बे एरिया की पुलिस ने बताया कि यह घटना आवासीय क्षेत्र में हुई है। ओकलैंड पुलिस विभाग के बयान में बताया गया है, कि अधिकारियों को पूर्वी ओकलैंड के एक आवासीय क्षेत्र में जिसे 83वें एवेन्यू के 1600 ब्लॉक के नाम से जाना जाता है में घटना होने की सूचना सुबह करीब नौ बजे प्राप्त हुई थी। इस घटना में 02 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 02 अन्य लोगों को घायल अवस्था में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के मुताबिक अनेक लोगों के बीच चल रही बहस के दौरान ही एक व्यक्ति ने बंदूक निकालकर गोलीबारी कर दी। गोलीबारी की घटना को अंजाम देने वाला व्यक्ति एक वाहन में सवार हो मौके से फरार हो गया। यहां बताते चलें कि करीब 4 लाख आवादी वाला शहर ओकलैंड इन दिनों अपराध और जन सुरक्षा की समस्या से खासा जूझ रहा है।

कोलकाता ट्रेनी डॉक्टर रेप- मर्डर मामले में ढाका में भी हुआ प्रदर्शन

ढाका। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में एक महिला ट्रेनी डॉक्टर के बलात्कार और हत्या के विरोध में ढाका विश्वविद्यालय में 'राजू स्कल्पचर' (ढाका विश्वविद्यालय में एक छात्र की स्मृति में बनाया गया स्मारक) के निकट प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शनकारियों ने तख्तियां भी ले रखी थीं जिन पर लिखा था बलात्कारियों को फांसी दो, क्या मैं अगली हूं?, हिंसा बंद करो। 'ढाका ट्रिब्यून' ने भौतिकी विभाग की छात्रा ने कहा, हम बंगाल में बलात्कार के मामले में मेडिकल कॉलेज प्रशासन के असहयोगपूर्ण रवैये से अवगत हैं। मानव विज्ञान विभाग की छात्रा आन्या फहमीन ने कहा, दुनियाभर में महिलाओं को दुष्कर्म जैसे घिनौने अपराध का सामना करना पड़ता है और हम कोलकाता के आरजी कर अस्पताल मामले में निष्पक्ष जवाबदेही के लिए चल रहे आंदोलन का पूरा समर्थन करते हैं। वित्त विभाग की छात्रा अनिका अरेफिन अनु ने कहा, हमें महिलाओं के लिए एक सुरक्षित देश बनाना होगा। छात्रों ने विद्रोह में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, और हमें अपनी सरकार पर सभी बलात्कार के मामलों में मुकदमा चलाने और महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए दबाव डालना होगा।, छात्रों ने पूरे परिसर में तख्तियां लेकर मार्च किया।

इजरायली के हमले में कमांडर कसाब हुआ ढेर, हिजबुल्लाह ने बरसाए रॉकेट

यरूशलेम। इजरायल अपने दुश्मनों के खिलाफ ताबड़तोड़ हमले कर रहा है। इन इमलों में लेबनान के चरमपंथी संगठन हिजबुल्लाह के अल-हज रदवान फोर्स के एक टॉप कमांडर को ढेर कर दिया। हिजबुल्ला ने कसाब की मौत की पुष्टि की है। हालांकि उसके पद या रैंक के बारे में कोई जानकारी नहीं दी है। इजरायली सेना ने ड्रोन हमले की फुटेज जारी की है और दावा किया कि इसमें हुसैन इब्राहिम कसाब को मार गिराया गया था। रिपोर्ट के मुताबिक, कसाब उस वक्त मोटरसाइकिल से जा रहा था। वह लेबनान के टायर शहर से गुजर रहा था, तभी इजरायल ने ड्रोन अटैक में उसे मार गिराया। इजरायली सेना का कहना है कि 7 अक्टूबर से अब तक हिजबुल्ला के 412 आतंकी मारे जा चुके हैं। कसाब भी उन्हीं मे से एक है। गुस्साए हिजबुल्लाह ने उत्तरी इजरायल पर 55 रॉकेट दागे। यह हमला इजरायली हवाई हमले के जवाब में किया गया। इजरायली हमले में दक्षिणी लेबनान के नबाटिया शहर के पास 10 लोगों की मौत हो गई थी। इजरायली सेना का कहना है कि हिजबुल्ला के कुछ रॉकेट खुले इलाकों में गिरे जबकि अन्य ने कई जगहों पर आग लगा दी। उधर इजरायली सेना ने बताया है कि उसने सेंट्रल गाजा में 40 ठिकानों पर बमबारी की है। ये कार्रवाई हमास के उस दावे के बाद की गई कि उसके लोगों ने दक्षिण गाजा में कुछ इजरायली सैनिकों को मार डाला है और घायल कर दिया है। इजरायली सैन्य प्रवक्ता अविचाय एड्रै ने शनिवार को एक प्रेस बयान में कहा कि इजरायली विमानों ने पिछले कुछ घंटों में गाजा पट्टी में 40 'आतंकवादी ठिकानों' पर हमला किया, जिसमें सैन्य भवन, हथियार डिपो और अन्य शामिल हैं।

कनाडा में नेशनल एक्सहीबिशन सेंटर में अपनी कला का प्रदर्शन करते हुए वाटर स्कीयर्स।

यूके में अलगावादी सिखों ने स्वतंत्रता दिवस पर मनाया काला दिवस

लंदन। ब्रिटेन भारतीय दूतावास के सामने 78वें स्वतंत्रता दिवस को काला दिवस के रूप में मनाते हुए सिखों ने जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। इस विरोध प्रदर्शन में इंग्लैंड के विभिन्न शहरों से बड़ी संख्या में सिख समुदाय के लोग शामिल हुए। 19 मार्च को लंदन में भारतीय दूतावास पर हुए हमले और तिरंगे के अपमान के बाद किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए बड़ी संख्या में यूके पुलिस को भारतीय दूतावास की सुरक्षा के लिए तैनात किया गया था। इसके बावजूद, प्रदर्शनकारियों ने फिर से खालिस्तानी झंडे लहराए और तिरंगे का अपमान किया। विरोध प्रदर्शन के दौरान किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए दूतावास के पास किसी भी व्यक्ति को जाने की अनुमति नहीं दी गई। विरोध प्रदर्शन में वक्ताओं ने कहा कि भारत सरकार अल्पसंख्यकों को दबाने के लिए लगातार अत्याचार कर रही है। उन्होंने कहा कि काले कानूनों के तहत सिख युवाओं को गिरफ्तार कर डिब्रूगढ़ की जेलों में बंद किया गया है। वक्ताओं ने पंजाब की आज़ादी और खालिस्तान की स्थापना तक संघर्ष जारी रखने का संकल्प लिया। वक्ताओं ने कहा कि भारत में न केवल सिख, बल्कि कश्मीरी, मुस्लिम, और दलित समुदाय भी सरकार की हिंदूवादी नीतियों के खिलाफ आवाज उठा रहे हैं। मोदी सरकार उन पर लगातार अत्याचार कर रही है। उन्होंने कहा कि भारत सरकार की अल्पसंख्यक विरोधी नीतियों को अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर उजागर किया जाएगा। वक्ताओं ने अंतर्राष्ट्रीय समुदाय से अपील की कि मानवाधिकारों का हनन करने वाले देश भारत का बहिष्कार किया जाए और उसे आर्थिक रूप से कमजोर किया जाए। भारतीय दूतावास के सामने बड़ी संख्या में खालिस्तानी झंडे लहराए गए। इस विरोध प्रदर्शन में सिख फेडरेशन यूके के वरिष्ठ नेता भाई कुलवंत सिंह मुथड़ा, भाई बलविंदर सिंह ढिल्लों, एफएसओ के कोऑर्डिनेटर भाई जोगा सिंह, लवसिंदर सिंह डल्लेवाल, अमरीक सिंह सहोता, भाई रघबीर सिंह, भाई मनप्रीत सिंह, भाई गुरप्रीत सिंह, भाई परमजीत सिंह पम्मा, भाई रणधीर सिंह, जसबीर सिंह घुम्मन, केहर सिंह बर्मिंघम और शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सरबजीत सिंह सहित कई सिख नेता शामिल थे।

अंतरिक्ष में फंसी सुनीता विलियम्स को देखने में हो रही दिक्कत

- नासा ने दिया अपडेट, वापस आने में अभी और लग सकता है समय

वाशिंगटन(एजेंसी)। सुनीता विलियम्स को बोइंग स्टारलाइनर स्पेस स्टेशन में एक साथी बुच विल्मोर के साथ सिर्फ आठ दिन के लिए भेजा था लेकिन दो महीने हो चुके हैं और सुनीता अब तक लौट कर नहीं आ पाई हैं। कयासों और कोशिशों के बीच नासा ने पिछले दिनों कहा था कि अभी उनके लौटने में वक्त लगेगा। इस बीच अब एक बुरी खबर मिली है कि सुनीता विलियम्स की आंखों में दिक्कत आ रही है और उन्हें देखने में समस्या हो रही है।

सुनीता विलियम्स अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर हैं। वहां अब वह स्वास्थ्य संबंधी समस्या का सामना कर रही हैं। बोइंग के स्टारलाइनर पर सुनीता और विल्मोर की वापसी में दिक्कतें आ गई जिसके बाद वापसी टलती जा रही है। यूं तो बोइंग अंतरिक्ष यात्रियों को वापस लाने के लिए स्पेसएक्स के क्रू ड्रैगन जैसे ऑप्शन्स पर विचार कर रहा है लेकिन अपडेट यह है कि सुनीता विलियम्स को अब आंखों से जुड़ी समस्या हो रही हैं।

दरअसल यह कंडिशन जैसा कि कहा जाता है कि आमतौर पर माइक्रोग्रैविटी के संपर्क में लंबे समय तक रहने के कारण आती है। इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता कि स्पेश मिशन में अंतरिक्ष यात्रियों को रेडिएशन से जुड़े जोखिम तो उठाने ही होते हैं. उनके शरीर पर शून्य गुरुत्वाकर्षण का असर भी होता है साथ ही अकेलेपन से मानसिक स्वास्थ्य भी बिगड़ता है। सुनीता और विल्मोर ने जून 2023 में आईएसएस की

यात्रा शुरू की थी। उसके बाद से वह वहीं फंस गए हैं।

डिबेट में हैरिस को हराने हिंदू-अमेरिकी नेता गबार्ड की शरण में ट्रंप

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस और पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच राष्ट्रपति चुनाव को लेकर बहस होने वाली है। ट्रंप ने इसकी तैयारी शुरू कर दी है। उन्होंने डिबेट भाषण में मदद के लिए एक हिंदू महिला नेता को चुना है। ट्रंप ने पूर्व डेमोक्रेटिक कांग्रेस और हिंदू-अमेरिकी नेता तुलसी गबार्ड से मदद मांग रहे है। ट्रंप और भारतीय मूल की नेता कमला हैरिस 10 सितंबर को टीवी डिबेट में आमने-सामने होंगी। तुलसी ने 2020 के राष्ट्रपति पद की दौड़ के बाद डेमोक्रेटिक पार्टी छोड़ दी और खुद को ट्रंप के समर्थकों के बीच एक सेलिब्रिटी के रूप में फिर से स्थापित किया। लंबे समय से ट्रंप के साथ उनकी दोस्ती रही है। कुछ समय के लिए उनके अफेयर की भी अटकलें थीं। तुलसी ने एक यादगार डिबेट में हैरिस को परास्त कर दिया था। रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप की प्रवक्ता कैरोलिन लेविट ने ईमेल में तुलसी गबार्ड की भागीदारी की पुष्टि की है। लेविट ने कहा कि पूर्व राष्ट्रपति राजनीतिक इतिहास में सबसे अच्छे बहस करने वालों में से एक साबित हुए हैं। जो बाइडेन को उन्होंने पहले ही राउंड में हरा दिया। उन्हें पारंपरिक बहस की तैयारी की आवश्यकता नहीं है, लेकिन वे तुलसी गबार्ड जैसे सम्मानित नीति सलाहकारों और प्रभावी संचारकों से मिलना जारी रखने वाले है। ट्रंप कहते हैं कि उन्हें बहस के लिए तैयारी करने की आवश्यकता नहीं है। पूर्व राष्ट्रपति ने इस साल बहस के लिए अभ्यास करने में 2016 या 2020 की तुलना में अधिक समय बिताया है। वह अभी भी पारंपरिक बहस की तैयारी नहीं करते हैं। 27 जून को हुई बहस से पहले किसी ने भी उनकी भूमिका नहीं निभाई। जून में बाइडेन के साथ हुई बहस से पहले ट्रंप ने सलाहकारों के साथ समय के लिए या अनौपचारिक रूप से विमान यात्राओं पर बैठकर संभावित विषयों और प्रश्नों पर चर्चा की। तुलसी ने आरोप लगाए थे कि हैरिस जब सैन फ्रांसिस्को में एक जिला अटॉर्नी थीं तब मारिजुआना उल्लंघन के लिए 1,500 से अधिक लोगों को जेल में डाल दिया और फिर जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्होंने कभी मारिजुआना का धूम्रपान किया है, तब वे इस पर हंस पड़ीं।

ट्रंप ने खुद को कमला हैरिस से बताया ज्यादा सुंदर, निजी हमले भी किए

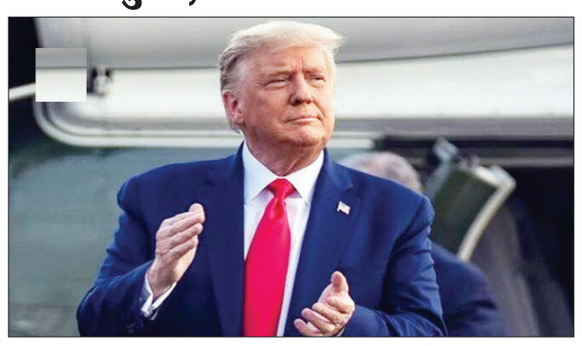

वाशिंगटन (एजेंसी)। राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप ने उप राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार कमला हैरिस पर व्यक्तिगत हमला बोला है। उन्होंने पेंसिल्वेनिया में एक रैली में उनकी शारीरिक बनावट और बुद्धिमत्ता की निंदा की है। उन्होंने अपने समर्थकों से कहा, मैं उनसे कहीं ज्यादा सुंदर हूं। ट्रंप ने कमला हैरिस स्पेशल टाइम मैगजीन की कवर फोटो का जिक्र करते हुए दावा किया कि पत्रिका को एक स्केच कलाकार को काम पर रखना पड़ा क्योंकि उनकी तस्वीरें काम नहीं आईं। उन्होंने उनकी बुद्धिमत्ता पर भी सवाल उठाया और उन्हें कट्टरपंथी उदारवादी करार दिया।

दरअसल ट्रंप की पार्टी के सदस्यों ने उनसे हैरिस पर व्यक्तिगत हमले नहीं करने का अनुरोध किया है और ट्रंप उन्हीं से जुड़े सवालों का जवाब दे रहे थे।

ट्रंप ने कहा, ''जहां तक हैरिस पर व्यक्तिगत हमलों की बात है तो उन्होंने देश के साथ जो किया है मैं उससे बहुत नाराज हूं। मैं उनसे इस बात पर नाराज हूं कि उन्होंने मेरे और अन्य के खिलाफ न्याय प्रणाली को हथियार के तौर पर इस्तेमाल किया। मैं बेहद नाराज हूं और मुझे लगता है कि मैं व्यक्तिगत हमले कर सकता हूं।'' ट्रंप ने कहा, ''उन्होंने (हैरिस ने) मुझे अजीब कहा। उन्होंने जे डी (वैंस, ट्रंप के साथ उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार) और मुझे अजीब कहा। वह (वैंस) अजीब नहीं हैं। वह येल में एक बेहतरीन छात्र थे, वह ओहायो स्टेट गए उन्होंने कक्षा में सर्वाधिक अंकों से स्नातक की परीक्षा उत्तीर्ण की। इससे पहले डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि वह उपराष्ट्रपति कमला हैरिस से बेहद नाराज हैं और इस पद के चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवार एवं अपनी प्रतिद्वंद्वी पर व्यक्तिगत हमले कर सकते हैं। पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप ने न्यू जर्सी के बेडमिंस्टर में अपने गोल्फ क्लब में संवाददाताओं से बातचीत में यह बात कही थी। उन्होंने कहा था, ''मेरे मन में उनके लिए कोई खास सम्मान नहीं है। उनकी बुद्धिमत्ता के लिए भी मेरे मन में कोई खास सम्मान नहीं है। मेरा मानना है कि वह बहुत खराब राष्ट्रपति साबित होंगी। व्यक्तिगत हमले अच्छे होते हैं या बुरे... इस बारे में मेरा कहना है कि वह भी मेरे ऊपर व्यक्तिगत हमले करती हैं।

एक माह बाद बांग्लादेश में खुले शैक्षिक संस्थान

-बच्चे यूनिफार्म में आए नजर, शहरों की सड़कों पर दिखे वाहन

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश में करीब एक माह बाद विश्वविद्यालयों, माध्यमिक स्कूलों और कॉलेजों समेत अन्य सभी शिक्षण संस्थानों को रविवार के दिन खोल दिया गया। छात्रों के विरोध प्रदर्शन और सरकार के तख्ता पलट के कारण इन शिक्षण संस्थानों को बंद कर दिया गया था। एक माह से ज्यादा समय से बंद शिक्षण संस्थानों के खुलने से विद्यार्थी एक बार फिर इस तरफ रुख कर रहे हैं। गौरतलब है कि छात्रों के विरोध प्रदर्शनों और हिंसक झड़पों के चलते प्रधानमंत्री शेख हसीना को न सिर्फ अपने पद से इस्तीफा देना पड़ा था बल्कि जान बचाकर पड़ोसी देश भारत में शरण भी लेना पड़ी। यह छात्र आंदोलन नौकरियों में आरक्षण से संबंधित प्रणाली में सुधार की मांग को लेकर किया गया था। आंदोलन के दौरान हिंसा भड़कने पर छात्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बांग्लादेश में 17 जुलाई को शिक्षण संस्थान अनिश्चितकाल के लिए बंद करने की घोषणा कर दी गई थी। अब हालात सामान्य होते देख दोबारा शिक्षण संस्थान खोले गए हैं। इससे पहले शिक्षा मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को अपने अधीनस्थ सभी सभी संस्थानों को खोलने के निर्देश जारी किए थे। इस आदेश के साथ ही रविवार को सभी शिक्षण संस्थानों को खोलने की प्रक्रिया पूर्ण कर ली गई।

हसीना को सत्ता से हटाया... अब राजनैतिक पार्टी बनने में जुटे छात्र नेता

-दोनों प्रमुख पार्टियों के लिए खतरे की घंटी

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश में 15 सालों से चल रही शेख हसीना सरकार को हटाने वाले छात्र आंदोलन के नेता अपनी राजनीतिक पार्टी गठित करने वाले हैं। छात्र प्रदर्शनकारियों ने बांग्लादेश की दो प्रमुख पार्टियों की जल्द चुनाव कराने की अपील को ठुकरा दिया है। हसीना के खिलाफ छात्र आंदोलन में प्रमुख भूमिका निभाने वाले चार प्रदर्शनकारी नेताओं ने एक इंटरव्यू में बताया है। छात्र आंदोलन के नेताओं का लक्ष्य पिछले 15 वर्षों की स्थिति को दोबारा आने से रोकना है, जिसमें हसीना ने देश के 17 करोड़ लोगों पर कठोरता से शासन किया था। छात्र आंदोलन के नेता सुधारों को लागू करने के लिए अपनी नई पार्टी बनाने पर विचार कर रहे हैं।

जून के आखिर में सरकारी नौकरियों में विवादित कोटा के खिलाफ

छात्रों ने आंदोलन शुरू किया था। इसमें अधिकांश की उम्र मुश्किल से 20-30 साल के बीच थी। कुछ ही हफ्तों में आंदोलन इतना बड़ा हो गया कि 15 सालों से देश की प्रधानमंत्री शेख हसीना को इस्तीफा देकर भागना पड़ा। आंदोलन को जेन जी या जूमर्स क्रांति कहा गया। यह उस पीढ़ी के लिए कहा जाता है जिनका जन्म 1997 से 2012 के बीच हुआ है। शेख हसीना के इस्तीफा देकर जाने के बाद मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व में एक अंतरिम सरकार का गठन किया गया है, जो देश को चला रही है।

आंदोलन के प्रमुख लोगों में शामिल महफूज आलम ने कहा कि छात्र नेता देश में दो पार्टी की व्यवस्था को समाप्त करने के लिए एक राजनीतिक पार्टी बनाने पर चर्चा कर रहे है। लॉ के छात्र 26 वर्षीय आलम ने बताया कि करीब एक महीने में इस पर फैसला लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि फैसला लेने से पहले नेता आम मतदाताओं से व्यापक रूप से परामर्श करना चाहते हैं।

उन्होंने कहा, लोग वास्तव में दोनों राजनीतिक दलों से थक चुके हैं। उन्हें हम पर भरोसा है। हसीना के खिलाफ आंदोलन में समन्वयक की भूमिका निभाने वाले तहमीद चौधरी ने कहा कि बहुत अधिक संभावना है कि वे एक राजनीतिक पार्टी बनाएंगे। उन्होंने कहा कि नई पार्टी धर्मनिरपेक्षता और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर आधारित होगी। हालांकि, वे अभी इस पर काम कर रहे हैं। यूनुस की कैबिनेट में शामिल एक प्रमुख छात्र आंदोलन नेता 26 वर्षीय नाहिद इस्लाम ने कहा, आंदोलन की भावना एक नया बांग्लादेश बनाने की थी, जहां कोई फासीवादी या तानाशाह वापस न आ सके। यह सुनिश्चित करने के लिए हमें संरचनात्मक सुधारों की आवश्यकता है, जिसमें निश्चत रूप से कुछ समय लगेगा।

रूस की सिक्योरिटी एजेंसी को आशंका डर्टी बम का होगा इस्तेमाल

-यूक्रेन के निशाने पर रूस के न्यूक्लियर पावर प्लांट

मास्को (एजेंसी)। रूस को डर है कि यूक्रेन उसके कुर्स्क और जेपोरोझी न्यूक्लियर पावर प्लांट पर हमला कर सकता है। रूस की सिक्योरिटी एजेंसी को आशंका है कि यूक्रेन ऐसे हथियारों का इस्तेमाल करेगा, जिसका वॉरहेड रेडियोएक्टिव हो सकता है। अगर ऐसे हथियार का इस्तेमाल न्यूक्लियर पावर प्लांट्स पर किया गया तो भयानक तबाही मचेगी। रूस के डिफेंस अधिकारियों ने कहा कि यूक्रेन के देनप्रोपेट्रोवस्क इलाके के झोल्तिए वोदी में ये हथियार पहुंच गए हैं। यह जानकारी रूसी सिक्योरिटी अधिकारियों ने स्पुतनिक मीडिया संस्थान को बताया। खारकोव इलाके में मिलिट्री-सिविल एडमिनिस्ट्रेशन ने बताया कि यूक्रेन रूसी न्यूक्लियर फैसिलिटी को उड़ा सकता है।

उधर, यूक्रेन का दावा है कि रूसी खुद सेल्फ फायरिंग करेंगे और मामले को बढ़ावा देंगे। रूस ने यह दावा किया है कि उसे यह जानकारी पकड़े गए यूक्रेनी युद्धबंदियों से मिली है। यूक्रेन द्वारा न्यूक्लियर पावर प्लांट पर हमले की प्लानिंग पश्चिमी देशों की है। इसमें ब्रिटेन मुख्यत- शामिल है। प्रो-रूसी लीडर सर्गेई लेबेदेव ने कहा कि सुमी और जेपोरोझी इलाके में कई पश्चिमी देशों के मीडिया पर्सनल पहुंच चुके हैं। ताकि हमले को लाइव कवर कर सकें।

डर्टी बम के इस्तेमाल की आशंका

आशंका जताई जा रही है कि यूक्रेन अब डर्टी बम का इस्तेमाल करेगा। इन डर्टी बमों का इस्तेमाल कुर्स्क और जेपोरोझी न्यूक्लियर पावर प्लांट पर ही किया जाएगा। डर्टी बम का मतलब होता है ऐसा हथियार जिसमें रेडियोएक्टिव पदार्थ मौजूद हों लेकिन वो पूरी तरह से न्यूक्लियर बम नहीं होता। यानी परमाणु बम। इस बात की जानकारी रूसी की इंटेलिजेंस एजेंसी ने भी दी है कि नाटो और यूक्रेन मिलकर डर्टी बम का इस्तेमाल करना चाहते हैं। हालांकि इसे लेकर अभी तक कोई पुष्टि नहीं हुई है, कि इस तरह के हथियार का इस्तेमाल होगा या नहीं। ये खबरें सिर्फ चल रही हैं। लेकिन इसकी वजह से यूक्रेन, रूस और यूरोप में डर का माहौल बना हुआ है।

रूस की परमाणु मिसाइलें तैयार

दूसरी तरफ रूस ने इन खबरों के बीच अपनी न्यूक्लियर मिसाइल फोर्स को एक्टिवेट कर लिया है। जमीन, हवा और पानी से हमला करने वाली परमाणु मिसाइलें किसी भी तरह के हमले का जवाब देने के लिए तैयार कर ली गई है। रूस की ये तैयारी है कि अगर पश्चिमी देशों ने, नाटो ने हमला किया तो वो कई बड़े शहरों को अपनी मिसाइलों को निशाना बना सकता है। इसमें इंग्लैंड के शहर, अमेरिकी शहर भी शामिल हैं। एक बात तो क्लियर है कि अगर रूस की न्यूक्लियर सबमरीन ने अपनी 4500 किलोमीटर रेंज वाली परमाणु मिसाइल कैलिबर-एम को फ्लोरिडा के तट के पास से दाग दिया तो वॉशिंगटन

डीसी और न्यूयॉर्क को कोई बचा नहीं पाएगा। अमेरिका का एयर डिफेंस सिस्टम भी कैलिबर मिसाइल को बर्बाद नहीं कर पाएगा। न ही नाटो का कोई सिस्टम इन मिसाइलों को हवा में रोक पाएगा न ही ध्वस्त कर पाएगा।

रक्षाबंधन भाई और बहन के प्यार का प्रतीक

रक्षा बंधन का त्योहार हर साल श्रावण पूर्णिमा को मनाया जाता है। रक्षा बंधन का त्योहार भाई बहन के प्यार का प्रतिक है, जिसे राखी का त्योहार भी कहा जाता है। रक्षा बंधन पर बहन भाई की कलाई पर राखी बंधती और उसके सुखी जीवन की प्राथना करती है। इसके साथ ही बहन बहन से अपनी सुरक्षा का वचन लेती है। रक्षा बंधन हिन्दुओं को प्रमुख त्योहार है, जिसे पूरे भारत समेत अन्य देशों में भी मनाया जाता है। रक्षा बंधन का त्योहार भाई और बहन के बीच के बंधन को मजबूत करने वाला पर्व है। रक्षा बंधन का अर्थ है रक्षा का बंधन, यह का पर्व हर साल श्रवण मास पूर्णिमा को मनाया जाता है। इस दिन बहन अपने भाई की रक्षा के लिए उसकी कलाई पर राखी नामक पवित्र धागा बांधती है। श्रावण मास की पूर्णिमा पर मनाया जाने वाला रक्षा बंधन भारत का सबसे लोकप्रिय त्योहार है। राखी के त्योहार को लेकर कई प्राचीन कहानियां प्रचलित में हैं। अगर हम इतिहास में देखें तो भाई और बहन के बीच प्यार का प्रतिक रक्षा बंधन युद्ध में जीत का भी प्रतिक है।

रक्षाबंधन राखी पर यदि कर लिए ये 8 अचूक उपाय

19 अगस्त 2024 को रक्षा बंधन का त्योहार मनाया जाएगा। राखी के इस पर्व पर श्रावण मास की पूर्णिमा होती है। यदि आप आर्थिक संकट से परेशान हैं, कर्ज से मुक्ति चाहते हैं और दरिद्रता आपको सता रही है तो इस बार रक्षाबंधन पर आजमाएं हमारे बताए गए 8 अचूक उपाय।

1. रक्षा बंधन का त्योहार पूर्णिमा के दिन मनाया जाता है पूर्णिमा के देवता चंद्रमा है। इस तिथि में चंद्रदेव की पूजा करने से मनुष्य का सभी जगह आधिपत्य हो जाता है। यह सौम्या तिथि हैं।

2. रक्षाबंधन पर 5 शुभ योग का संयोग आ रहा है, जो बहुत दुर्लभ योग है। इन योगों के नाम हैं- सर्वार्थ सिद्धियोग, रवियोग, सौभाग्ययोग, शोभनयोग और श्रावण नक्षत्र के संयोग सहित ये 5 योग हैं। अतः इस दिन व्रत रख कर रक्षा बंधन मनाने का कई गुना लाभ है।

3. रक्षा बंधन पर हनुमानजी को राखी बांधने से वे भाई-बहनों के बीच के क्रोध को शांत करके उनमें आपसी प्रेम को बढ़ा देते हैं।

4. आपको यदि ये लगता है कि मेरे भाई को किसी की नजर लग गई है तो आप इस दिन फिटकरी को अपने भाई के उपर से 7 बार वार कर उसे किसी चौराहे पर फेंक आएं या चूल्हे की आग में जला दें। इससे नजर दोष दूर हो जाएगा

5. यह भी कहा जाता है कि इस दिन गणेशजी की पूजा करने से भाई-बहन के रिश ते में प यार बढ़ जाता है।

6. इस दिन बहन को हर तरह से खुश रखने और उसे उसका मनपसंद उपहार देने से भाई के जीवन में भी गई खुशियां लौट आती हैं।

7. दरिद्रता दूर करने के लिए अपनी बहन के हाथ से गुलाबी कपड़े में अक्षत, सुपारी और एक रुपए का सिक्का ले लें। इसके बाद अपनी बहन को वस्त्र और मिठाई उपहार और रुपए दें और चरण छूकर उसका आशीर्वाद लें। दिए गए गुलाबी कपड़े में लिया गया सामान बांधकर उचित स्थान पर रखने इसे घर की दरिद्रता दूर हो जाएगी।

8. एक दिन एकाशना करने के उपरांत रक्षाबंधन वाले दिन शास्त्रीय विधि-विधान से राखी बांधते हैं। फिर साथ ही वे पितृ-तर्पण और ऋषि-पूजन या ऋषि तर्पण भी किया जाता है। ऐसा करने से पितरों का आशीर्वाद और सहयोग मिलता है जिससे जीवन के हर संकट समाप्त हो जाते हैं।

राखी और आधुनिक तकनीकी माध्यम

आज के आधुनिक तकनीकी युग एवं सूचना सम्प्रेषण युग का प्रभाव राखी जैसे त्योहार पर भी पड़ा है। बहुत सारे भारतीय आजकल विदेश में रहते हैं एवं उनके परिवार वाले (भाई एवं बहन) अभी भी भारत या अन्य देशों में हैं। इण्टरनेट के आने के बाद कई सारी ई-कॉमर्स साइट खुल गयी हैं जो ऑनलाइन आर्डर लेकर राखी दिये गये पते पर पहुँचाती है। इसके अतिरिक्त भारत में राखी के अवसर पर इस पर्व से सम्बन्धित एक एनीमेटेड सीडी भी आ गयी है जिसमें एक बहन द्वारा भाई को टीका करने व राखी बाँधने का चलचित्र है। यह सीडी राखी के अवसर पर अनेक बहनें दूर देश में रहने वाले अपने भाइयों को भेज सकती हैं।

रक्षा बंधन पर भद्रा काल और पंचक से डरने की जरूरत नहीं, बांधें इस शुभ मुहूर्त में राखी

सावन माह की पूर्णिमा यानी 19 अगस्त 2024 सोमवार के दिन रक्षाबंधन का त्योहार मनाया जा रहा है। इस दिन भद्रा का साया रहेगा और इसी के साथ ही पंचक भी प्रारंभ होगा। बीच में अशुभ मुहूर्त भी रहेगा। कई लोग असमंजस में हैं कि फिर राखी कब बांधें। उनके लिए यहां प्रस्तुत है शास्त्र सम्मत शुभ मुहूर्त।

भद्रा का वास: 19 अगस्त 2024 को भद्रा का वास पाताल लोक में रहेगा। अधिकतर ज्योतिष मान्यता के अनुसार यदि भद्रा पृथ वीलोक की हो तो ही इसके नियम मान्य होते हैं। भद्राकाल प्रातः 05:53 से दोपहर 01:30 तक रहेगा। इसलिए इसके बाद शुभ मुहूर्त में राखी बांध सकते हैं।

पंचक काल : 19 अगस्त 2024 को शाम 7 बजे से पांच दिनों के लिए अशुभ पंचक काल प्रारंभ होगा। हालांकि सोमवार को पड़ने वाला पंचक राज पंचक कहलाता है। राज पंचक को शुभ फलदायी माना जाता है इसलिए इस काल में राखी बांधने में कोई दोष नहीं लगेगा। यह पंचक शुभ माना जाता है और मान्यता अनुसार इसके प्रभाव से पांच दिनों में कार्यों में सफलता मिलती है खासकर सरकारी कार्यों में सफलता के योग बनते हैं साथ ही संपत्ति से जुड़े काम करना भी शुभ होता है।

नक्षत्र : इस दिन धनिष्ठा नक्षत्र रहेगा। धनिष्ठा नक्षत्र में शुरु होने वाले पंचक में अग्नि का भय रहता है। इसलिए सावधानी रहें। राखी बांधने में कोई दोष नहीं है।

शुभ मुहूर्त का समय : 19 अगस्त को रक्षाबंधन का मुहूर्त दोपहर में 03:40 बजे से रात 9:08 बजे तक रहेगा। इस बीच शुभ मुहूर्त या चौघड़ियां में राखी बांध सकते हैं।

रक्षाबंधन पर राखी बांधने का शुभ मुहूर्त-

अभिजीत मुहूर्त : सुबह 11:58 से दोपहर 12:51 तक।

विजय मुहूर्त : दोपहर 02:35 से दोपहर 03:27 तक।

गोधूलि मुहूर्त : शाम 06:56 से 07:18 तक।

रक्षा बंधन प्रदोष मुहूर्त : शाम 06:56:06 से रात्रि 09:07:31 तक।

सर्वश्रेष्ठ मुहूर्त : मध्याह्न 3:30 से 6:45 मिनट तक।

क्या होती है भद्रा?

रक्षाबंधन के पर्व पर भद्राकाल का विशेष ध्यान रखा जाता है। भद्रा में राखी न बंधवाने के पीछे एक पौराणिक मान्यता प्रचलित है। मान्यता के अनुसार लंकापति राजा रावण ने अपनी बहन से भद्रा के समय ही राखी बंधवाई थी। भद्राकाल में राखी बांधने के कारण ही रावण का सर्वनाश हुआ था। इसी मान्यता के आधार पर जब भी भद्राकाल होता है तो उस समय बहनों को अपने भाइयों की कलाई पर राखी नहीं बांधती हैं। इसके अलावा भद्राकाल में भगवान शिव तांडव नृत्य करते हैं इस कारण से भी भद्रा में शुभ कार्य नहीं किया जाता है।

पौराणिक प्रसंग

राखी का त्योहार कब शुरू हुआ यह कोई नहीं जानता। लेकिन भविष्य पुराण में वर्णन मिलता है कि देव और दानवों में जब युद्ध शुरू हुआ तब दानव हावी होते नज़र आने लगे। भगवान इन्द्र घबरा कर बृहस्पति के पास गये। वहां बैठी इन्द्र की पत्नी इंद्राणी सब सुन रही थी। उन्होंने रेशम का धागा मन्त्रों की शक्ति से पवित्र करके अपने पति के हाथ पर बाँध दिया। संयोग से वह श्रावण पूर्णिमा का दिन था। लोगों का विश्वास है कि इन्द्र इस लड़ाई में इसी धागे की मन्त्र शक्ति से ही विजयी हुए थे। उसी दिन से श्रावण पूर्णिमा के दिन यह धागा बाँधने की प्रथा चली आ रही है। यह धागा धन, शक्ति, हर्ष और विजय देने में पूरी तरह समर्थ माना जाता है। इतिहास मे कृष्ण और द्रौपदी की कहानी प्रसिद्ध है, जिसमे युद्ध के दौरान श्री कृष्ण की उंगली घायल हो गई थी, श्री कृष्ण की घायल उंगली को द्रौपदी ने अपनी साड़ी मे से एक टुकड़ा बाँध दिया था, और इस उपकार के बदले श्री कृष्ण ने द्रौपदी को किसी भी संकट मे द्रौपदी की सहायता करने का वचन दिया था। स्कन्ध पुराण, पद्मपुराण और श्रीमद्भागवत में वामनावतार नामक कथा में रक्षाबन्धन का प्रसंग मिलता है। कथा कुछ इस प्रकार है, दानवेन्द्र राजा बलि ने जब 100 यज्ञ पूर्ण कर स्वर्ग का राज्य छीनने का प्रयत्न किया तो इन्द्र आदि देवताओं ने भगवान विष्णु से प्रार्थना की। तब भगवान वामन अवतार लेकर ब्राह्मण का वेष धारण कर राजा बलि से भिक्षा माँगने पहुँचे। गुरु के मना करने पर भी बलि ने तीन पग भूमि दान कर दी। भगवान ने तीन पग में सारा आकाश पाताल और धरती नापकर राजा बलि को रसातल में भेज दिया। इस प्रकार भगवान विष्णु द्वारा बलि राजा के अभिमान को चकनाचूर कर देने के कारण यह त्योहार बलेव नाम से भी प्रसिद्ध है कहते हैं एक बार बलि रसातल में चला गया तब बलि ने अपनी भक्ति के बल से भगवान को रात-दिन अपने सामने रहने का वचन ले लिया। भगवान के घर न लौटने से परेशान लक्ष्मी जी को नारद जी ने एक उपाय बताया। उस उपाय का पालन करते हुए लक्ष्मी जी ने राजा बलि के पास जाकर उसे रक्षाबन्धन बांधकर अपना भाई बनाया और अपने पति भगवान विष्णु को अपने साथ ले आयीं। उस दिन श्रावण मास की पूर्णिमा तिथि थी। विष्णु पुराण के एक प्रसंग में कहा गया है कि श्रावण की पूर्णिमा के दिन भगवान विष्णु ने हयग्रीव के रूप में अवतार लेकर वेदों को ब्रह्मा के लिये फिर से प्राप्त किया था। भगवान हयग्रीव को विद्या और बुद्धि का प्रतीक माना जाता है।

रक्षाबन्धन पर्व सामाजिक और पारिवारिक एकबद्धता या एकसूत्रता का सांस्कृतिक उपाय

रक्षाबन्धन पर्व सामाजिक और पारिवारिक एकबद्धता या एकसूत्रता का सांस्कृतिक उपाय रहा है। विवाह के बाद बहन पराये घर में चली जाती है। इस बहाने प्रतिवर्ष अपने सगे ही नहीं अपितु दूरदराज के रिश्तों के भाइयों तक को उनके घर जाकर राखी बाँधती है और इस प्रकार अपने रिश्तों का नवीनीकरण करती रहती है। दो परिवारों का और कुलों का पारस्परिक योग (मिलन) होता है। समाज के विभिन्न वर्गों के बीच भी एकसूत्रता के रूप में इस पर्व का उपयोग किया जाता है। इस प्रकार जो कड़ी टूट गयी है उसे फिर से जागृत किया जा सकता है।

ऐतिहासिक प्रसंग

राजपूत जब लड़ाई पर जाते थे तब महिलाएँ उनको माथे पर कुमकुम तिलक लगाने के साथ साथ हाथ में रेशमी धागा भी बाँधती थी। इस विश्वास के साथ कि यह धागा उन्हे विजयश्री के साथ वापस ले आयेगा। राखी के साथ एक और प्रसिद्ध कहानी जुड़ी हुई है। कहते हैं, मेवाड़ की रानी कर्मावती को बहादुरशाह द्वारा मेवाड़ पर हमला करने की पूर्व सूचना मिली। रानी लड़ने में असमर्थ थी अत उसने मुगल बादशाह हुमायूँ को राखी भेज कर रक्षा की याचना की। हुमायूँ ने मुसलमान होते हुए भी राखी की लाज रखी और मेवाड़ पहुँच कर बहादुरशाह के विरूद्ध मेवाड़ की ओर से लड़ते हुए कर्मावती व उसके राज्य की रक्षा की। एक अन्य प्रसंगानुसार सिकन्दर की पत्नी ने अपने पति के हिन्दू शत्रु पुरूवास को राखी बाँधकर अपना मुँहबोला भाई बनाया और युद्ध के समय सिकन्दर को न मारने का वचन लिया। पुरूवास ने युद्ध के दौरान हाथ में बँधी राखी और अपनी बहन को दिये हुए वचन का सम्मान करते हुए सिकन्दर को जीवन-दान दिया। महाभारत में भी इस बात का उल्लेख है कि जब ज्येष्ठ पाण्डव युधिष्ठिर ने भगवान कृष्ण से पूछा कि मैं सभी संकटों को कैसे पार कर सकता हूँ तब भगवान कृष्ण ने उनकी तथा उनकी सेना की रक्षा के लिये राखी का त्योहार मनाने की सलाह दी थी। उनका कहना था कि राखी के इस रेशमी धागे में वह शक्ति है जिससे आप हर आपत्ति से मुक्ति पा सकते हैं। इस समय द्रौपदी द्वारा कृष्ण को तथा कुन्ती द्वारा अभिमन्यु को राखी बाँधने के कई उल्लेख मिलते हैं। महाभारत में ही रक्षाबन्धन से सम्बन्धित कृष्ण और द्रौपदी का एक और वृत्तान्त भी मिलता है। जब कृष्ण ने सुदर्शन चक्र से शिशुपाल का वध किया तब उनकी तर्जनी में चोट आ गई। द्रौपदी ने उस समय अपनी साड़ी फाड़कर उनकी उँगली पर पट्टी बाँध दी। यह श्रावण मास की पूर्णिमा का दिन था। कृष्ण ने इस उपकार का बदला बाद में चीरहरण के समय उनकी साड़ी को बढ़ाकर चुकाया। कहते हैं परस्पर एक दूसरे की रक्षा और सहयोग की भावना रक्षाबन्धन के पर्व में यहीं से प्रारम्भ हुई।

भारत छोड़ो आंदोलन, 1942 से गद्दारी की कहानी : आरएसएस और सावरकर की जबानी (आलेख : शम्सुल इस्लाम)

संस्कार उजाला

कांग्रेस का आह्वान इस 8 अगस्त 2024 को भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के एक अहम मील के पत्थर, महान आंदोलन 'अंग्रेजों, भारत छोड़ो', जिसे ह्यअगस्त क्रांतिह्न भी कहा जाता है, के 82 साल पूरे हो गये। 8 अगस्त 1942 को अखिल भारतीय कांग्रेस समिति ने बम्बई में अपनी बैठक में एक क्रांतिकारी प्रस्ताव पारित किया था, जिसमें अंग्रेज शासकों से तुरंत भारत छोड़ने की मांग की गयी थी। अंग्रेज शासन से लोहा लेने के लिए स्वयं गांधीजी ने ह्यकरो या मरोह्न ब्रह्मवाक्य सुझाया और सरकार एवं सत्ता से पूर्ण असहयोग करने का आह्वान किया। कांग्रेस का यह मानना था कि अंग्रेज सरकार को भारत की जनता को विश्वास में लिये बिना किसी भी जंग में भारत को झोंकने का नैतिक और कानूनी अधिकार नहीं है। अंग्रेजों से भारत तुरंत छोड़ने का यह प्रस्ताव कांग्रेस द्वारा एक ऐसे नाजुक समय में लाया गया था, जब दूसरे विश्व युद्ध के चलते जापानी सेनाएं भारत के पूर्वी तट तक पहुंच चुकी थी और कांग्रेस ने अंग्रेज शासकों द्वारा सुझायी गई ह्यक्रिप्स योजनाह्न को खारिज कर दिया था। ह्यअंग्रेजों, भारत छोड़ोह्न प्रस्ताव के साथ-साथ कांग्रेस ने गांधी जी को इस आंदोलन का सर्वेसर्वा नियुक्त किया और देश के आम लोगों से आह्वान किया कि वे हिंदू-मुसलमान का भेद त्याग कर सिर्फ हिन्दुस्तानी के तौर पर अंग्रेजी साम्राज्यवाद से लड़ने के लिए एक हो जाएं।ह्यअंग्रेजों, भारत छोड़ो आंदोलनह्य के दौरान देशभक्त हिन्दुस्तानियों की कुर्बानियांभारत छोड़ो आंदोलन की घोषणा के साथ ही पूरे देश में क्रांति की एक लहर दौड़ गयी। अगले कुछ महीनों में देश के लगभग हर भाग में अंग्रेज सरकार के विरुद्ध आम लोगों ने जिस तरह लोहा लिया, उससे 1857 के भारतीय जनता के पहले मुक्ति संग्राम की यादें ताजा हो गयीं। 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन ने इस सच्चाई को एक बार फिर रेखांकित किया कि भारत की आम जनता किसी भी कुर्बानी से पीछे नहीं हटती है। अंग्रेज शासकों ने दमन करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। 9 अगस्त की सुबह से ही पूरा देश एक फौजी छावनी में बदल दिया गया। गांधीजी समेत कांग्रेस के बड़े नेताओं को तो गिरफ़्तार किया ही गया, दूरदराज के इलाकों में भी कांग्रेसी कार्यकताओं को भयानक यातनाएं दी गयीं।सरकारी दमन और हिंसा का ऐसा तांडव देश के लोगों ने झेला, जिसके उदाहरण कम ही मिलते हैं। स्वयं सरकारी आंकड़ों के अनुसार, पुलिस और सेना द्वारा सात सौ से भी ज्यादा जगह गोलाबारी की गयी, जिसमें ग्यारह सौ से भी ज्यादा लोग शहीद हो गये। शहीदों की यह तादाद सफ़ेद झूठ थी। पुलिस और सेना ने आतंक मचाने के लिए बलात्कार और कोड़े लगाने का बड़े पैमाने पर प्रयोग किया। भारत में किसी भी सरकार द्वारा इन हथकंडों का इस तरह का संयोजित प्रयोग 1857 के बाद शायद पहली बार ही किया गया था।अंग्रेज सरकार के भयानक, बर्बर और अमानवीय दमन के बावजूद देश के आम हिंदू, मुसलमानों और अन्य धर्म के लोगों ने हौसला नहीं खोया और सरकार को मुंहतोड़ जवाब दिया। यह आंदोलन ह्यअगस्त क्रांतिह्न क्यों कहलाता है, इसका अंदाजा उन सरकारी आंकड़ों को जानकर लगाया जा सकता है, जो जनता की इस आंदोलन में कार्यवाहियों का ब्योरा देते हैं। सरकारी आंकड़ों के अनुसार 208 पुलिस थानों, 1275 सरकारी दफ़्तरों, 382 रेलवे स्टेशनों और 945 डाकघरों को जनता द्वारा नष्ट कर दिया गया। जनता द्वारा हिंसा बेकाबू होने के पीछे मुख्य कारण यह था कि पूरे देश में कांग्रेसी नेतृत्व को जेलों में डाल दिया गया था और कांग्रेस संगठन को हर स्तर पर गैर-कानूनी घोषित कर दिया गया था। कांग्रेसी नेतृत्व के अभाव में अराजकता का होना बहुत गैर-स्वाभाविक नहीं था। यह सच है कि नेतृत्व का एक बहुत छोटा हिस्सा गुप्त रूप से काम कर रहा था, परंतु आमतौर पर इस आंदोलन का स्वरूप स्वतः स्फूर्त बना रहा।जिन्ना, सावरकर और आरएसएस का अंग्रेज सरकार के साथ आनायह जानकर किसी को भी आश्चर्य नहीं होना चाहिए कि इस आंदोलन के दरम्यान जिन तत्वों और संगठनों ने दमनकारी अंग्रेज सरकार के प्यादों के तौर पर काम किया, वे हिंदू और इस्लामी राष्ट्र के झंडे उठाये हुए थे। आज के देशभक्त नेताओं ने किस तरह से न केवल इस आंदोलन से अलग रहने का फैसला किया था, बल्कि इसको दबाने में गोरी सरकार की सीधी सहायता की थी, इसके बारे में बहुत

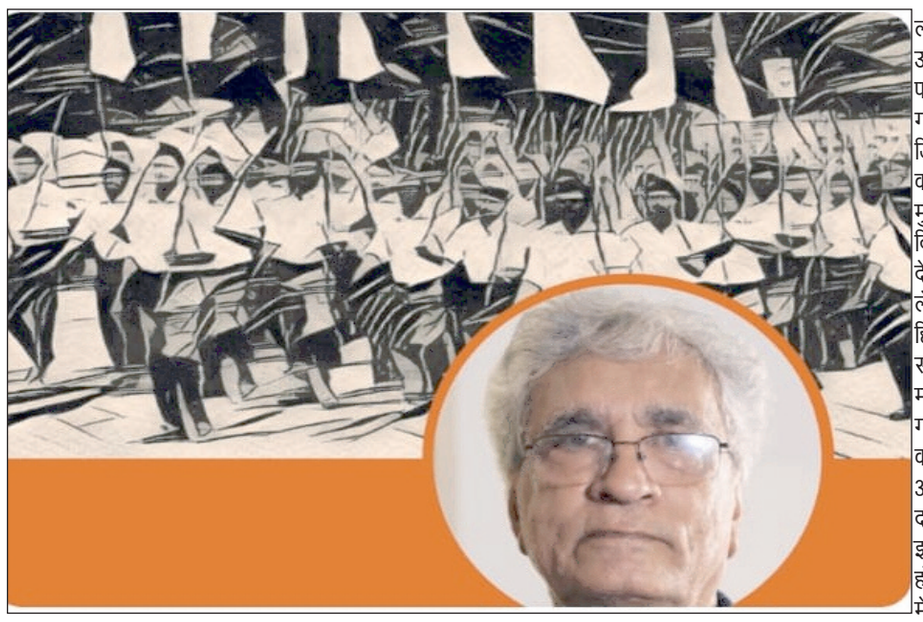

कम जानकारी है।जिन्ना की गद्दारीमुस्लिम लीग के नेता मोहम्मद अली ने कांग्रेसी घोषणा की प्रतिक्रिया में अंग्रेज सरकार को आश्वासन देते हुए कहा : ₹कांग्रेस की असहयोग की धमकी दरअसल श्री गांधी और उनकी हिंदू कांग्रेस सरकार द्वारा अंग्रेज सरकार को ब्लैकमेल करने की है। सरकार को इन गीदड़ भभकियों में नहीं आना चाहिए।₹मुस्लिम लीग और उनके नेता अंग्रेजी सरकार के बर्बर दमन पर न केवल पूर्णरूप से खामोश रहे, बल्कि प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से अंग्रेज सरकार का सहयोग करते रहे। मुस्लिम लीग इससे कुछ भिन्न करे, इसकी उम्मीद भी नहीं की जा सकती थी, क्योंकि वह सरकार और कांग्रेस के बीच इस भिड़ंत के चलते अपना उल्लू सीध करना चाहती थी। उसे उम्मीद थी कि उसकी सेवाओं के चलते अंग्रेज शासक उसे पाकिस्तान का तोहफा जरूर दिला देंगे।भारत छोड़ो आंदोलन के खिलाफ सावरकर के नेतृत्व में हिन्दू महासभा ने खुले-आम दमनकारी अंग्रेज शासकों की मदद की घोषणा कीलेकिन सबसे शर्मनाक भूमिका हिंदू महासभा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की रही, जो भारत माता और हिंदू राष्ट्रवाद का बखान करते नहीं थकते थे। भारत छोड़ो आंदोलन पर अंग्रेजी शासकों के दमन का कहर बरपा था और देशभक्त लोग सरकारी संस्थाओं को छोड़कर बाहर आ रहे थे ; इनमें बड़ी संख्या उन नौजवान छात्र-छात्राओं की थी, जो कांग्रेस के आह्वान पर सरकारी शिक्षा संस्थानों को त्याग कर यानी अपनी पढ़ाई बीच में ही छोड़कर बाहर आ गये थे। लेकिन यह हिंदू महासभा ही थी, जिसने अंग्रेज सरकार के साथ खुले सहयोग की घोषणा की। हिंदू महासभा के सर्वेसर्वा वीर सावरकर ने 1942 में कानपुर में अपनी इस नीति का खुलासा करते हुए कहा : ₹सरकारी प्रतिबंध के तहत जैसे ही कांग्रेस एक खुले संगठन के तौर पर राजनीतिक मैदान से हटा दी गयी है, तो अब राष्ट्रीय कार्यवाहियों के संचालन के लिए केवल हिंदू महासभा ही मैदान में रह गयी है।ह्वहिंदू महासभा के मतानुसार व्यावहारिक राजनीति का मुख्य सिद्धांत अंग्रेज सरकार के साथ संवेदनपूर्ण सहयोग की नीति है, जिसके अंतर्गत बिना किसी शर्त के अंग्रेजों के साथ सहयोग, जिसमें हथियार बंद प्रतिरोध भी शामिल है।₹भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान हिन्दू महासभा और मुस्लिम लीग ने साझा सरकारें चलाईंकांग्रेस का भारत छोड़ो आंदोलन दरअसल सरकार और मुस्लिम लीग के बीच देश के बंटवारे के लिए चल रही बातचीत को भी चेतावनी देना था। इस उद्देश्य से कांग्रेस ने सरकार और मुस्लिम लीग के साथ किसी भी तरह के सहयोग का बहिष्कार किया हुआ था। लेकिन इसी समय हिंदू महासभा ने मुस्लिम लीग के साथ सरकारें चलाने का निर्णय लिया। ह्यवीरह्य सावरकर जो अंग्रेज सरकार की खिदमत में 5-6 माफी-नामे लिखने के बाद दी गयी सजा का केवल 1/5 हिस्सा भोगने के बाद हिन्दू महासभा के सर्वोच्च नेता बन गए थे, ने इस शर्मनाक रिश्ते के बारे में सफाई देते हुए 1942 में कहा :₹व्यावहारिक राजनीति में भी हिंदू महासभा जानती है कि बुद्धिसम्मत समझौतों के जरिए आगे बढ़ना चाहिए। यहां सिंध हिंदू महासभा ने निमंत्रण के बाद मुस्लिम लीग के साथ मिली-जुली सरकार चलाने की जिम्मेदारी ली। बंगाल का उदाहरण भी सबको पता है। उद्दंड लीगी, जिन्हें कांग्रेस अपनी तमाम आत्मसमर्पणशीलता के बावजूद खुश नहीं रख सकी, हिंदू महासभा के साथ संपर्क में आने के बाद काफी तर्कसंगत समझौतों और सामाजिक व्यवहार के लिए तैयार हो गये। और वहां की मिली-जुली सरकार मिस्टर फजलुल हक को प्रधानमंत्रित्व और महासभा के काबिल व मान्य नेता श्यामा प्रसाद मुखर्जी के नेतृत्व में दोनों समुदाय के फायदे के लिए एक साल तक सफलतापूर्वक चली।₹यहां यह याद रखना जरूरी है कि बंगाल और सिंध के अलावा एनडब्ल्यूएफपी में भी हिन्दू महासभा और मुस्लिम लीग की गठबंधन सरकार 1942 में सत्तासीन हुई।श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने बंगाल में मुस्लिम लीग के नेतृत्व वाली सरकार में गृह और उपह्नमुख्य मंत्री रहते हुए ह्यअंग्रेजों भारत छोड़ो आंदोलनह्य को दबाने के लिए गोरे आकाओं को उपाय सुझायेहिन्दू महासभा के नेता नंबर दो श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने तो हद ही कर दी। आरएसएस के प्यारे इस महान हिन्दू राष्ट्रवादी ने बंगाल में मुस्लिम लीग के मंत्री मंडल में गृह मंत्री और उप-मुख्यमंत्री का पद संभाला, अनेक पत्रों में बंगाल के जालिम अंग्रेज गवर्नर को दमन के वे तरीके सुझाये, जिनसे बंगाल में भारत छोड़ो आंदोलन को पूरे तौर पर दबाया जा सकता था। मुखर्जी ने अंग्रेज शासकों को भरोसा दिलाया कि कांग्रेस अंग्रेज शासन को देश के लिया अभिशाप मानती है, लेकिंग उनकी मुस्लिम लीग और हिन्दू महासभा की मिली-जुली सरकार इसे देश के लिए वरदान मानती है।राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की गद्दारीअगर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का रवैया 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन के प्रति जानना हो, तो इसके दार्शनिक एम.एस. गोलवलकर के इस शर्मनाक वक्तव्य को पढ़ना काफी होगा : ₹1942 में भी अनेकों के मन में तीव्र आंदोलन था। इस समय भी संघ का नित्य कार्य चलता रहा। प्रत्यक्ष रूप से संघ ने कुछ न करने का संकल्प लिया।₹इस तरह स्वयं गोलवलकर, जिन्हें गुरुजी भी कहा जाता है, से हमें यह तो पता चल जाता है कि संघ ने आंदोलन के पक्ष में परोक्ष रूप से किसी भी तरह की हिस्सेदारी नहीं की। लेकिन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के किसी भी प्रकाशन या दस्तावेज या स्वयं गुरुजी के किसी दस्तावेज से आज तक यह पता नहीं लग पाया है कि संघ ने अप्रत्यक्ष रूप से भारत छोड़ो आंदोलन में किस तरह की हिस्सेदारी की थी। गुरुजी का यह कहना कि भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का रोजमर्रा का काम ज्यों-का-त्यों चलता रहा, बहुत अर्थपूर्ण है। यह रोजमर्रा का काम क्या था, इसे समझना जरा भी मुश्किल नहीं है। यह काम था, मुस्लिम लीग के कंधे से कंधा मिलाकर हिंदू और मुसलमान के बीच खाई को गहराते जाना।आरएसएस के संस्थापक, डा. के.बी. हेडगेवार (डाक्टरजी) और उनके उत्तराधिकारी, गोलवलकर (गुरुजी) ने अंग्रेज शासकों के विरुद्ध किसी भी आंदोलन अथवा कार्यक्रम में कोई भागीदारी नहीं की। भारत छोड़ो आंदोलन ही नहीं अंग्रेज सरकार के विरुद्ध किसी भी आंदोलन को वे कितना नापसन्द करते थे, इसका अंदाजा श्री गुरुजी के इन शब्दों से लगाया जा सकता है : ₹नित्यकर्म में सदैव संलग्न रहने के विचार की आवश्यकता का और भी एक कारण है। समय-समय पर देश में उत्पन्न परिस्थिति के कारण मन में बहुत उथल-पुथल होती ही रहती है। सन् 1942 में ऐसी उथल-पुथल हुई थी। उसके पहले सन् 1930-31 में भी आंदोलन हुआ था। उस समय कई लोग डाक्टर जी के पास गये थे। इस ह्यशिष्टमंडलह्न ने डाक्टर जी से अनुरोध किया कि इस आंदोलन से स्वातंत्र्य मिल जायेगा और संघ को पीछे नहीं रहना चाहिए। उस समय एक सज्जन ने जब डाक्टर जी से कहा कि वे जेल जाने के लिए तैयार हैं, तो डाक्टर जी ने कहा -- ह्यजरूर जाओ। लेकिन पीछे आपके परिवार को कौन चलायेगा?ह्न उस सज्जन ने बताया : ह्यदो साल तक केवल परिवार चलाने के लिए ही नहीं, तो आवश्यकता अनुसार जुमार्ना भरने की भी पर्याप्त व्यवस्था उन्होंने कर रखी है।ह्न तो डाक्टर जी ने कहा -- ह्यआपने पूरी व्यवस्था कर रखी है, तो अब दो साल के लिए संघ का ही कार्य करने के लिए निकलो।ह्न घर जाने के बाद वह सज्जन न जेल गये, न संघ का कार्य करने के लिए बाहर निकले।₹गोलवलकर द्वारा प्रस्तुत इस ब्यौरे से यह बात स्पष्ट रूप से सामने आ जाती है कि आरएसएस का मकसद आम लोगों को निराश व निरुत्साह करना था। खासतौर से उन देशभक्त लोगों को, जो अंग्रेजी शासन के खिलाफ कुछ करने की इच्छा लेकर घर से आते थे। सच तो यह है कि गोलवलकर ने स्वयं भी कभी यह दावा नहीं किया कि आरएसएस अंग्रेज विरोधी है। अंग्रेज शासकों के चले जाने के बहुत बाद गोलवलकर ने 1960 में इंदौर (मध्य प्रदेश) में अपने एक भाषण में कहा : ₹कई लोग पहले इस प्रेरणा से काम करते थे कि अंग्रेजों को निकाल कर देश को स्वतंत्र करना है। अंग्रेजों के औपचारिक रीति से चले जाने के पश्चात यह प्रेरणा ढीली पड़ गयी। वास्तव में इतनी ही प्रेरणा रखने की आवश्यता नहीं थी। हमें स्मरण होगा कि हमने प्रतिज्ञा में धर्म और संस्कृति की रक्षा कर राष्ट्र की स्वतंत्रता का उल्लेख किया है। उसमें अंग्रेजों के जाने-न जाने का उल्लेख नहीं है।₹आरएसएस ऐसी गतिविधियों से बचता था, जो अंग्रेजी सरकार के खिलाफ हों। संघ द्वारा छापी गयी डाक्टर हेडगेवार की जीवनी में भी इस सच्चाई को छुपाया नहीं जा सका है। स्वतंत्रता संग्राम में डाक्टर साहब की भूमिका का वर्णन करते हुए बताया गया है : ₹संघ-स्थापना के बाद डा. साहब अपने भाषणों में हिन्दू संगठन के संबंध में ही बोला करते थे। सरकार पर प्रत्यक्ष टीका नहीं के बराबर रहा करती थी।₹अंग्रेजी राज के खिलाफ संघर्ष में जो भारतीय शहीद हुए, उनके बारे में गुरुजी क्या राय रखते थे, वह इस वक्तव्य से बहुत स्पष्ट है : ₹हमने बलिदान को महानता का सर्वोच्च बिंदु, जिसकी मनुष्य आकांक्षा करे, नहीं माना है, क्योंकि अंततः वह अपना उद्देश्य प्राप्त करने में असफल हुए और असफलता का अर्थ है कि उनमें कोई गंभीर त्रुटि थी।₹शायद यही कारण है कि भारत के स्वतंत्रता संग्राम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का एक भी कार्यकर्ता अंग्रेजों के खिलाफ संघर्ष करते हुए शहीद नहीं हुआ। शहीद होने की बात तो दूर रही, आरएसएस के उस समय के नेताओं, जैसे कि गोलवलकर, दीनदयाल उपाध्याय, बलराज मधोक, लाल कृष्ण अडवाणी, के आर मलकानी या अन्य किसी आरएसएस सदस्य ने किसी भी तरह इस महान मुक्ति आंदोलन में हिस्सा नहीं लिया, क्योंकि आरएसएस और सावरकर अंग्रेज सरकार का पिछलग्गू बनी हुई थी। भारत छोड़ो आंदोलन के 82 साल गुज़रने के बाद भी कई महत्वपूर्ण सच्चाईयों से पर्दा उठना बाकी है। दमनकारी अंग्रेज शासक और उनके मुस्लिम लीगी प्यादों के बारे में तो सच्चाईयां जगजाहिर हैं, लेकिन अगस्त क्रांति के हिंदुत्ववादी गुनहगार, जो अंग्रेज सरकारी द्वारा चलाये गये दमन चक्र में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से शामिल थे, अभी भी कठघरे में खड़े नहीं किये जा सके हैं। सबसे शर्मनाक बात तो यह है कि वे भारत पर राज कर रहे हैं। हिंदू राष्ट्रवादियों की इस भूमिका को जानना इसलिए भी जरूरी है कि आज उनके द्वारा एक प्रजातांत्रिक, धर्मनिरपेक्ष भारत के साथ जो खिलवाड़ किया जा रहा है, उसके आने वाले गंभीर परिणामों को समझा जा सके। आरएसएस और सावरकर के तमाम उद्धरण उनके दस्तावेजों से लिये गये हैं। लेखक दिल्ली विश्वविद्यालय के पूर्व प्राध्यापक हैं और आरएसएस संबंधी गहन शोधकार्यों के लिए चर्चित हैं।

रक्षाबंधन का पावन त्योहार भाई-बहन के प्यार और स्नेह के अटूट बंधन का प्रतीक : ठाकुर संजीव कुमार सिंह

सभी देशबासियों को पावन रक्षाबंधन पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं

संस्कार उजाला

यूपी। रक्षाबंधन का पावन त्योहार हमारे समाज में बहुत महत्वपूर्ण स्थान रखता है। यह त्योहार भाई-बहन के पवित्र रिश्ते को मजबूत बनाने और उनके बीच प्यार और स्नेह को बढ़ावा देने का एक अवसर प्रदान करता है। इस दिन बहनें अपने भाइयों की कलाई पर राखी बांधती हैं और उनके लिए दुआ करती हैं, वहीं, भाई भी अपनी बहनों की रक्षा का वचन देते हैं। रक्षाबंधन त्योहार के खास अवसर पर सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता एवं कांग्रेस के राष्ट्रीय नेता समाजसेवी ठाकुर संजीव कुमार सिंह एडवोकेट ने सभी को हार्दिक शुभकामनाएं दी। उन्होंने बताया, इस त्योहार की महत्ता हमारे समाज में बहुत गहरी है। यह हमें भाई-बहन के पवित्र रिश्ते की याद दिलाता है और हमें इस रिश्ते को मजबूत बनाने के लिए प्रेरित करता है। आज के दिन हम अपने जीवन में मौजूद भाई - बहनों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हैं और उनके स्नेह को मजबूत बनाते हैं। यह त्योहार भाई-बहन के प्यार, स्नेह का अटूट बंधन का प्रतीक है। भाई-बहन का रिश्ता सबसे पवित्र और अनमोल होता है। बहनें अपने भाइयों की कलाई पर राखी बांधकर उनकी लंबी उम्र और सुख-समृद्धि की कामना करती हैं, वहीं भाई भी अपनी बहनों की रक्षा का वचन देते हैं। इस पावन त्योहार के माध्यम से हमें अपने जीवन में मौजूद भाई-बहनों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करनी चाहिए और उनके साथ अपने प्यार और स्नेह को मजबूत बनाना चाहिए। आज के दिन हम अपने जीवन को नए संकल्पों और उमंगों से भरने का संकल्प लेते हैं। श्री सिंह ने आगे कहा, यह त्योहार भाई-बहन के प्यार को मजबूत बनाने और उनके रिश्ते को और गहरा बनाने का एक शानदार अवसर है। भाइयों के हाथों में सजती राखी रक्षाबंधन के इस पावन पर्व को और भी सुंदर और खूबसूरत बनाती है और राखी बहनों की भावनाओं को और भी खूबसूरती से व्यक्त करती हैं। रक्षाबंधन के इस खास मौके पर भाई-बहन के प्यार और स्नेह को और भी खूबसूरती से प्रकट करती हैं। इस त्योहार के माध्यम से हमें महत्वपूर्ण मूल्यों की याद आती है। जैसे - परिवार का महत्वः रक्षाबंधन परिवार के बंधन को मजबूत बनाने का एक अवसर है। भाई-बहन का प्यारः यह त्योहार भाई-बहन के बीच प्यार और स्नेह को बढ़ावा देता है। सुरक्षा और रक्षाः भाई अपनी बहन की रक्षा का वचन देता है, जो एक महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। सामाजिक एकताः रक्षाबंधन समाज में एकता और सौहार्द को बढ़ावा देता है। इस प्रकार, रक्षाबंधन हमारे समाज में एक महत्वपूर्ण त्योहार है, जो हमें पारिवारिक मूल्यों, प्यार, स्नेह और सुरक्षा को बढ़ावा प्रदान करता हैं। प्यार और स्नेह से भरा रक्षाबंधन का यह त्योहार हमें अपने परिवार और समाज के बंधनों को मजबूत बनाने का एक शानदार अवसर प्रदान करता है। यह त्योहार वास्तव में भाई-बहन के प्यार और स्नेह का प्रतीक है और हमें अपने परिवार के बंधनों को मजबूत बनाने का एक अवसर प्रदान करता है। पावन रक्षाबंधन के इस खास मौके पर, मैं आपके और आपके परिवार के लिए सुख, समृद्धि और खुशियों की कामना करता हूँ। सभी को पावन पर्व रक्षाबंधन की हार्दिक शुभकामनाएं।

आर.ए. एस. मेडिसिटी हास्पिटल में आयुष्मान कार्ड धारकों को अब मिलेगी निःशुल्क इलाज की व्यवस्था

आयुष्मान कार्ड धारकों को मिलेगा निःशुल्क इलाज : रामनिवास वर्मा विधायक नानपारा

संस्कार उजाला

डॉ0सै0अब्दुल खबिर

नानपारा, बहराइच अब आयुष्मान कार्ड धारकों को बेहतर और निःशुल्क इलाज के लिये कहीं दूर नही जाना पड़ेगा इस हास्पिटल में आयुष्मान भारत प्रधान मंत्री जन आरोग्य योजना अंतर्गत इस कार्ड के माध्यम से निःशुल्क आपरेशन उपचार की सुविधा संचालित हो चुकी है इस हास्पिटल के मैनेजिंग डायरेक्टर डा. अरशद सिद्दीकी, नवजात एवं बाल रोग विशेषज्ञ डा. प्रियंका वर्मा सी.ई.ओ.स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ ने बताया कि सभी प्रकार के मरीजों का इलाज एवं दूरबीन विधि से आपरेशन की सुविधा हमारे यहां है इस कार्ड से लोगों को

निःशुल्क इलाज की सुविधा संचालित हो चुकी है इस हास्पिटल में आई.सी.यू., एन.आई.सी.यू.,पी.आई.सी.यू. जैसी सुविधाओं का क्षेत्र वासी लाभ उठा सकेंगे आज इस योजना से लाभ हेतु आर.ए. एस. मेडिसिटी हास्पिटल में उद्घाटन कार्यक्रम के मुख्यतिथि नानपारा विधायक रामनिवास वर्मा रहे विशिष्ट अतिथि चेयरमैन नानपारा अ. वहीद रहे इस कार्यक्रम में समाज सेवी धर्मराज विश्वकर्मा , हाजी रज्जब अली सहित हास्पिटल का समस्त स्टाफ एवं क्षेत्रीय शहरी तथा ग्रामीण अंचल के लोग मौजूद रहे।

जिलाधिकारी ने 08 दिवंगत अधिवक्तागण के आश्रितों को किए प्रतीकात्मक चैक वितरित

संस्कार उजाला

गाजियाबाद। महात्मा गांधी सभागार, कलेक्ट्रेट में जिलाधिकारी श्री इन्द्र विक्रम सिंह की अध्यक्षता में माननीय मुख्य मंत्री जी द्वारा दिवंगत अधिवक्तागण के आश्रितों को आर्थिक सहायता प्रदान किये जाने का लाइव प्रसारण कार्यक्रम देखा गया। माननीय मुख्यमंत्री द्वारा रविवार को स्मृतिशेष 577 अधिवक्ताओं के आश्रितों को लोकभवन में अधिवक्ता कल्याण निधि से सहायता राशि प्रदान की। इस दौरान उन्होने बताया कि मृतक अधिवक्ता के आश्रित के लिए अधिवक्ता कल्याण निधि की राशि डेढ़ लाख से बढ़ाकर पांच लाख की गई। आयु भी 60 से बढ़ाकर 70 वर्ष की गई। सीएम योगी ने कहा कि कल रक्षाबंधन का त्योहार है। इसकी पूर्व संध्या पर यह आयोजन बताता है कि त्योहार का आनंद इससे अच्छा नहीं हो सकता, जब हम किसी निराश्रित के साथ खड़े होकर उसकी सहायता के लिए तत्पर दिखाई देते हैं। दिवंगत अधिवक्तागण के आश्रितों को आर्थिक सहायता प्रदान किये जाने के शासनादेश के अनुसार जिलाधिकारी श्री इन्द्र विक्रम सिंह द्वारा जनपद के 08 अधिवक्ताओं के आश्रितों को 5—5 लाख के प्रतीकात्मक (डमी) चैक वितरित किये गये। कार्यक्रम के दौरान एडीएम ई श्री रणविजय सिंह, अन्य अधिकारीगण, अधिवक्तागण, दिवंगत अधिवक्तागण के आश्रित उपस्थित रहे।

भारतीय किसान संगठन ने महापौर सुनीता दयाल को दिया ज्ञापन

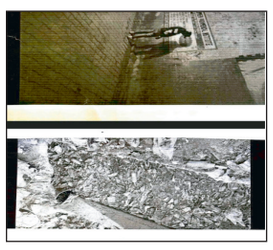

संस्कार उजाला

निवेदन है कि अकबरपुर बहरामपुर 16952ए अग्रेजी शराब की दुकान वार्ड नं0-35, अकबरपुर बहरामपुर, थाना कोसिंग, जनपद गाजियाबाद में संचालित की जा रही है जो कि रिहायशी इलाके व मंदिर के पास है, तथा नाबालिग बच्चियों के प्रशिक्षण केन्द्र के पास है। अंग्रेजी शराब की दुकान के आसपास दिन-रात असमाजिक तत्वो का जमावड़ा लगा रहता है जो अक्सर खुले में शराब पीते है तथा नाबालिग बच्चियो पर बुरी नजर रखते है, कालोनी की महिलाओं के साथ अक्सर कोई ना कोई घटना घटित करते रहते है। रास्ते में खड़े होकर पेशाब करते रहते है, तया मना करने पर गंदी-गंदी गालिया देकर लड़ाई झगड़ा करते है। कालोनी के लोगो का परिवार के साथ रहना मुश्किल हो गया है। अंग्रेजी शराब के इस ठेके के कारण स्वर्ग जैसी कालोनी नर्क बन गयी है। कोई भी बड़ी घटना कभी भी घट सकती है। कालोनी के लोग घर बेचकर पलायन करने को मजबूर है। कालोनी का नाला भी खाली शराब की बोतलो व गिलास आदि के कचरे से जाम हो जाता है, जिससे पानी निकासी की (समस्त) खड़ी हो जाती है। कालोनी वासी इस शराब की दुकान से बेहद दुखी व परेशान है, लोगो के मौलिक अधिकारो का हनन हो रहा है। अतः श्रीमान जी से प्रार्थना है कि उक्त प्रकरण की गंभीरता को समझते हुये उक्त अंग्रेजी शराब की दुकान को हटाकर रिहायशी इलाके से कहीं दूर स्थापित कराने की कृपा करें प्रार्थीगण समस्त अकबरपुर बहरामपुर कालोनी वासी राजेश यादव (कोषाध्यक्ष गाजि. व मेरठ मंण्डल सचिव)

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक राजकुमार शर्मा ने वैकुंठ मीडिया प्राइवेट लिमिटेड सी -285, सेक्टर-11, विजय नगर, गाजियाबाद से छपवाकर कार्यालय 178 राहुल विहार विजय नगर,गाजियाबाद से प्रकाशित किया है। किसी खबर या लेख से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।
सभी विवादों का निस्तारण जिला न्यायालय गाजियाबाद में होगा। प्रबंध संपादक-महेश कुमार - 9911733939, कानूनी सलाह- नरेंद्र सिंह रणोत एडवोकेट, सलाहकार कुशल सिंह, RNI No-UPHIN/2013/50466, Editor R.K. Sharma : 09456278011